किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 56 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 05 दिसम्बर 2025 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

भारत-रूस ने मत्स्य, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में सहयोग को दी नई गति

समाज जागरण

नई दिल्ली, 4 दिसंबर 2025। भारत और रूस ने अपने दीर्घकालिक और "Special and Privileged Strategic Partnership" को और मजबूत करते हुए मत्स्य, पशुपालन और डेयरी व्यापार में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 04-05 दिसंबर 2025 को 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए भारत में मौजूद हैं। इसी कड़ी में आज कृषि भवन, नई दिल्ली में भारत के मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) और रूस की कृषि मंत्री ओक्साना लुट के बीच उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक हुई।

बैठक में दोनों देशों ने मत्स्य, पशु एवं डेयरी उत्पादों के व्यापार को बढ़ाने, बाजार पहुँच की समस्याओं को हल करने और भारतीय निर्यात प्रतिष्ठानों की सूचीकरण प्रक्रियाओं को तेज करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने बैठक के दौरान बताया कि भारत ने वर्ष 2024-25 में कुल 7.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के मछली और मत्स्य उत्पादों का निर्यात किया, जिनमें से 127 मिलियन डॉलर का निर्यात रूस को किया गया। उन्होंने रूस को झींगा, प्रॉन, मैकेरल, सार्डिन, टूना, केकड़ा, स्क्विड और कटलफिश जैसे विविध उत्पादों के निर्यात बढ़ाने की बड़ी संभावनाओं पर जोर दिया।

रूस ने भी भारत से मछली, पशु एवं मांस उत्पाद खरीदने की तत्परता जताई तथा विशेष रूप से ट्राउट मछली के विकास के लिए संयुक्त तकनीकी परियोजना में रुचि दिखाई। इस पहल से आगे चलकर दोनों देशों में संयुक्त उद्यमों की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं।

भारत का ईवी बाजार 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश का इलेक्ट्रिक वाहन (EV) बाजार 2030 तक लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के मूल्य तक पहुंचने की क्षमता रखता है, जिससे करीब पांच करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने यह जानकारी आज गुरुवार को लोकसभा में बीजेपी सांसद पी.सी. मोदी द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में बताया कि वर्तमान में भारत में कुल 57 लाख ईवी पंजीकृत हैं और 2024-25 में ईवी की बिक्री पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में काफी तेज रही है।

गडकरी के अनुसार ईवी कारों की बिक्री में 20.8% की वृद्धि हुई, जबकि पेट्रोल और डीजल कारों की बिक्री 4.2% बढ़ी। दो-पहिया ईवी की बिक्री में 33% और तीन-पहिया ईवी में 18% की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि इन्हीं श्रेणियों में पेट्रोल-डीजल वाहनों की बिक्री क्रमशः 14% और 6% बढ़ी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक दो-पहिया बाजार में 400 से ज्यादा स्टार्टअप सक्रिय हो चुके हैं .

प्रधानमंत्री आवास पहुंचे पीएम मोदी और पुतिन, रॉयल डिनर के साथ होगी प्लानिंग

समाज जागरण

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहुंचें. उनके स्वागत के लिए पीएम मोदी पहले ही पालम एयरपोर्ट पर मौजूद थे और उन्हें देखते ही गले लगा लिया. इसके बाद दोनों एक साथ कार में बैठकर पीएम मोदी के आवास के लिए निकल गए. यूक्रेन युद्ध के बाद यह पुतिन की पहली भारत यात्रा है, इसलिए कूटनीतिक, सुरक्षा और लॉजिस्टिक स्तर पर बेहद सख्त व्यवस्थाएं की गई हैं. शहर के कई हिस्सों में उनके स्वागत के लिए फ्लेक्स बोर्ड और रूसी झंडे लगा दिए गए हैं, जबकि ट्रैफिक डायवर्जन और सुरक्षा कवच पहले से लागू कर दिए गए हैं.

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दिल्ली पहुंचने से ठीक पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रूस के रक्षा मंत्री की द्विपक्षीय बैठक शुरू हो चुकी है. यह मीटिंग शिखर सम्मेलन से पहले भारत-रूस रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बेहद अहम मानी जा रही है. बैठक में रक्षा उत्पादन, जॉइंट मैन्युफैक्चरिंग, सैन्य तकनीक सहयोग, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट और भविष्य के रक्षा कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद है. पुतिन के आने से पहले दोनों देशों के रक्षा ढांचे का यह तालमेल यात्रा की रणनीतिक अहमियत को और बढ़ाता है.

पुतिन की यात्रा के कारण ट्रैफिक डायवर्जन

पुतिन आज शाम दिल्ली पहुंचेंगे और एयरपोर्ट से सीधे सरदार पटेल मार्ग स्थित होटल जाएंगे. इस दौरान एनएच-S, धौला कुआं और दिल्ली कैंट के आसपास ट्रैफिक प्रभावित हो सकता है. शाम को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें प्राइवेट डिनर पर होस्ट करेंगे, जिसके कारण सरदार पटेल मार्ग, पंचशील मार्ग और शांति पथ के आसपास भी वाहनों की आवाजाही धीमी रहेगी. दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों से ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन दावा किया है कि

ट्रैफिक को लंबी अवधि तक ब्लॉक नहीं रखा जाएगा.

शुक्रवार को हालात और चुनौतीपूर्ण होंगे क्योंकि पुतिन का पूरा दिन लगातार कार्यक्रमों से भरा है. सुबह वह राजघाट जाएंगे, इसके बाद हैदराबाद हाउस में औपचारिक बैठकें होंगी. दोपहर में भारत मंडपम में कार्यक्रम तय है, जबकि शाम को राष्ट्रपति भवन में स्टेट बैंक्वेट का आयोजन होगा. इन गतिविधियों के चलते राजघाट, आईटीओ, रिंग रोड, तिलक मार्ग, इंडिया गेट, भैरो रोड, मथुरा रोड, मंडी हाउस और दिल्ली गेट जैसे इलाकों में ट्रैफिक रुक-रुक कर चलता रह सकता है. जरूरत पड़ने पर कुछ मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है.

पुतिन की सिक्योरिटी कैसी होगी?

इधर सुरक्षा इंतजाम भी अपनी चरमसीमा पर हैं. पुतिन की हर विदेश यात्रा की तरह इस दौरे में भी उनकी सुरक्षा के लिए मल्टी-लेयर कवच तैयार किया गया है. पांच-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में NSG कमांडो, स्नाइपर्स, जैमर, ड्रोन सर्विलांस और अक आधारित निगरानी तकनीक तैनात की गई है. महत्वपूर्ण जगहों पर हाई-टेक फेशियल रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं. 40 से ज्यादा रूसी सुरक्षा अधिकारी दिल्ली पहुंचकर NSG और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर काफिले की हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं. पीएम मोदी के साथ बैठक के दौरान एसपीजी का विशेष सुरक्षा घेरा भी सक्रिय रहेगा.

इस यात्रा को भारत-रूस संबंधों के लिए अहम मोड़ माना जा रहा है. शुक्रवार को होने वाली 23वीं वार्षिक शिखर बैठक में रक्षा सहयोग, ऊर्जा, व्यापार और अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होनी है. राजधानी में तैयारियों की रफ्तार और सुरक्षा का स्तर बताता है कि यह यात्रा सिर्फ कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण होने वाली है.

एसआईआर सर्वे: तमिलनाडु में कट सकते हैं लाखों मतदाताओं के नाम, अपील जमा करने की अंतिम तारीख 11 दिसंबर

समाज जागरण

तमिलनाडु में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत वोटर लिस्ट को साफ-सुथरा बनाने की मुहिम तेज हो गई है। चुनाव आयोग के अनुमान के मुताबिक, 40 से 50 लाख वोटर्स के नाम लिस्ट से हटाए जा सकते हैं। यह अभियान 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले वोटर रोल को अपडेट करने का बड़ा कदम है, लेकिन इससे कई लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राज्य में कुल 6.41 करोड़ वोटर्स हैं। अभी तक 25.72 लाख ऐसे लोगों की पहचान हो चुकी है, जो मर चुके हैं। इनके नाम लिस्ट से हटाना तय है। इसके अलावा, 39 लाख वोटर्स ने अपना स्थायी पता बदल लिया है, जबकि 9

लाख वोटर्स का अभी कोई पता नहीं चल पा रहा। चुनाव आयोग ने 3.32 लाख डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन वाले वोटर्स की भी सूची तैयार की है। इन आधार पर, कम से कम 28 लाख नाम निश्चित रूप से वोटर लिस्ट से कट जाएंगे। अगर 9 लाख अनट्रेसेबल वोटर्स 11 दिसंबर तक अपनी अपील जमा नहीं कराते, तो उनके नाम भी लिस्ट से बाहर हो जाएंगे।

चुनाव आयोग ने बताया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद भी, जिन्होंने अपना घर हमेशा के लिए शिफ्ट किया है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन का मौका मिलेगा। यह प्रक्रिया घर-घर जाकर फॉर्म वितरित करने पर आधारित है। अब तक 63.2 लाख इलेक्टोरल फॉर्म बांटे जा चुके हैं, लेकिन 41 लाख लोगों को अभी फॉर्म नहीं मिला। अपील जमा करने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। लोग फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर ऑनलाइन या बीएलओ के जरिए अपडेट कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और विपक्षी दलों ने एसआईआर को 'खतरनाक' बताते हुए विरोध जताया है। वीसीके नेता थोल थिरुमावलावन ने चेतावनी दी कि इससे करीब एक करोड़ नाम कट सकते हैं, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। बिहार में 43 लाख नाम कटने का हवाला देते हुए उन्होंने संसद में बहस की मांग की। राजस्व अधिकारियों ने भी बीएलओ का अतिरिक्त काम न करने का फैसला लिया है, जिससे प्रक्रिया में देरी हो रही है।

चुनाव आयोग का कहना है कि यह कदम नकली वोटिंग रोकने और लिस्ट को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है। लोग टोल-फ्री हेल्पलाइन से मदद ले सकते हैं। अगर नाम गलत कट जाए, तो अपील का रास्ता खुला है।

सत्र के अंत में बाजार में हल्की रिकवरी, आईटी और ऑटो शेयरों ने दिखाई मजबूती

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में लगातार चार दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 158.51 अंक या 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 85,265.32 और निफ्टी 47.75अंक या 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,033.75 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी हरे निशान में बंद हुए। दूसरी तरफ एनर्जी,मीडिया, इन्फ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस लाल निशान में बंद हुआ। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हुआ। इस कारण से बाजार में बढ़ने वाले शेयरों की अपेक्षा गिरने वालों की संख्या अधिक थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 15.85 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 60,299.80 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 41.60 अंक की गिरावट के साथ 17,607.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टीसीएस,टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, सन फार्मा, बीईएल, ट्रेंट,आईटीसी, बजाज

फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, एचयूएल, पावर ग्रिड और एशियन पेंट्स गेनर्स थे। मारुति सुजुकी,इटरनल (जोमैटो), कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एसबीआई,आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी और एलएंडटी लूजर्स थे।

एसबीआई सिक्योरिटीज के सुदीप शाह ने कहा कि सत्र के दौरान निफ्टी ने 160 अंकों के एक सीमित दायरे में कारोबार किया। हालांकि, इंडेक्स 26,000 के स्तर से ऊपर बंद होने में कामयाब रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए सपोर्ट जोन 25,900 से लेकर 25,870 है। तेजी की स्थिति में इंडेक्स के लिए रुकावट का स्तर 26,140 से लेकर 26,160 है। अगर यह इस स्तर के पार निकलता है तो और मजबूती देखने को मिल सकती है। भारतीय शेयर बाजार की शुरूआत सपाट हुई थी। सेंसेक्स 5 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,101 और निफ्टी 2 अंक की कमजोरी के साथ 25,984 पर था।

संसद में उठी हलाल सर्टिफिकेशन पर बड़ी बहस

क्या हलाल सर्टिफिकेशन बंद होना चाहिए? संसद में उठी मांग

समाज जागरण

नई दिल्ली। हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर देश में जारी विवाद अब संसद तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र की विधायक और बीजेपी नेत्री डॉ. मेधा कुलकर्णी ने संसद के शून्यकाल में "हलाल सर्टिफिकेशन और उससे जुड़ी समस्याएं" का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया और इसे संविधान, उपभोक्ता अधिकारों एवं बाजार की पारदर्शिता के विरुद्ध बताया।

कुलकर्णी ने कहा कि 'हलाल' शब्द मूल रूप से एक धार्मिक अवधारणा है, जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों पर लागू होती है, लेकिन आज यह दूध, चीनी, तेल, दवाइयाँ, कॉस्मेटिक्स, कंस्ट्रक्शन मटेरियल, स्टील, प्लास्टिक और मिनरल जैसे गैर-खाद्य उत्पादों पर भी लागू किया जा रहा है। उन्होंने इसे अनुचित और संदेहास्पद बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था भारत की धर्मनिरपेक्ष नीति के लिए चुनौती बन चुकी है।

उन्होंने कहा, "भारत एक सेक्युलर देश है, यहाँ हर धर्म के लोगों की आस्था का सम्मान होना चाहिए।

हिंदू और सिख धर्म में हलाल परंपरा मान्य नहीं है, ऐसे में सभी उपभोक्ताओं पर हलाल प्रमाणित उत्पाद थोपना सही नहीं है।"

निजी संस्थाओं पर उठाए सवाल

डॉ. मेधा कुलकर्णी ने आरोप लगाया कि Halal India Ltd., Halal Services India Pvt. Ltdजमीयत उलेमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट सहित कई निजी धार्मिक संस्थाएं हलाल प्रमाणन का व्यवसाय चला रही हैं और इसके नाम पर करोड़ों रुपये की वसूली हो रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश में 70 से ज्यादा फर्जी प्रमाणन संस्थाएं सक्रिय हैं, जिनमें से कुछ के खिलाफ यूपी में एफआईआर दर्ज की गई है।

संसद में रखी गई प्रमुख मांगें

डॉ. मेधा कुलकर्णी ने सरकार से निम्न मांगें रखीं—

- *मांस उत्पादों के लिए यदि प्रमाणन जरूरी हो तो वह पूरी तरह सरकारी प्रणाली से हो।*
- *निजी व गैर-सरकारी संस्थाओं से तुरंत प्रमाणन अधिकार वापस लिए जाएँ।*
- *आवश्यकता पड़ने पर इस्लामिक विशेषज्ञ को सरकारी पैनल में नियुक्त किया जाए।*
- *सभी प्रमाणन शुल्क सरकार के खाते में जमा हों।*
- *फर्जी सर्टिफिकेट देने वाली संस्थाओं पर कार्रवाई हो।*
- *गैर-मांस एवं गैर-खाद्य उत्पादों से हलाल प्रमाणन हटाया जाए।*

सर्टिफिकेशन शुल्क पर भी सवाल

उन्होंने कहा कि हलाल सर्टिफिकेशन शुल्क की वजह से उत्पादों का मूल्य बढ़ रहा है और इसका बोझ हर उपभोक्ता पर अनिवार्य रूप से पड़ रहा है, जबकि भारत में खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी पहले से ही FSSAI और दवा प्रमाणन की जिम्मेदारी FDI जैसी सरकारी संस्थाओं के पास है।

अब सरकार की प्रतिक्रिया पर नजर

हलाल सर्टिफिकेशन पर उठे इस सवाल ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को फिर तेज कर दिया है। आने वाले दिनों में सरकार इस पर क्या रुख अपनाती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

यह मुद्दा अब राष्ट्रीय बहस में बदल चुका है और इसके दूरगामी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने श्री स्वराज कौशल जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

(रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख)

नई दिल्ली,4 दिसम्बर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री स्वराज कौशल जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने कहा कि श्री स्वराज कौशल जी ने एक विधिवेत्ता और एक ऐसी हस्ती के रूप में अपनी पहचान बनाई जो वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानूनी पेशे का इस्तेमाल करने में विश्वास रखते थे। श्री मोदी ने कहा, "वे भारत के सबसे युवा राज्यपाल बने और राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। एक सांसद के रूप में उनकी अंतर्दृष्टि भी उल्लेखनीय थी।"प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया श्री स्वराज कौशल जी के निधन से बहुत दुःख हुआ। उन्होंने एक विधिवेत्ता और एक ऐसी हस्ती

के रूप में अपनी पहचान बनाई जो वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानूनी पेशे का इस्तेमाल करने में विश्वास रखते थे। वे भारत के सबसे युवा राज्यपाल बने और अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। एक सांसद के रूप में उनकी अंतर्दृष्टि भी उल्लेखनीय थी। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनकी बेटी बांसुरी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हैं। ओम शांति।"

बड़ी खबर: नोएडा में चलती इटह कार में लगी आग, एक करोड़ की कार जलकर खाक!

नोएडा। यूपी के नोएडा में सेक्टर-91 की सड़क पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। चलती हुई लग्जरी इटह कार अचानक आग की लपटों में बदल गई और देखते ही देखते एक करोड़ रुपये की यह कार आग के गोले में तब्दील हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ और कुछ ही सेकेंड में कार पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। सड़क पर लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

कार चला रहे युवक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते कार का दरवाजा खोलकर बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

कार में आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इंजन ओवरहीटिंग, इलेक्ट्रिकल फॉल्ट या शॉर्ट सर्किट कारण हो सकते हैं, लेकिन जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

सुलतानपुर पुलिस ने ऑनलाइन ठगी का भंडाफोड़ किया: 3 अभियुक्त गिरफ्तार

सुलतानपुर, दैनिक समाज जागरण। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डछ पर कमरा किराए पर देने के बहाने मकान मालिकों को प्रलोभन देकर रकम ठगने वाली नई प्रकार की साइबर ठगी का सुलतानपुर पुलिस ने सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इस अनूठे साइबर अपराध में संलिप्त 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से 9 मोबाइल फोन, 3 सिम कार्ड, 1 टैबलेट, 1 लैपटॉप और 1 दोपहिया वाहन जब्त

वैदिक परंपरा के युवा संवाहक देवव्रत महेश रेखे

– महेन्द्र तिवारी

भारतीय संस्कृति का यह स्वभाव रहा है कि वह समय-समय पर अपने भीतर से ऐसे दीपक जलाती है, जो केवल परंपरा को रोशन नहीं करते, बल्कि नई पीढ़ी की दिशा भी तय करते हैं। आधुनिक

भारत में, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और तकनीक की चकाचौंध युवाओं को एक नए प्रकार की गति और प्रतिस्पर्धा में धकेलती है, वहीं 19 वर्षीय देवव्रत महेश रेखे का संकल्प भारतीय आत्मा की गहनतम परतों को स्पंदित करता है। वैज्ञानिक प्रगति और आध्यात्मिक साधना के इस कालखंड में उनकी उपलब्धि एक प्रश्न की तरह उभरती है क्या वास्तव में परंपरा पीछे छूट रही है, या वह चुपचाप नए साधकों की प्रतीक्षा कर रही है?

देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के लगभग 2000 मंत्रों वाले ह्यदण्डकर्म पारायणम्ह्ल का अखंड 50 दिनों तक पाठ कर एक ऐसी साधना को पुनर्जीवित किया है, जिसे वैदिक पद्धति का मुकुट कहा जाता है। यह केवल एक आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं, बल्कि स्मृति, स्वर-शुद्धि, उच्चारण, धैर्य और अनुशासन का संगम है वह तप जो प्राचीन गुरुकुल पद्धति की आत्मा में बसता था। दण्डकर्म पारायणम् की जटिलता इतनी अधिक है कि इसे वेदपाठ की सर्वोच्च विधि माना गया है, और इसकी कठिनाई का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि लगभग दो सदियों से यह सार्वजनिक रूप से किसी युवा साधक द्वारा संपन्न नहीं हुआ था। देवव्रत ने न केवल इसे पूरा किया, बल्कि सबसे कम समय में पूर्ण करने का कीर्तिमान स्थापित किया।

भारतीय संस्कृति में वेद केवल धार्मिक अनुष्ठानों के सूत्र नहीं, बल्कि जीवन के सार को प्रकट करने वाले ध्वनि-बीज हैं। शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा विशेष रूप से उत्तर भारत में विकसित हुई और अपनी शुद्धता के लिए प्रतिष्ठित है। इस शाखा के मंत्र न केवल यज्ञीय परंपरा को मार्गदर्शन देते हैं, बल्कि प्रकृति, समाज और मानव आत्मा के संतुलन का भी विधान प्रस्तुत करते हैं। इन मंत्रों को अखंड, त्रुटिरहित और पूर्ण स्वर-मात्रा के साथ 50 दिनों तक लगातार सुनाना केवल अभ्यास का प्रश्न नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन का सर्वोच्च रूप है। यही वह साधना है जिसमें एकाग्रता को व्रत और ज्ञान को तप माना जाता है।

देवव्रत की यात्रा एक दिन में निर्मित नहीं हुई। महाराष्ट्र के एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे इस युवा के पहले गुरु उनके पिता महेश चंद्रकांत रेखे ही रहे, जिन्होंने बचपन से ही उन्हें वेदमंत्रों का अभ्यास सिखाया। सामान्यतः शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा को कंठस्थ करने में 12 से 15 वर्ष लग जाते हैं, परंतु देवव्रत ने इसे लगभग आठझ्नौ वर्षों में ही पूरा कर लिया। यह गति उनके जन्मजात स्मरण, अथक अभ्यास और सबसे बढ़कर उनके भीतर के श्रद्धाभाव का परिणाम है। वाराणसी के वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय में वे प्रतिदिन चार घंटे के कठोर अभ्यास से अपने तप को पूर्णता की ओर ले जाते रहे। यह साधना केवल मंत्रों के क्रम को याद रखने भर की प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि प्रत्येक ध्वनि की आत्मा को महसूस करने का प्रयास थी यही वह भाव है जिसे भारतीय परंपरा 'स्वाध्याय' कहती है।

गुरु-शिष्य परंपरा हमेशा भारतीय शिक्षा-पद्धति की रीढ़ रही है। यहाँ ज्ञान केवल सूचना नहीं होता, बल्कि संस्कारों का वाहक माना जाता है। देवव्रत की सफलता उनके गुरुजनों की तपस्या और मार्गदर्शन का ही प्रतिफल है। गुरुकुलों में शिक्षा का अर्थ पेशेवर लक्ष्य नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन और निष्ठा का विकास होता है। आज जब शिक्षा अक्सर केवल रोजगार की तैयारी बनकर रह गई है, तब देवव्रत जैसे युवा इस बात के प्रमाण हैं कि अध्ययन तभी सार्थक होता है जब वह जीवन के मूल्यों को मजबूत करे।

उनकी इस साधना को राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान तब मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं उनकी प्रशंसा की और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बताया। यह स्वीकार्यता केवल एक साधक का सम्मान नहीं है यह भारतीय ज्ञान परंपरा की उस धारा की पहचान है, जिसे आधुनिकता की बाढ़ में अक्सर हाशिये पर धकेला जाता रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अनेक विद्वानों और संतों ने भी उनकी प्रशंसा की, जिससे यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यता का विषय बन गई।

आज का समय विरोधाभासों का समय है। एक ओर युवा तकनीक और वैश्विक अवसरों की ओर अग्रसर हैं, दूसरी ओर संस्कृति का आधार कमजोर होता प्रतीत होता है। किंतु ऐसे उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि परंपरा को जीवित रखने के लिए सदियों पुरानी विधियों को अद्यतन करने की आवश्यकता नहीं उन्हें साधने वाले हाथ और हृदय चाहिए। देवव्रत का संकल्प इसी तथ्य का प्रमाण है कि भारतीयता किसी पुस्तकालय में बंद ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवंत साधना है, जिसे हर पीढ़ी अपने तरीके से आगे बढ़ाती रही है। उनकी उपलब्धि एक गहरा प्रश्न भी खड़ा करती है क्या आधुनिक भारत अपनी जड़ों को पहचानने के लिए तैयार है? क्या युवाओं में वह धैर्य, वह निष्ठा, वह सन्नद्धता अब भी मौजूद है जो एकाग्र होकर साधना कर सके? देवव्रत का उदाहरण इसका सकारात्मक उत्तर है। वह दिखाते हैं कि ज्ञान तभी जीवित रहता है जब वह नई पीढ़ी की धमनियों में बहता है। परंपरा में नई ऊर्जा तभी आती है जब कोई युवा उसे पुनः धारण करता है और अपने भीतर आत्मसात करता है।

50 दिनों का यह अखंड पाठ केवल एक अनुष्ठान नहीं था; यह समय, मन और शरीर तीनों पर विजय का वह रूप था जिसे भारतीय आध्यात्मिकता सदियों से ह्यतपह्ल कहती आई है। आज महानगरों के शोर में वेदों की ध्वनि भले क्षीण हो गई हो, किंतु देवव्रत जैसे साधक यह आश्वासन देते हैं कि यह ध्वनि कभी मौन नहीं होगी। जब भी संस्कृति के पुनर्जागरण की बात होगी, जब भी वेद-रक्षा और गुरु-शिष्य परंपरा का उदाहरण दिया जाएगा, तब इस युवा साधक का नाम आदर से लिया जाएगा।

2026 में ममता को छोड़ मुस्लिम मुख्यमंत्री चाहते हैं मुसलमान

स्वदेश कुमार ,लखनऊ वरिष्ठ पत्रकार

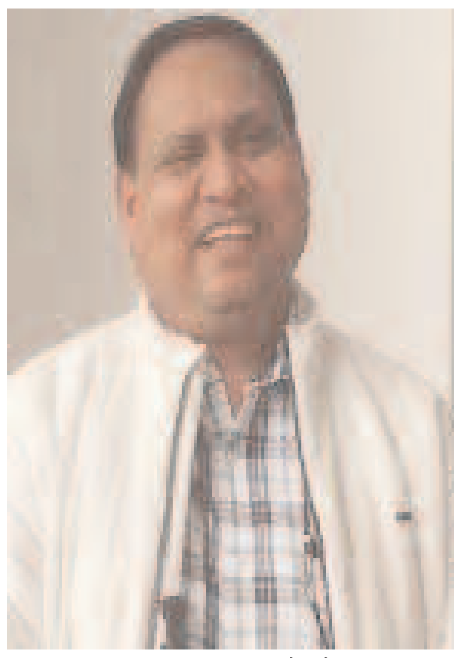

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जहां 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह वोट बैंक अब किसी एक नेता या पार्टी की गुलामी करने के बजाय अपनी शर्तें पेश कर रहा है और अपने हितों के अनुसार चुनाव लड़ने-हरने का निर्णय ले रहा है। पिछले कुछ समय से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी इस मतदाता वर्ग के कारण उथल-पुथल चल रही है। ममता बनर्जी खुद हमेशा मुस्लिम वोटरों के पक्ष में मजबूत रुख रखती आई हैं, लेकिन हाल में जब उन्होंने वक्फ कानून को लेकर अपनी सहमति दी, तब उनके खुद के मुस्लिम नेता और मंत्री इसका विरोध करने लगे। इसने तृणमूल कांग्रेस के भीतर गहरे मतभेदों को उजागर किया है। मुस्लिम नेताओं की इस असंतोष की लहर ने ममता की राजनीतिक स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान अब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर किसी मुस्लिम चेहरे को देखना चाहते हैं जो उनकी बातों को आसानी से समझ सके। अगले वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी को लेकर सीएम का सपना देख रहे कुछ मुस्लिम नेता अपनी इच्छाओं को परवान देने में लगे हैं।

इसी क्रम में एक और बड़ी घटना सामने आई है, जो तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। मुर्शिदाबाद जिले के विधायक हुमायूं कबीर, जो पार्टी के मुस्लिम चेहरों में से एक हैं और लंबे समय से बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के पक्षधर रहे, ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को खुलेआम चुनौती दी है। हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में नए बाबरी मस्जिद के उद्घाटन का ऐलान किया था, जिसे लेकर पार्टी ने आक्रामक रुख अख्तियार किया। तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। पार्टी का कहना है कि वे पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन कर रहे हैं और पार्टी की नीतियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। हालांकि, इसके बावजूद हुमायूं कबीर अपने फैसले पर अड़े हुए हैं और उन्होंने 22 दिसंबर को अपनी नई राजनीतिक पार्टी के गठन की भी घोषणा की है।

यह कदम उनके राजनीतिक संघर्ष को और तीव्र कर सकता है।यह घटना पश्चिम बंगाल की राजनीति के उस परिदृश्य को दशार्ती है जहां मुस्लिम वोटर ही निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं। 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर उनका प्रभाव इतना मजबूत है कि वे किसी भी पार्टी या नेता को जिताने-हारने में सक्षम हैं। इसका मतलब साफ है कि ममता बनर्जी जैसे बड़े नेता भी अब अकेले मुस्लिम वोट बैंक को नियंत्रित नहीं कर सकते।

ममता बनर्जी की पार्टी ने लंबे समय तक मुस्लिम वोटरों की नाराजगी को दूर रखने की कोशिश की है, लेकिन अब पार्टी के भीतर मुस्लिम नेताओं की असंतोष और अलगाव ने संकेत दिए हैं कि यह रणनीति अब कारगर नहीं रह गई है। हुमायूं कबीर की सस्पेंशन और उनकी नई पार्टी बनाने की योजना इस बदलाव का प्रमुख उदाहरण है। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि मुस्लिम वोट बैंक की यह ताकत अब खुद एक राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर रही है, जो न केवल ममता बनर्जी बल्कि अन्य राजनीतिक पार्टियों के लिए भी चुनौती बन सकती है। इसका सीधा असर आगामी चुनावों पर पड़ेगा और इससे राजनीतिक समीकरणों में बड़ा फेरबदल संभव है।

विशेषज्ञों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस को इस स्थिति को समझ कर मुस्लिम समुदाय के नेताओं के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना होगा, अन्यथा वे अपनी पकड़ खो सकती है। वहीं, मुस्लिम मतदाता भी अब केवल जनादेश देने तक सीमित नहीं रहना चाहते, वे अपनी स्वयं की राजनीतिक आवाज उठाने के लिए संगठित हो रहे हैं। हुमायूं कबीर का नया राजनीतिक कदम बताता है कि मुस्लिम नेताओं के बीच भी अब स्पष्ट मतभेद सामने आ रहे हैं, जिन्हें न केवल तृणमूल बल्कि अन्य राजनीतिक दलों के लिए भी ध्यान में रखना होगा। यह स्थिति चुनिंदा नेताओं के लिए पहले जैसी सहूलियत नहीं छोड़ती। इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ जाहिर होता है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक की राजनीतिक भूमिका पहले से कहीं अधिक निर्णायक होती जा रही है। उनकी राजनीतिक शक्ति अब खुलकर सामने आ रही है और इसका असर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नीतियों और पार्टी के आंतरिक तालमेल पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है।

जीवन के मूल में परमार्थ,जीनें का यही सच्चा यथार्थ।

जीवन लक्ष्य होगा सार्थक।

समाज जागरण

जीवन का मूल्य उसकी लम्बाई में नहीं, बल्कि उसकी गहराई में निहित होता है। किसी मनुष्य ने कितने वर्ष जिए, यह इतिहास को उतना महत्वपूर्ण नहीं लगता, जितना यह कि उसने अपने जीवन से मानवता को क्या दिया, कितनों के आँसू पोंछे, कितनों के अंधेरों में दीप जला सका। यही भाव परमार्थ है।अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर, दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाना। जब जीवन परमार्थ के लिए समर्पित हो जाता है, तभी उसका मूल्य वास्तव में सार्थक होता है।

मानव जन्म केवल सुख-सुविधाओं को भोगने का नाम नहीं है। यह आत्म-विकास, आत्म-उद्धार और समाज-निर्माण की प्रक्रिया है। मनुष्य यदि केवल अपने लिए जिए, अपने सुख-दुख, लाभ-हानि, सम्मान अभिमान के इर्द-गिर्द अपने दिन रचे, तो जीवन एक संकुचित दायरे में सिमट जाता है। परंतु यदि वही मनुष्य अपना मन, अपनी बुद्धि, अपनी शक्ति, अपना समय दूसरों के हित में अर्पित कर दे, तो एक व्यक्ति नहीं, एक युग बदल सकता है। महान लोग इसलिए महान कहलाए, क्योंकि उन्होंने अपनी सीमाओं के भीतर भी दूसरों के लिए असंभव को संभव कर दिया।

इसी सत्य को समझाते हुए स्वामी विवेकानंद कहा करते थे– "जीवन का लक्ष्य केवल स्वयं को सुखी करना नहीं, बल्कि दूसरों के लिए उपयोगी बनना है।" उनके जीवन का सम्पूर्ण दर्शन 'सेवा' की पवित्रता पर आधारित था। उन्होंने युवा शक्ति को पुकारते हुए कहा-"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" यह लक्ष्य केवल भौतिक उन्नति का नहीं, बल्कि परमार्थ मानवीय कर्तव्य का लक्ष्य है। विवेकानंद के शब्दों में वह शक्ति है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण कर्मों की ओर प्रेरित करती है। इसी आस्था को महात्मा गांधी ने अपने जीवन में रूपायित किया। सत्य, अहिंसा और सेवा के बल पर उन्होंने सम्पूर्ण मानवता के सामने एक ऐसी जीवन पद्धति प्रस्तुत की जिसमें व्यक्तिगत हित राष्ट्रहित में विलीन हो जाता है। उन्होंने कहा था– "अपने आपको खोजने का सबसे श्रेष्ठ तरीका है स्वयं को दूसरों की सेवा में खो देना।" गांधी का जीवन इस सूत्र का जीवंत उदाहरण है। साधारण वस्त्र और साधारण जीवन में भी वह असाधारण बन गए, क्योंकि उनका प्रत्येक क्षण परमार्थ के लिए समर्पित था।

राष्ट्र कवि रामधारी सिंह ह्यदिनकरह्ल ने लिखा है– "मनुष्य का मूल्य उसके अधिकारों में नहीं, उसके कर्तव्यों में है।"

कर्तव्य और परमार्थ मनुष्य को दैवी ऊँचाई पर प्रतिष्ठित कर देते हैं। इतिहास के पन्नों में दर्ज वे ही नाम आज भी प्रेरणा बनते हैं जो दूसरों के लिए जिए–मदर टेरेसा, राजा राममोहन राय, विनोबा भावे, बाबा आम्टे, डॉक्टर अब्दुल कलाम, आचार्य विनोबा भावे, और अनेक अनाम सेवक जिन्होंने बिना किसी प्रतिफल की प्रतीक्षा किए मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित किया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम किसी पद या सम्मान से नहीं, बल्कि अपनी मानवीय संवेदना से महान बने। भारत के मिसाइल मैन कहे जाने वाले कलाम ने कहा था– "जीवन एक पुस्तक की तरह है; यदि आप दूसरों के लिए उपयोगी नहीं तो वे पृष्ठ खाली हैं।" अपने अंतिम क्षणों तक वे युवा पीढ़ी के लिए कार्य करते रहे। उनका जीवन सिखाता है कि उपलब्धियों से बड़ी संपत्ति सेवा है।

भारतीय संस्कृति में परमार्थ की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। ह्यपरहित सरिस धर्म नहिं भाईह्ल की संत परंपरा आज भी हमें प्रेरित करती है। कबीरदास ने समाज की पीड़ा को आत्मसात किया और कहा–

"साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय,
सार-सार को गहि रहे, थोथा देई उड़ाय।"

यानी मनुष्य वही श्रेष्ठ है, जो सार्थक कार्य करे और निरर्थक को त्याग दे। वही परमार्थ का मार्ग है।

मनुष्य का जीवन निस्संदेह क्षणभंगुर है; पर उसके कर्म अमर होते हैं। कोई व्यक्ति भौतिक दृष्टि से अत्यंत संपन्न हो सकता है, किंतु यदि उसका अस्तित्व समाज में कोई प्रकाश नहीं फैलाता, तो उसकी संपत्ति केवल उसके उसके अकेले के लिए बेकार भार बन जाती है। दूसरी ओर, एक साधारण मनुष्य भी जो दूसरों के लिए उपयोगी बन जाता है, इतिहास की स्मृति में सदा जीवित रहता है। मनुष्य की मृत्यु शरीर का अंत है, पर उसके परोपकार की सुगंध पीढ़ियों तक बनी रहती है।

जीवन का सार यही है कि हर सुबह यह सोचकर उठें कि आज किसी की खुशियों का कारण बनें। किसी दुखी की पीड़ा बांटें, किसी अनाथ के सिर पर हाथ रखें, किसी निराश मन में आशा जगाएं, किसी जरूरतमंद को नई राह दिखाएं। एक जलती हुई दीपक की ज्योति दूसरे दीये को जलाती है और स्वयं कम नहीं होती बल्कि प्रकाश अधिक हो जाता है। यही परमार्थ है। जो स्वयं प्रकाशवान हो, और दूसरों को प्रकाशित कर जाए।

आज की प्रतिस्पर्धा और भौतिकता की दौड़ में लोग स्वयं को खोते चले जा रहे हैं। स्वार्थ, ईर्ष्या, तनाव और आत्मकेन्द्रितता मानव को भीतर से खाली बना देती है। परमार्थ ही वह अमृत है जो जीवन को पावन बनाता है, थके मन में ऊर्जा भरता है और मनुष्य को ईश्वर के समान आदरणीय बना देता है। जीवन का आनंद भोग में नहीं, सेवा में है। भौतिक वस्तुएँ सुख दे सकती हैं, पर आत्मिक शांति केवल परमार्थ से मिलती है।

हर मनुष्य यदि यह प्रण ले ले कि वह समाज के लिए, राष्ट्र के लिए, मानवता के लिए कुछ न कुछ अवश्य करेगा, तो दुनिया स्वर्ग में बदल सकती है। एक पेड़ काटने की जगह दो पेड़ लगाना, नदी की गंदगी रोकना, किसी गरीब के बच्चे की शिक्षा में सहायक बनना, किसी वृद्ध की सहायता करना–यही असली दान है, यही जीवन का सार है। दान का अर्थ धन देना ही नहीं, बल्कि समय, श्रम, ज्ञान और प्रेम देना भी है।

अंततः जीवन का सबसे बड़ा पुरस्कार मृत्यु के बाद लोग यह कहें–
ह्लइसने बहुत लोगों के जीवन में प्रकाश फैलाया।ह्व

यही सच्चा अमरत्व है।
यही जीवन का सार्थक मूल्य है।
और यही परमार्थ का पावन मार्ग है।

संजीव ठाकुर ,
चिंतक, लेखक, स्तंभकार ,वरिष्ठ पत्रकार,रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

'लापता' होने की चिंता... ?

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा 'घुसपैठियों' की हिमायत?
क्या इनके लिए 'रेड कार्पेट' बिछाएँ हैं लायक।
ये मानवाधिकार कार्यकर्ता को 'कड़ी' फटकार,
देशवासी गरीबी से जूझ रहें ये छिने अधिकार।

हिरासत से रोहिंग्या के 'लापता' होने की चिंता?
देश के गरीबों का सुविधाओं पर हक हैं बनता।
पहले से ही भारत में जनसंख्या की हैं सघनता,
सरकारी सुविधा, राशन पे हक हमारा हैं बनता।

घुसपैठिये अवैध रूप से क्यों? करते सीमा पार!
उनका देश दे नहीं पाता जीने के लिए रोजगार।
वह प्रवेश कर बन जाता हैं 'आश्रय' का हकदार,
फिर बनते भोजन, शिक्षा व कानून के तलबगार।
(संदर्भ-घुसपैठियों की हिमायत पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

"पुतिन और राजनीति"

पुतिन भारत आए तो कूटनीति से ज्यादा राजनीति गर्म हो गई। राहुल गांधी ने सवाल उठा दिया कि विपक्ष को मेहमान से मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा। अब ऐसा लग रहा है कि पुतिन अंतरराष्ट्रीय संबंध सुधारने नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की क्लास लेने आए हों। सरकार कह रही है–"मेहमान हमारा", और विपक्ष कह रहा–"देश का मेहमान है, हमारा भी हक है!"

पुतिन शायद सोच रहे होंगेः
रूस-यूक्रेन युद्ध आसान था, लेकिन भारत की राजनीति समझनाङ्ख यह तो असली चुनौती है।

योग से होगी दूर शारीरिक दुर्बलता और कमजोरी

अलका सिंह, योग एक्सपर्ट

शरीर में कमजोरी का हर समय बने रहना और थकान का बने रहना हमें जीवन जीने में पूरी तरह परेशान करता है क्योंकि जब लगातार थकान कमजोरी शरीर में शारीरिक रूप से बनी रहेगी तो इंसान और कमजोर बन जाता हैं। एक कमजोर शरीर न सिर्फ आपको कमजोरी देता है, बल्कि वह आपकी इम्यूनिटी (केॅल्ल३८) और आपकी स्टैमिना (रइेल्लं) को कमजोर करता है। फिर आपके लिए हर काम करना बड़ा मुश्किल व थकाने वाला हो जाता है। बढ़ते तनाव और गलत खानपान की आदतों की वजह से शारीरिक कमजोरी और थकान महसूस होने लगती है।

योग शारीरिक दुर्बलता दूर करने में मदद कर सकता है, क्योंकि यह शरीर और दिमाग दोनों को ऊजार्वान और मजबूत बनाता है। बालासन, ताड़ासन, भुजंगासन और शवासन जैसे आसन थकान और कमजोरी को कम करने में सहायक हैं।

योग का अभ्यास शारीरिक कमजोरी थकावट से निजात दिलाता है क्योंकि योग से हमारे शरीर को आंतरिक ऊर्जा मिलती है जिससे हम फॉर्म फील करते हैं और हमारा मेटाबॉलिज्म भी फास्ट होता है।

यदि आप अपनी शारीरिक कमजोरी से राहत पाने के लिए किसी तरीके के बारे में सोच रहे हैं तो आपके लिए योग करने से बेहतर आपके लिए कुछ हो ही नहीं सकता। योग आपको हर प्रकार की समस्याओं से बचाता है व स्वस्थ रखता है। आप शारीरिक कमजोरी को दूर करने के लिए यहां बताए गए योगासन कर सकते हैं। केवल 10 मिनट में थकान और कमजोरी को दूर करते हैं योग तनाव कम करने से लेकर बीमारियों को कंट्रोल करने और वजन घटाने से लेकर तुरंत ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होता है। योग की कुछ सरल मुद्राएं तुरंत एनर्जी देने में मदद करती हैं।

एनर्जी के लिए करे योग

योग एक आध्यात्मिक प्रकिया है जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का काम होता है। योग के जरिए आपके शरीर और मस्तिष्क का मिलन होता है। योग तनाव कम करने से लेकर बीमारियों को कंट्रोल करने और वजन घटाने से लेकर तुरंत ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होता है। योग की सरल मुद्राएं आपको व्यायाम के तनाव से बचने और तुरंत एनर्जी देने में मदद करती हैं। योग आपको अपने किसी भी काम में सफलता हासिल करने में मदद करता है क्योंकि इसके आप आसानी से अपने विचारों पर ध्यान लगा सकते हैं।

बालासन

बालासन को करने से तनाव कम होता है और तुरंत एनर्जी मिलती है। इस योग को करने के लिए घुटने के बल जमीन पर बैठ जाएं और शरीर का सारा भाग एड़ियों पर डाल दें। गहरी सांस लेते हुए आगे की ओर झुकें। ध्यान रखें कि आपका सीना जांघों को छूना चाहिए, अब अपने माथे से फर्श को छूने की कोशिश करें। कुछ सेकंड इस अवस्था में रहें.

भुजंगासन

भुजंगासन को कोबरा आसन भी कहते हैं। इसे करने के लिए जमीन पर उलटा लेट जाएं। पैर और हिप्स को समान रूप से फैलाकर रखें। हथेलियों को जमीन पर कंधों के सामने रखें। अब शरीर के बाकी हिस्से को बिना हिलाए-डुलाए चेहरे को बिल्कुल ऊपर की ओर करें। कुछ समय के लिए इस मुद्रा को यूं ही रखें। इस आसन को करने से आप तुरंत ही एनर्जी पा सकते हैं।

ताड़ासन

अगर आप बहुत कमजोर महसूस करते हैं तो ताड़ासन आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। इसको करने से तुरंत एनर्जी पाने में मदद मिलती है। इसे करने के लिए जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। इसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें फिर सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए,। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें।

वक्रासन

कमर की चर्बी दूर करने के साथ-साथ वक्रासन तुरंत एनर्जी भी देता है। इसे करने के लिए दंडासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब दायें पैर को मोड़कर बायीं जांघ के पास घुटने से सटाकर रखें, ध्यान रहें कि आपका बायां पैर सीधा रहें। बाएं हाथ को दाएं पैर एवं पेट को बीच से लाकर दाएं पैर के पंजे के पास टिकाएं। दाएं हाथ को कमर के पीछे भूमि पर सीधा रखें। गर्दन को घुमाकर दायीं और मोड़कर देखें लेकिन बाएं पैर, कमर और दाएं हाथ सीधे रहेंगे।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

पीएम सूर्यघर योजना के प्रचार-प्रसार में आर.डब्ल्यू.ए./ए.ओ.ए पदाधिकारियों से सहयोग की अपील

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 04 दिसंबर 2025। डिप्टी रजिस्ट्रार, चिट्स फर्म एवं सोसायटी, गौतमबुद्धनगर वैभव कुमार ने जनपद में पंजीकृत समस्त आर.डब्ल्यू.ए./ ए.ओ.ए के पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि "पी.एम. सूर्यघर योजना" के तहत स्वतंत्र आवास, बहुमंजिली (हाई राइज) इमारतों एवं गेटेड सोसायटियों में सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

डिप्टी रजिस्ट्रार ने बताया कि "पी.एम. सूर्यघर योजना" भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय योजना है, जिसके अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। योजना के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए सभी आर.डब्ल्यू.ए./ ए.ओ.ए पदाधिकारियों का सक्रिय सहयोग अपेक्षित है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सम्बन्धित विभाग के कर्मचारी और अधिकृत वेन्डर सेक्टरों एवं सोसायटियों में कैनॉपी, पम्पलेट आदि के माध्यम से योजना का निःशुल्क प्रचार-प्रसार करेंगे, जिसमें आर.डब्ल्यू.ए./ए.ओ.ए को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करना होगा।

साथ ही डिप्टी रजिस्ट्रार ने चेतावनी दी कि यदि प्रचार-प्रसार कार्य में कोई बाधा उत्पन्न की जाती है या किसी प्रकार का शुल्क वसूला जाता है, तो इसे शासकीय कार्य में बाधा मानते हुए सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु शासन की शादी अनुदान योजना संचालित

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 04 दिसंबर 2025 जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) के गरीब अभिभावकों की पुत्रियों के विवाह हेतु "शादी अनुदान योजना" संचालित की जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों की पुत्रियों के विवाह पर शासन द्वारा 20,000 रुपये की सहयोग धनराशि प्रदान की जाती है। विवाह की तिथि से 90 दिन पूर्व से लेकर 90 दिन बाद तक पात्र अभ्यर्थी http:// shadi-anudan.upsdc.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक का अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) का होना आवश्यक है। विवाह की तिथि पर पुत्री की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक और वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय 1,00,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

वृद्धावस्था, विकलांगता एवं विधवा पेंशन के लाभार्थियों को आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी; उन्हें केवल अपना रजिस्ट्रेशन नंबर भरना होगा। आवेदक का बैंक खाता राष्ट्रीयकृत बैंक में होना आवश्यक है; जिला सहकारी बैंक के खाते को पीएफएमएस पोर्टल पर स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

आवेदन के साथ निम्न दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य है:

पहचान पत्र
बैंक पासबुक
शादी का कार्ड
पुत्री का आयु प्रमाण पत्र
आधार कार्ड
आवेदक का फोटो

विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, कमरा संख्याझ 111, विकास भवन, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर में संपर्क कर सकते हैं।

आईएमएस-डीआईए में क्रिएटिव वर्कशॉप का आयोजन

समाज जागरण

नोएडा। आईएमएस-डिजाइन एंड इनोवेशन एकेडमी (डीआईए) में स्कूली विद्यार्थियों के लिए क्रिएटिव वर्कशॉप का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट की थीम पर अपनी नवाचारपूर्ण सोच एवं रचनात्मक क्षमता का परिचय दिया। कार्यशाला के दौरान छात्रों ने अपने घर के अपशिष्ट सामग्री को आकर्षक और उपयोगी उत्पाद बनाने का प्रोटोटाइप बनाना सीखा।

आईएमएस-डीआईए के डीन प्रोफेसर (डॉ.) एम.के.वी. नायर ने बताया कि आज के कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को डिजाइन की मूलभूत और उन्नत अवधारणाओं से परिचित कराना है। आज सत्र के दौरान विद्यार्थियों को डिजाइन प्रक्रिया, सामग्री चयन, रंग संयोजन, और रचनात्मक प्रस्तुति के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले अपशिष्ट पदार्थों, का उपयोग कर आकर्षक और उपयोगी डिजाइन तैयार करने की प्रक्रिया जानी। छात्रों ने कटे-छंटे कपड़ों को पेपर, रंग, धागा और अन्य सरल सामग्रियों की मदद से स्वयं अपने डिजाइन का प्रोटोटाइप तैयार करना सीखा। आज के कार्यशाला में छात्रों को रचनात्मकता का व्यावहारिक अनुभव के साथ-साथ सतत और पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन की अवधारणा को समझने में भी सहायता मिली।

कार्यशाला के दौरान आईएमएस-डीआईए के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि अपशिष्ट सामग्री से उपयोगी और आकर्षक उत्पाद बनाना केवल रचनात्मकता का अभ्यास नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता का महत्वपूर्ण कदम है। यह गतिविधि छात्रों को संसाधनों के सही उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास जैसे मूल्यों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट जैसी पहल विद्यार्थियों को संसाधनों के सही उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में जागरूक बनाती है। इस कार्यशाला में छात्रों द्वारा तैयार किए गए प्रोटोटाइप उनकी कल्पनाशक्ति, डिजाइन समझ और सीखने की गहरी रुचि को दर्शाते हैं। संस्थान का उद्देश्य छात्रों को ऐसा मंच प्रदान करना है जहां वे अपनी प्रतिभा को नए आयाम दे सकें और भविष्य के लिए आवश्यक रचनात्मक कौशल विकसित कर सकें।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन दिव्यांग कलाकारों ने दी 33 रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

दिव्यांग कलाकारों ने गीत, नृत्य व नाटक से बांधा समा, दर्शक हुए अभिभूत

दिव्य कला प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया जा रहा है आयोजन

समाज जागरण

लखनऊ, 04 दिसम्बर 2025 विश्व दिव्यांगजन दिवस-2025 के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन गुरुवार को रंगारंग एवं विविधतापूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम दिव्यांग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों, विशेष विद्यालयों, संस्थानों एवं दिव्यांगजन संगठनों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में कुल 33 सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिनमें समूहगीत, समूह नृत्य, नाटक, योग प्रदर्शन, लोकनृत्य, देशभक्ति गीत एवं प्रेरक थीम आधारित मंचन शामिल रहे। प्रयागराज और लखनऊ के विशेष विद्यालयों सहित अनेक संस्थानों के कलाकारों की प्रस्तुतियाँ "मेरे मन में है राम", "जय हो भारत", "ओ रे मझुला", योग प्रदर्शन एवं देशभक्ति नृत्य दर्शकों को विशेष रूप से भावविभोर करती रहीं। प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण सुभाष चन्द्र शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांगजनों के आत्मबल को सुदृढ़ करते हैं तथा समाज में समान अवसरों की भावना को और मजबूती प्रदान करते हैं।

विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में दिव्य कला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दिव्यांग कलाकारों की कलात्मक, तकनीकी, व्यावसायिक और उद्यमशील प्रतिभाओं का अनूठा प्रदर्शन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन प्रो. हिमांशु शेखर झा, संयुक्त निदेशक अमित कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक रणजीत सिंह, उपनिदेशक अनुपमा मौर्य, अमित कुमार राय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी शशांक सिंह सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न संस्थाओं के प्रबंधक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

नोएडा थाना फेस-1: अंतरराज्यीय गाँजा तस्कर गिरफ्तार, 64 किलो गाँजा और चोरी का ई-रिक्शा बरामद

नोएडा, दैनिक समाज जागरण।

नोएडा पुलिस के थाना फेस-1 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गाँजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 64 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये है।

साथ ही आरोपी के कब्जे से एक चोरी का ई-रिक्शा भी जब्त किया गया। इस मामले में डीसीपी नोएडा ने मीडिया को बताया कि तस्करी की यह गतिविधि अंतरराज्यीय स्तर की थी और पुलिस द्वारा लगातार गंभीर अपराधों और मादक पदार्थों की तस्करी पर नजर रखी जा रही है। डीसीपी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने गौतमबुद्धनगर में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 04 दिसंबर 2025। भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग और उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज जनपद गौतमबुद्धनगर में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

समीक्षा बैठक डीएम कैंप कार्यालय, सेक्टर-27 नोएडा में आयोजित हुई, जिसमें डिप्टी सेक्रेटरी भारत निर्वाचन आयोग अजय कुमार वर्मा, जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा वंदना त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं निर्वाचन कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों को समुचित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतदाता सूची शुद्धिकरण, नए मतदाता पंजीकरण, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं के नाम विलोपन, स्थानांतरण प्रविष्टियों का सत्यापन और बूथ स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां कार्य धीमी गति से हो रहा है वहां तेजी लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ। सभी बीएलओ को घर-घर जाकर सत्यापन सुनिश्चित करना होगा। युवाओं एवं प्रथम बार मतदान करने वाले नागरिकों के पंजीकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी ढंग से संचालित किए जाएँ। किसी भी लापरवाही, विलंब या त्रुटि पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कमजोर बीएलओ का सहयोग किया जाए और एसआईआर कार्य को पूर्ण सहयोग के साथ संपन्न कराया जाए। प्रत्येक चरण की सतत मॉनीटरिंग एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर ने बताया कि बीएलओ, सुपरवाइजर और संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार प्रशिक्षण दिया गया है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए मीडिया, आरडब्ल्यूए, बिल्डर्स एसोसिएशन, उद्योग मंडल आदि के साथ समन्वय किया जा रहा है और भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

समीक्षा के बाद वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी सेक्टर-36 नोएडा के कम्युनिटी सेंटर और सेक्टर-94 नोएडा केंद्रीयकृत नियंत्रण कक्ष का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों, रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों से फीडबैक लिया और समय से मैपिंग एवं कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 04 दिसंबर 2025।ः जनपद गौतम बुद्ध नगर में 13 दिसंबर 2025 को जनपद मुख्यालय, दीवानी न्यायालय एवं सभी तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन प्रस्तावित है। इस अवसर पर मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिनियम, वैवाहिक वाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, दीवानी वाद, एम0वी0 एक्ट एवं ई-चालान वाद, आर्बिट्रेशन मामले, लघु/समान्य अपराध, धारा 138 एनआई एक्ट के वाद, विद्युत अधिनियम के वाद, भू-राजस्व, सेवा एवं पेंशन संबंधित मामले सहित विभिन्न प्रकार के मामलों का सुलह-सहमति के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम वादों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करने हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज न्यायालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में माननीय न्यायाधीश ने कहा कि आम नागरिकों को सरल, सहज और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। सभी विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित वादों का पूर्व चिन्हांकन और समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि 13 दिसंबर को अधिकतम मामलों का निस्तारण किया जा सके।

माननीय न्यायाधीश ने विशेष रूप से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नोडल अधिकारी राजस्व विभाग अनुराग सारस्वत को निर्देश दिए कि उनके अधीन आने वाले विभागों में सभी वादों की अग्रिम पहचान और त्वरित निस्तारण की तैयारी तुरंत प्रारंभ कर दी जाए। इसी प्रकार श्रम विभाग, समाज कल्याण विभाग, मनोरंजन कर, स्वास्थ्य विभाग, जीएसटी विभाग, जिला पूर्ति विभाग, बीएसएनएल, प्रोबेशन विभाग, बाट माप विभाग और अन्य सभी संबंधित विभागों को व्यापक स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने अधिकारियों से यह भी अपेक्षा व्यक्त की कि राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए, ताकि नागरिक इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण करा सकें।

बैठक में उपस्थित अधिकारीगणः

अपर जिला जज द्वितीय/विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोम प्रभा मिश्रा
अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्र मोहन श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत, एसीएमओ टीकम सिंह, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, साथ ही पुलिस और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।
सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

मोदीनगर थाना क्षेत्र में हत्या की घटनाः पुलिस ने जताया संज्ञान

गाजियाबाद, समाज जागरण।

थाना मोदीनगर क्षेत्रान्तर्गत हुई हत्या की घटना के सम्बन्ध में श्री आलोक प्रियदर्शी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था/यातायात कमिश्नरेट गाजियाबाद ने मीडिया को जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। मामले में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि घटना संबंधी कोई भी जानकारी हो तो तुरंत स्थानीय थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित करें। उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था को कायम रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

इंटर स्कूल ड्राइंग कंपीटिशन में महामाया स्कूल ने जीते 7 मेडल, मिला चांदी का सिक्का

समाज जागरण

संवाददाता नोएडा। सोसायटी फॉर स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एडवांसमेंट की ओर से नोएडा स्टेडियम में आयोजित 14वें इंटर स्कूल ड्राइंग कंपीटिशन में महामाया बालिका इंटर कॉलेज का दबदबा रहा. विश्व विक्लांग दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में महामाया के स्टूडेंट्स ने 7 मेडल जीते. सबसे ज्यादा मेडल हासिल करने पर महामाया की टीम को डॉक्टर चंद्रभान मेमोरियल सिल्वर कॉइन (चांदी का सिक्का) अवार्ड से सम्मानित किया गया.

गुनगुनी धूप में स्टेडियम में हुए इस कंपीटिशन में सोसायटी के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने दिल्ली एनसीआर के 35 स्कूलों से आए करीब 450 बच्चों का स्वागत किया. इनमें स्कूल, एनजीओ, फाउंडेशन और मदरसे के छात्र-छात्रा शामिल थे. इसके साथ दिव्यांग बच्चों ने भी प्रतियोगिता में अपनी मेधा का प्रदर्शन किया. मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर और महामाया बालिका इंटर कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल छाया जैन ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्धघाटन किया.

प्रतियोगिता में पहली से 12वीं क्लास तक के बच्चों के लिए कुल 4 श्रेणियां रखी गई थीं. कैटेगरी ए (पहली-दूसरी क्लास) में न्यू लाइट पब्लिक स्कूल का जलवा रहा. इस स्कूल की श्रेयांशी ने गोल्ड, शिवांगी ने सिल्वर और अनिल ने ब्रांज मेडल जीता. इसके साथ चौथे से दसवें स्थान पर आने वाले बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया.

कैटेगरी बी (तीसरी से 5वीं क्लास) में महामाया बालिका इंटर कॉलेज की तपस्या ने गोल्ड, भाग्या भास्कर ने सिल्वर और मोहन राम पब्लिक स्कूल की राधिका यादव ने ब्रांज मेडल हासिल किया. चौथे से दसवें स्थान पर आने वाले बच्चों प्रोत्साहन मेडल दिए गए.

कैटेगरी सी (6वीं से 8वीं क्लास) में संस्कार केंद्र सफाबाद की शगुन गुप्ता ने स्वर्ण, चौलेंजर्स ग्रुप की लक्ष्मी ने रजत और महामाया बालिका इंटर कॉलेज की रिया झा ने कांस्य पदक जीता. चौथे से दसवें स्थान पर आने वाले बच्चों को प्रोत्साहन मेडल प्रदान किए गए.

कैटेगरी डी (9वीं से 12वीं क्लास) में कालांतर आर्ट फाउंडेशन के हर्ष कुमार ने गोल्ड मेडल, महामाया बालिका इंटर कॉलेज की अनु ने सिल्वर मेडल और पंचशील बालक इंटर कॉलेज के अंश चौधरी ने ब्रांज मेडल हासिल किया. इस श्रेणी में चौथे से दसवें स्थान पर आने वाले बच्चों को प्रोत्साहन मेडल दिए गए.

प्रतियोगिता में न्यू लाइट पब्लिक स्कूल ने 5 और महामाया बालिका इंटर कॉलेज के बच्चों ने 7 मेडल अपनी झोली में डाले. लिहाजा सबसे ज्यादा मेडल जीतने पर महामाया स्कूल को स्वर्गीय डॉक्टर चंद्रभान मेमोरियल सिल्वर कॉइन (चांदी का सिक्का) प्रदान किया गया. यह पुरस्कार सोसायटी फॉर स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एडवांसमेंटके आर्ट को-ऑर्डिनेटर प्रोफेसर निमेश कुमार के पिता की मधुर स्मृति में शुरू किया गया है, जिनका इस साल स्वर्गवास हो गया है. अब यह पुरस्कार हर साल इस प्रतियोगिता में स्कूल प्रबंधन को प्रदान किया जाएगा.

स्पेशल गेस्ट वर्ल्ड ऑफ वंडर के असोसिएट डायरेक्टर शमीम अहमद ने विजेता बच्चों को मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान कर उन्हें अपना आशीर्वाद दिया. प्रतियोगिता में जज की भूमिका एमए आसिफ, दीपिका गुप्ता, श्रुति गुप्ता और तरुणा माथुर ने निभाई. कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर निमेश कुमार और असिस्टेंट आर्ट को-ऑर्डिनेटर डॉक्टर श्वेता त्यागी ने किया.

इस मौके पर सोसायटी के सचिव देवेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुच्छल, पूर्व अध्यक्ष विमलेश शर्मा, पूर्व सचिव दिनेश भारद्वाज, सदस्य एमएमए बेग, संतोष शर्मा, कंचन श्रीवास्तव, रचना यादव, पीके गुप्ता और राजेश सूरी जी मौजूद रहे. कंपीटिशन में शामिल रहे सभी बच्चों को सोसायटी की ओर से निशुल्क रिफ्रेशमेंट और पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया.

नगर निगम का बड़ा एक्शनः गोविन्द नगर पार्क को अतिक्रमण से कराया मुक्त, 30% कब्जा ध्वस्त

समाज जागरण

कानपुर। गोविन्द नगर स्थित ब्लॉक-8, रामदेवी आर्य पार्क में वर्षों से हो रहे अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर नगर निगम ने गुरुवार को बुलडोजर चलाकर बड़ी कार्रवाई की। पार्क के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से पर भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जों और निमार्णों को जेसीबी की मदद से लगभग 30% प्रतिशत हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया। स्थानीय निवासियों ने इस कार्रवाई पर गहरा संतोष व्यक्त करते हुए नगर निगम की टीम का फूल-मालाओं से स्वागत कर आभार जताया।

पूजा स्थलों की आड़ में हो रहा था कब्जा

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, यह पार्क पिछले लगभग दो वर्षों से भूमाफियाओं के निशाने पर था। शुरूआत में पूजा स्थलों की आड़ में पार्क की जमीन पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे किए गए, जिसके परिणामस्वरूप पार्क में हरियाली न के बराबर बची थी।

क्षेत्रीय नागरिकों ने बताया कि कब्जे का सिलसिला दो साल पहले शुरू हुआ था। 'शिवांग' नामक एक व्यक्ति ने तो दो वर्ष पूर्व बने मंदिर के पीछे अवैध रूप से कमरा, लैट्रिंग और बाथरूम तक बनवा लिया था। इसके अलावा, सोमवार को ही पार्क गेट के बाईं ओर एक अन्य व्यक्ति ने आरसीसी पिलर ढलवाकर दीवार खड़ी करने का प्रयास किया, जिसे मुहल्ले के लोगों के विरोध के बाद रोक दिया गया था।

उद्यान विभाग पर लापरवाही के आरोप

भाजपा नेता प्रकाश वीर आर्य, आनन्द कुमार और आर्यन चक ने बताया कि नागरिकों ने इस अतिक्रमण के खिलाफ उद्यान विभाग में कई बार शिकायत की थी। हालांकि, उद्यान अधीक्षक ने कथित तौर पर हर बार फर्जी निस्तारण रिपोर्ट लगाकर मामले को दबा दिया, जिससे भूमाफियाओं के हौसले बुलंद होते गए और वे पार्क की बची हुई जमीन पर भी कब्जे करने लगे।

जोनल अधिकारी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

बुधवार को क्षेत्रीय नागरिकों ने इन अवैध कब्जों की शिकायत सीधे जोनल अधिकारी अनुपम त्रिपाठी से की। जोनल अधिकारी के त्वरित निर्देश पर गुरुवार को उद्यान अधीक्षक कृपा शंकर पांडेय और जोन-5 के कर अधीक्षक राजेश गुप्ता के नेतृत्व में नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते के साथ पार्क पहुंची। कार्यवाही के दौरान अवैध कब्जेदारों और प्रवर्तन दस्ते के बीच कुछ नोकझोंक भी हुई, लेकिन प्रवर्तन दस्ते ने सख्ती दिखाते हुए जेसीबी से सभी अवैध निमार्णों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया।

स्थानीय लोगों ने जताई खुशी

अवैध कब्जे टूटने के बाद क्षेत्रीय नागरिकों ने नगर निगम की टीम पर पुष्प वर्षा की और उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि इस कार्रवाई से उन्हें वर्षों बाद खुला पार्क वापस मिला है।

प्रवर्तन दस्ते में आरआई शिखा त्रिवेदी, सुपरवाइजर कमलेश और मोहित शर्मा भी शामिल रहे। नगर निगम की इस कार्रवाई को अवैध कब्जेदारों के खिलाफ एक मजबूत संदेश माना जा रहा है।

रेउना थाना क्षेत्र में मंदिर परिसर विवादः दो युवक गिरफ्तार, हिरासत में भेजे गए जेल

कानपुर, दैनिक समाज जागरण।

दिनांक 01.12.2025 को थाना रेउना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बीछीपुर के निकट स्थित शिव हरि राम मंदिर परिसर में दो युवकों और मंदिर कर्मचारियों के बीच विवाद की सूचना प्राप्त हुई।

सूचना पाकर रेउना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और विवाद कर रहे दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। मंदिर के ट्रस्टी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया।

हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों को जेल भेज दिया गया है। मौके पर कानून-व्यवस्था पूर्णतः सामान्य है। प्रकरण के संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर श्री कृष्णकान्त ने मीडिया को बाइट दी।

गुन्नौर सरसों के खेत से ट्रैक्टर निकालने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

दोनों पक्षों के खूनी संघर्ष में बारह लोग गंभीर घायल, पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा

समाज जागरण

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरौरा काजी के जंगल में सत्यपाल की सरसों के खेत में होकर खुशीराम ट्रैक्टर निकाल रहा था। जिसमें सत्यपाल पक्ष ने टैक्टर निकालने का विरोध किया तो मामला बिगड़ गया।जिसमें दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष का रूप धारण कर लिया। विवाद इतना बिगड़ा कि दोनों पक्षों से जमकर चले लाठी डंडे में बारह लोग घायल हो गए। वही दोनों घायल पक्ष थाने पहुंच गए। पुलिस ने घायलों को घायलों को गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां दो लोगों को गंभीर स्थिति देखते हुए चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

अन्य घायलों को स्थिति भांपते हुए चिकित्सक रेफर कर कर रहे है और उपचार चल रहा है। पुलिस खूनी संघर्ष के आरोपियों की जांच पड़ताल करते हुए कार्रवाई करने में लगी है। एक पक्ष से छः लोग घायल हुए है। जिसमें सत्यपाल, सोनू, पुत्रगण पातीराम, श्रीपाल पुत्र रायसिंह, पातीराम रघुनन्दन, प्रेम सिंह पुत्रगण लखपत सिंह गंभीर रूप घायल हो गए। वही दूसरे पक्ष से भी छः लोग घायल हुए है । जिसमें धीरेन्द्र, राम गजेंद्र, खुशीराम पुत्रगण प्रकाश सिंह, सुरेश पुत्र रामसिंह, भागीरथ पुत्र सुरेश,विनोद पुत्र खुशीराम भी गंभीर रूप घायल हो गए। ग्रामीण जीतपाल ने बताया कि खुशीराम सरसों के खेत से होकर ट्रैक्टर निकल रहा था। तभी दूसरे पक्ष के पातीराम के लोगों ने ट्रैक्टर निकालने को लेकर विरोध किया।

तो दोनों के बीच गाली-गलौच व लाठी डंडों चल पड़े जिसमें दोनों पक्ष के बीच खूनी संघर्ष हो गया। और लाठी डंडे चल गए, दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमलावर हो गए । खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों से बारह लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया । जहां चिकित्सक उपचार करने में जुट गए है । जिसमें दो लोग पातीराम व सत्यपाल को अलग अलग अलग हायर सेंटर अलीगढ व संभल रेफर कर दिया । वही जिनके उपचार चल रहे है उन्हें हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर किया जा रहा है बाकि घायलों को उपचार देकर घर भेजा गया। वही पुलिस दोनों पक्षों से मामले की जांच पड़ताल कर रही है ।वही पुलिस को दोनों पक्षों कार्यवाई के लिए तहरीर नही दी गई है ।

चंदौसी में अतिक्रमण हटाओ अभियान, पुलिस ने ई-रिक्शा व बड़े वाहनों का आवागमन रोका

चंदौसी, संवाददाता — दैनिक समाज जागरण

चंदौसी। नगर पालिका चंदौसी द्वारा बुधवार को शहर में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के सुचारू संचालन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने संबंधित मार्गों पर ई-रिक्शा और बड़े वाहनों के आवागमन को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया, जिससे कार्रवाई में किसी प्रकार की बाधा न आए।

अभियान के दौरान ईओ नगर पालिका धर्मराज सिंह, ऋषभ कुमार, प्रियंका सिंह और कोतवाल प्रभारी मोहित चौधरी के साथ नगर पालिका के कर्मचारी एवं पुलिस बल तैनात रहा। संयुक्त टीम ने बाजारों और मुख्य मार्गों से अवैध अतिक्रमण हटाकर यातायात को व्यवस्थित करने की कार्रवाई की।

अधिकारियों ने बताया कि शहर में स्वच्छता, सुगम यातायात और जन-सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऐसे अभियान आगे भी समय-समय पर संचालित किए जाते रहेंगे, ताकि शहर की व्यवस्था सुचारू और व्यवस्थित बनी रहे।

अजीमाबाद के शिव मंदिर जाहरवीर चौराहे पर पानी के भी पड़े लाले प्यासे राहगीरों को हों रहीं परेशानी

जल प्याऊ बने चौराहे पर सफेद हांथी

दैनिक समाज जागरण संवाददाता पबांसा

पबांसा क्षेत्र के गांव अजीमाबाद में मेन चौराहे पर पानी के लिए राहगीरों को नहीं मिलता पीने को पानी पबांसा विकासखंड की ग्राम पंचायत अजीमाबाद में एक वनी जल प्याऊ दो महीने से पड़ी है खराब ग्रामीणों ने किया फोन पर कई बार शिकायत अभी तक नहीं हुई सही एक कहावत है सटीक पाई जाती है नाम बड़े दर्शन छोटे अजीमाबाद में शिव मंदिर जहरवीर मन्दिर पर रविवार सोमवार को जल अभिषेक होता है ग्रामीण ने बताया है कि जब से जल प्याऊ लगा है तब से खराब चल रहा है कुछ महीने पहले एक बालक को करंट लगा था जब जल प्याऊ में करंट आ रहा था अब बात ग्रामीण बता रहे हैं कि हमने कई बार फोन भी किया है अभी तक कोई सही करने नहीं आया ह

नहटौर-धामपुर रोड पर भीषण सड़क हादसा: तीन वाहन भिड़े, चार लोग घायल

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। नहटौर-धामपुर मार्ग पर मंगलवार को गांगन पुल के पास एक ढाबे के सामने डीसीएम, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बाइक सवार एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना उस समय हुई जब सूत भरकर कांठ की ओर जा रही डीसीएम और शुगर मिल के गन्ना क्रय केंद्र से गन्ना लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रहा बाइक सवार ट्रॉली की चपेट में आ गया। घायलों की पहचान गांव कश्मीरी निवासी बाइक सवार सारिक और नाजिम, सेढी निवासी ट्रैक्टर चालक कृपाल सिंह तथा कांठ निवासी डीसीएम चालक अंजार के रूप में हुई है। सभी को नहटौर अस्पताल पहुंचाया गया। टक्कर में डीसीएम और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। थाना अध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

चांदपुर में केंद्रीय जीएसटी इंटेलिजेंस का छापा: व्यापारी जितेन्द्र भाटिया के घर पर सुबह से जांच जारी

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर। चांदपुर में मंगलवार सुबह केंद्रीय जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने सरगम सिनेमा इलाके में रहने वाले व्यापारी जितेन्द्र भाटिया के निवास पर छापेमारी की। टीम करीब सुबह 9 बजे दो से तीन वाहनों में पहुंची और घर सहित नीचे बने गोदाम में जांच शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार, जितेन्द्र भाटिया शहर में महिमा सेल्स कार्पोरेशन नाम से कई खाने-पीने की कंपनियों के प्रोडक्ट्स के होलसेल डीलर हैं, जिनका कारोबार करोड़ों में बताया जा रहा है। सुबह जब व्यापारी ने दुकानें नहीं खोलीं तो परिजन घर पहुंचे, जहां उन्हें छापेमारी की जानकारी मिली। छापेमारी के दौरान कई महिला और पुरुष अधिकारी मौजूद रहे। स्थानीय लोग एवं व्यापारी जांच की वजह जानने पहुंचे, लेकिन टीम ने किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। अधिकारियों ने केवल यह बताया कि वे केंद्रीय जीएसटी इंटेलिजेंस से संबंधित टीम हैं। जांच के दौरान निवास स्थल के आसपास बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। टीम आवश्यक दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई है।

बंद घर का ताला तोड़कर चोरी, सोने चांदी के जेवरात पार

रेहड़ थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव में अज्ञात चोरों ने की वारदात

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर उदयपुर गांव (थाना रेहड़) में बंद पड़े एक मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। घटना का पता गृहस्वामी के घर लौटने पर चला। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उदयपुर निवासी फईम अहमद 27 नवम्बर को अपनी पत्नी फिरोजा खातून को दवा दिलाने जसपुर (उत्तराखण्ड) गए थे। देर हो जाने पर वे दोनों अपनी ससुराल अंगदपुर (उत्तराखण्ड) में ठहर गए। अगले दिन जब वह अपने घर लौटे, तो कमरे का ताला टूटा मिला। घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी से नकदी व सोने चांदी के जेवरात गायब थे। घटना के तीन दिन बाद पीड़ित ने थाने में प्रार्थनाझपत्र दिया। रेहड़ थानाध्यक्ष बिजेन्द्र सिंह राठी ने बताया कि प्राप्त प्रार्थनाझपत्र के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 305 (क) और 324 (4) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

शिवाला कला पुलिस को मिली महत्वपूर्ण सफलता एक अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर, थाना शिवाला कला पुलिस ने बुधवार, 3 दिसंबर 2025 को महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए अभियुक्त वैभव पुत्र राम सिंह, निवासी ग्राम सुनगढ़, थाना शिवाला कला को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। उप निरीक्षक अजीत सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 126, 135 एवं 170 इठरर के अंतर्गत गंभीर आरोप दर्ज थे। लंबे समय से पुलिस उसकी तलाश में थी। बुधवार सुबह मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर अभियुक्त को उसके गांव सुनगढ़ से हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।

उप निरीक्षक अजीत सिंह ने बताया कि अभियुक्त का व्यवहार संदिग्ध पाया गया था तथा वह अपने अपराधों को छिपाने का प्रयास कर रहा था। कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के पश्चात अभियुक्त को माननीय उप जिला अधिकारी महोदय, चांदपुर की अदालत में प्रस्तुत किया गया, जहाँ आगे की कार्यवाही न्यायालय द्वारा की जाएगी।

थाना पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अपराधियों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस टीम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

चांदपुर स्टेशन पर दर्दनाक हादसा: ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

पैसेंजर ट्रेन में चढ़ते समय फिसला पैर, दिल्ली के लिए निकला था घर से

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर, रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में करीब 50 वर्षीय जीशान की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब जीशान नजीबाबादझगजरौला पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। अचानक पैर फिसल गया और वह ट्रेन के नीचे आ गए।

घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। 108 एंबुलेंस की सहायता से गंभीर रूप से घायल जीशान को उलउ चांदपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उलउ में तैनात डॉक्टर सतेंद्र सिंह के अनुसार, जीशान को मृत अवस्था में लाया गया था। उनके सिर पर गंभीर चोटें थीं और एक हाथ पंजे के पास से कट चुका था।

जीआरपी चौकी प्रभारी प्रणव कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह साफ हुआ है कि हादसा ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसलने से हुआ है। मृतक की पहचान अकबरपुर तिगरी निवासी जीशान पुत्र इमामुद्दीन के रूप में हुई है। वह सुबह करीब 9 बजे दिल्ली जाने के लिए घर से निकले थे और चांदपुर स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन पकड़ रहे थे।

परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया और किसी भी कानूनी कार्रवाई से भी मना कर दिया है। परिजनों के अनुसार, यह एक दुर्घटना है।

युवक ने मां के खोखे में लगाई आग, विवाद के बाद फरार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। शहर कोतवाली क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी में मंगलवार देर शाम एक युवक ने नशे की हालत में अपनी मां के परचून के खोखे में आग लगा दी। घटना में खोखे में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक नशे में घर पहुंचा, जहां किसी बात पर विवाद हो गया। गुस्से में आकर उसने मां के खोखे में आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही कॉलोनी के लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक पूरा सामान जलकर खाक हो चुका था। घटना के दौरान एक व्यक्ति ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

कुएं में गिरा गुलदार का शावक, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर के भगवानपुर गांव में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब भाजपा नेता भीष्म सिंह राजपूत के पुराने कुएं में एक गुलदार का शावक गिर गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर शावक को सुरक्षित बाहर निकाला। गांव में पिछले कई दिनों से मादा गुलदार के विचरण की खबरों से ग्रामीण दहशत में थे। मादा गुलदार अक्सर कुएं के आसपास देखी जा रही थी, जिसके चलते स्कूली बच्चे स्कूल नहीं जा रहे थे और किसानों में खेतों में जाने को लेकर डर बना हुआ था। मंगलवार सुबह किसान और मजदूर खेतों की ओर जा रहे थे तभी उन्होंने कुएं में शावक को फंसा देखा और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही डिप्टी रेंजर नीतीश कुमार के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सावधानीपूर्वक रस्सों और जाल की मदद से शावक को कुएं से बाहर निकाला। डिप्टी रेंजर नीतीश कुमार ने बताया कि शावक को रेस्क्यू के बाद जंगल में मादा गुलदार के आसपास ही छोड़ना पड़ा, क्योंकि उसे कहीं और ले जाने पर मादा गुलदार आक्रामक होकर ग्रामीणों के लिए खतरा पैदा कर सकती थी। मादा गुलदार को पकड़ने और गांव की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने गांव में पिंजरा लगा दिया है। ग्रामीणों में अभी भी डर का माहौल है और वे गुलदार के पकड़े जाने तक अकेले बाहर निकलने से हिचकिचा रहे हैं। रेस्क्यू टीम में डिप्टी रेंजर नीतीश कुमार, रेंजर राम कुमार, वनरक्षक दीपक कुमार, वन दरोगा परशुराम, वन कर्मी मोहम्मद उमर, राजेंद्र, बृजेश और अमित शामिल रहे।

एस आई आर कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण। आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद मंडावली थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया कर बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंडावली थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। यहां चल रहे गणना प्रपत्रों के वितरण कार्य, उसकी वापसी और डिजिटाइजेशन के कार्यों को देखा। उस क्षेत्र के सुपरवाइजर और बीएलओ से जानकारी की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आसपास के लोगों से गणना प्रपत्र के मिलने और फॉर्म भरकर जमा करने के बारे में पूछा। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि यह अभियान भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है।एस आई आर फॉर्म भरने की प्रक्रिया में बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। सभी मतदाता गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा कर सकते हैं।जिलाधिकारी ने निर्वाचन में नियुक्त कार्मिकों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करें। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएंगी।इस दौरान उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार, तहसीलदार,बीएलओ पूनम रानी, आरिफ ,अल्पना मौर्या, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायिका तनु शर्मा, ग्राम पंचायत सैक्रेटरी आदि उपस्थित रहे।

विश्व विकलांग दिवस को राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन ने मनाया काला दिवस

दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 को सभी प्रावधानों में लागू किया जाए

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन की बैठक 3 दिसंबर को नुमाइश ग्राउंड बिजनौर में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा तथा संचालन जिला प्रभारी मास्टर अफजाल ने किया। नुमाइश ग्राउंड बिजनौर से दिव्यांगजन जुलूस प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे तथा डीएम कार्यालय का घेराव किया। ज्ञापन आदरणीय प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी बिजनौर को सौपा। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने बताया कि दिव्यांगों की संख्या दो करोड़ तथा पूरे भारतवर्ष में 11 करोड़ है। लेकिन दिव्यांगों के लिए कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसलिए विश्व विकलांगता दिवस को काला दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। तथा सरकार की नीतियों का विरोध किया गया तथा सरकार से दिव्यांगों की समस्याओं की ओर ध्यान देने का अनुरोध किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने कहा कि दिव्यांग आयोग का गठन किया जायें, उसका अध्यक्ष दिव्यांग हो,देश व प्रदेश के मुख्यालयो के साथ प्रत्येक जनपद मुख्यालयों पर दिव्यांग भवन बनाए जाए एवं उनका संचालन दिव्यांगों द्वारा सुनिश्चित किया जाए,उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में डूडा विभाग जो तीसरी मंजिल पर है उसको नीचे शिफ्ट किया जाए जिसका लाभ दिव्यांग जनों को मिल सके तीसरी मंजिल पर होने के कारण दिव्यांगजन डूडा विभाग नहीं जा पाते तथा विभाग में प्रचलित योजना का लाभ से वंचित रह जाते हैं,दिव्यांगों का आरक्षण 4% से 10% किया जायें,दिव्यांगों का यूडी आईडी कार्ड देश की समस्त परिवहन निगमों जैसे बसे, ट्रेनों,जलयानो एवं वायुयानो में छूट सहित समस्त भारत में मान्य कराने की अनिवार्य व्यवस्था करायी जाए,सभी सरकारी कार्यालयों में दिव्यांगों की सुविधा के लिए रैम्प बनाया जायें व दिव्यांगों का उत्पीड़न बन्द किया जायें,सभी नगर पालिका / नगर पंचायतों में दिव्यांगों की सुविधा के लिए रैम्प नहीं है सभी नगर पालिका / नगर पंचायतों में रैम्प बनवाया जायें,रेलगाड़ी के 2 अ/उ.3अ/उ मैं दिव्यांगों को 90 प्रतिशत छूट दी जाए। तथा पीसीओ की तर्ज पर दिव्यांग जनों को साइबर कैफे दिए जाएं,दिव्यांगों की पेन्शन 1000 से 5000 की जायें,सभी दिव्यांगजनों के सरकारी आवास बनाये जायें। दिव्यांग कन्याओं एवं युवाओं की शादी अनुदान राशि कम से कम 2 लाख की धनराशि लाभार्थी के खाते में डाली जाए,दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 को सभी प्रावधानों को अति शीघ्र से लागू किया जाए।

दिव्यांगजनों को राजनीति में आरक्षण दिया जाए। लोकसभा विधानसभा पंचायत निकाय चुनाव में दिव्यांग जनों को आरक्षण दिया जाए ताकि वह विधानसभा लोकसभा में अपने समाज की आवाज उठा सके।

इस मौके पर आजम अंसारी, गुरबचन सिंह, मास्टर शहजाद गोविंदपुर वाले, नकुल कुमार, सुशील कुमार, विदेश कुमार, गजेंद्र सिंह, मोहम्मद शाकिर, अमित कुमार, ऋषिपाल सिंह, तुलसी सिंह, शमशेर आदि उपस्थित रहे।

आर्य सुगंध संस्थान में विश्व दिव्यांग दिवस समारोह आयोजित हुआ

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद आर्य सुगंध संस्थान में विश्व दिव्यांग दिवस समारोह आयोजित किया गया, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा।

नजीबाबाद। मंडावली थाना क्षेत्र के आर्य सुगंध संस्थान, मुस्सेपुर द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर मुख्य अतिथि रहीं।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने संस्थान के आयोजकों की सराहना की और बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी से कम नहीं होते, उनमें विशेष प्रतिभाएं होती हैं और समाज को उनका साथ देना चाहिए। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे सभी अतिथि प्रभावित हुए।जिलाधिकारी ने प्रदेश सरकार की योजनाओं और दिव्यांग जनों के अधिकारों के संबंध में जानकारी देकर जागरूकता बढ़ाई। इस प्रयास का उद्देश्य दिव्यांगों को उनके अधिकारों और उपलब्ध सुविधाओं के प्रति पूरी तरह जागरूक करना था। समाज से दिव्यांगों के हित और सम्मान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि दिव्यांग जनों को उचित सम्मान और समान अवसर मिलें।इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार महिला आयोग सदस्य संगीता जैन, पूर्व सांसद/मंत्री राजा भारतेंदु सिंह, भाजपा क्षेत्रीय शोध विभाग प्रमुख रजनी कालरा, भाजपा जिला मंत्री महिला मोर्चा सरिता सैनी, भारतीय महिला महाशक्ति की जिला महासचिव सुजाता कौशिक, एसडीएम शैलेन्द्र कुमार, आर्य सुगंध संस्थान के अध्यक्ष सुंदर गोयल, उपाध्यक्ष विद्या ओम प्रकाश शर्मा और प्रबंधक श्रीमती कमलेश आर्या उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में आए सभी अतिथियों और आगंतुकों का धन्यवाद किया गया।

पुण्यतिथि के अवसर पर साक्षी सेवा समिति ने किया भजन संध्या का आयोजन

समाज जागरण

चंदौसी। साक्षी सेवा समिति उत्तर प्रदेश की शाखा चंदौसी स्टार के तत्वाधान में गौशाला रोड पर स्थित गौशाला मे साक्षी सेवा समिति संभल उत्तर प्रदेश की संरक्षिका चंद्रकला सैनी की बिटिया स्वर्गीय साक्षी जी के पुण्यतिथि के अवसर पर साक्षी सेवा समिति चंदौसी द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साक्षी सेवा समिति चंदौसी जिला संभल की प्रदेश की संरक्षिका चंद्रकला सैनी और अध्यक्ष रंजना शर्मा द्वारा श्री हनुमान जी महाराज का पूजन किया गया। तत्पश्चात शिव का दास मंडली के सदस्यों ने भक्तिमय श्री राम प्रिय श्री हनुमान जी महाराज को समर्पित सुंदर कांड का पाठ किया। साक्षी स्टार परिवार के सदस्यों सुधा शर्मा, दमयंती सिंह, बबिता बिंदल, सुनीता आदि भक्तों ने श्री राम जी के प्यारे हनुमान, राधे राधे जपा करो आदि भजनों को गाकर धूम मचा दी। इस अवसर पर आरती शर्मा, मिथलेश, रीना, बिंद्रा, मंथरा शंकुतला, मुस्कान भारद्वाज आदि भक्त गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंजना शर्मा ने किया ओर संचालन बबिता बिंदल ने किया।

डीएम ने टटीरी टाउनशिप प्रगति जांची विकास कार्यों में पारदर्शिता पर जोर

- टटीरी टाउनशिप निरीक्षण में डीएम सख्त भूमि क्रय और रिकॉर्ड पर फोकस
- बीबीकेडीए निरीक्षण में टटीरी टाउनशिप कार्यों को समयबद्ध गति देने के निर्देश

विकास प्राधिकरण कार्यालय का निरीक्षण करती डीएम अस्मिता लाल।

समाज जागरण

बागपत। डीएम अस्मिता लाल ने कलेक्ट्रेट स्थित बागपतझबड़ौतझ खेकड़ा विकास प्राधिकरण (बीबीकेडीए) कार्यालय का निरीक्षण करते हुए प्राधिकरण की सभी प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति जानी और व्यवस्थाओं में पारदर्शिता व गति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विशेष रूप से टटीरी टाउनशिप परियोजना के अभिलेखों की गहन जांच की। उन्होंने भूमि क्रय के दस्तावेज, भुगतान अभिलेख, नक्शे, सहमति-पत्र और मास्टर प्लान का स्वयं अवलोकन किया। यह परियोजना जनपद की पहली एकीकृत टाउनशिप है, इसलिए जिलाधिकारी ने रिकॉर्ड रखरखाव से लेकर फील्ड कार्रवाई तक प्रत्येक चरण में शत-प्रतिशत पारदर्शिता का पालन करने को कहा। परियोजना के लिए स्वीकृत 5.262 हेक्टेयर भूमि में से अब तक चार कृषकों से 0.1435 हेक्टेयर भूमि 1,80,81,000 रुपये में खरीदी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 23 मई से अब तक 15 किसानों से 0.8610 हेक्टेयर भूमि खरीद की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। डीएम ने इस प्रगति पर संतोष जताते हुए शेष भूमि क्रय, बैनामा और डिजिटल रिकॉर्ड अपडेट को समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए मुआवजा वितरण, राजस्व प्रविष्टियों और शिकायत निस्तारण को मजबूत करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान एडीएम विनीत उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनवरी से जिले की 41 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियाँ होंगी डिजिटल

डीएम अस्मिता लाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के तृतीय चरण के कम्प्यूटरीकरण की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनवरी से पहले बागपत की सभी 41 समितियों को पूर्णतः डिजिटल व्यवस्था से जोड़ना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 2925.39 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत सभी सक्रिय समितियों को राष्ट्रीय स्तर की संगणक आधारित प्रणाली, साझा लेखा व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से ऋण वितरण, बीज-खाद बिक्री, खरीद-फरोख्त, भंडारण, सदस्यता प्रबंधन और सार्वजनिक वितरण जैसी सेवाएँ एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध होंगी। डीएम ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, उपकरण, इंटरनेट सुविधा और आँकड़ा हस्तांतरण की प्रक्रियाएँ समयबद्ध रूप से पूरी की जाएँ। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि समितियों के सचिवों का प्रशिक्षण दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक हर हाल में संपन्न हो। बैठक में सहकारिता विभाग, नाबार्ड और बैंक अधिकारी उपस्थित **रहे।**

चकबंदी कार्यालय के निरीक्षण में डीएम सख्त व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

डीएम अस्मिता लाल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित चकबंदी कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव, रिकॉर्ड रूम, कार्यालय रजिस्टरों और साफझसफाई की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि चकबंदी कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक है, इसलिए अभिलेख क्रमवार और सुरक्षित तरीके से संरक्षित रहें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भूमि रिकॉर्ड, नक्शे, खसराझ खतौनी और लंबित मुकदमों की फाइलों की जांच की तथा पुराने अभिलेखों को सुरक्षित बॉक्स फाइलों में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय परिसर में साफझसफाई की कमी पर नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि अगली जांच तक स्पष्ट सुधार न होने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने लंबित आपत्तियों, पुनर्मापन और निस्तारण से जुड़े मामलों को शीघ्रता से निपटाने का निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान डिजिटाइजेशन कार्यों की प्रगति भी परखी गई। चकबंदी अधिकारी और राजस्व कर्मी उपस्थित रहे।

पैरा एथलेटिक और पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

समाज जागरण

बागपत। विश्व विकलांगता दिवस पर पहली पैरा एथलेटिक और पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के मेंटोर आईएएस अभिनव गोपाल (सीडीओ गाजियाबाद) रहे, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पावरलिफ्टिंग पैरा ओलंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन जेपी सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन गाजियाबाद के चेयरमैन सत्या यादव का पूर्ण सहयोग मिला, जो एक अल्ट्रा रनर और टफमैन अल्ट्रा रन चैंपियन हैं। उन्होंने हर स्तर पर कार्यक्रम को समर्थन और मार्गदर्शन दिया। साथ ही समिति के अध्यक्ष अरुण वीरवाल भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पैट्रन मुकेश दत्त भी पहुंचे। इस आयोजन को सफल बनाने में सचिव मोनू कुमार व संयुक्त सचिव राजेंद्र यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। यूपी पैरा एथलेटिक एवं पावरलिफ्टिंग मीट (20 से 21 दिसंबर, बरेली) के लिए प्रतियोगिता से शांतनु, जाहिद खान, अनिल कुमार, संदीप पंचाल, नाजिया, ऋतेश, करण, रोशन, माहक, अल्का, ज्योति, मयंक, राहुल चौधरी, दीपक, सतीश, सोनू, आरिफ, दीपक, इजाजुद्दीन, निखिल शर्मा, देवांश, सार्थक, आदित्य, आदर्श, अरविंद, नाजिया, यश सहित कुल 30 खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। सत्या यादव ने कहा कि गाजियाबाद पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन का संकल्प पैरा खिलाड़ियों को सशक्त बनाना और उन्हें उज्ज्वल भविष्य प्रदान करना है।

राज्य मंत्री केपी मलिक का आसिफपुर खड़खड़ी गाँव में हुआ भव्य स्वागत

समाज जागरण

बागपत। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री केपी मलिक का आसिफपुर खड़खड़ी गांव में एनआरएलएम विभाग की सीएलएफ प्रबंधक व भू दृष्टि फाउंडेशन की संस्थापिका अध्यक्ष कुसुम चौहान के आवास पर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर कुसुम चौहान ने केपी मलिक को एक ज्ञापन भी सौपा। कुसुम चौहान ने कहा कि एक तरफ सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है, तो दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में अल्प मानदेय पर लगातार कार्य कर रही कैडर दीदियों की उपेक्षा की जा रही है। कैडर दीदियों जैसे समूह सखी ,स्वास्थ्य सखी ,कृषि सखी ,बैंक सखी, एफएलसीआरपी आदि दीदियों को कई वर्षों से मानदेय नहीं मिला है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट पैदा हो गए हैं। साथ ही उन्हें जो मानदेय मिलता है, वह भी आज की बढ़ती महंगाई को देखते हुए काफी कम है, जिसे बढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ-साथ महिला सशक्तिकरण का पिलर बनकर महिलाओं को आजीविका से जोड़ने वाले बीएमएम व डीएमएम स्टाफ की एचआर पॉलिसी जो केंद्र सरकार ने स्टेट सरकार को लागू करने के कई बार आदेश दिये है, वो भी आज तक लागू नहीं हो पाई है, इस कारण उन्हें बढ़ती महंगाई में आर्थिक समस्याओं को झेलना पड़ रहा है। केपी मलिक ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि वह उनकी दोनों समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

मंगलाचार प्रदान करता है मंगल आचरण : आचार्य सौरभ सागर

समाज जागरण

बागपत। संस्कारप्रणेता, ज्ञानयोगी, आचार्य श्री 108 सौरभ सागर महामुनिराज ने श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी बडौत के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में अतिथि भवन बड़ौत में मंगल प्रवचन दिये। उन्होंने कहा कि जो मनुष्यता से पार हो जाता है वही भगवान होता है। भगवान का

अर्थ है कि-मेरे अन्दर से सभी प्रकार की वासना सामप्त हो गयी है, मुझे अब अस्त्र-शस्त्र, वस्त्र से कोई ताल्लुक नहीं है। मेरी आत्मा से निर्धूम दिव्य प्रकाश निकल रहा है। राग-द्वेष के कल्मष का धुँआ नहीं है। राग-द्वेष की कालिमा जिनकी ज्योति को धूमिल नहीं कर सकती, वही भगवान है। जो चार कर्मों से रहित हैं, वही अर्धनारीश्वर हैं, अरिहन्त है। उन्होंने कहा कि मंगलाचरण हमारे जीवन को मंगल आचरण प्रदान करता है, पाप का गलाता है, पुण्य को लाता है, नास्तिकता को हटाता है। सभा का संचालन अमित जैन द्वारा किया गया।सभा में पंकज जैन,अजय जैन काले ,सुखमाल जैन,राजकुमार जैन,राकेश जैन,कमल जैन,सौरभ जैन,प्रभात जैन,अंकुर जैन,प्रवीण जैन,मनोज जैन,सतीश जैन आदि उपस्थित थे। मीडिया प्रभारी वरदान जैन ने बताया कि शाम को 5 बजे समाज द्वारा पंचकल्याणक के कुबेर इंद्र दिनेश कुमार सिद्धार्थ जैन मोटर वालो का तिलक लगाकर सम्मान किया गया और मंगलाचार के अंतर्गत पूरी समाज से भक्ति के द्वारा खुशी मनाई।

पाठशाला रोड पर भिड़ी दो बाइक, तीन घायल

समाज जागरण

खेकड़ा । पाठशाला रोड पर वीवटैक्स ओवरसीज के पास दो बाइकों में आमने सामने की भिडंत हो गई।

दुर्घटना में सांकरौद का रहने वाला तनिश पुत्र नरेश किसी काम से बाइक पर खेकड़ा जा रहा था। वहीं सामने दूसरी बाइक पर आ रहे फिरोजपुर के रिहान और दानिश पाठशाला बस स्टैंड की तरफ जा रहे थे। रफ्तार अधिक होने से दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त तो तीन सवार को काफी चोट लगी। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने तीनों को इलाज के लिए सीएचसी पर भर्ती कराया। तनिश व दानिश को चेहरा व सिर में मामूली चोट लगी तो इलाज के बाद घर भेज दिया। जबकि रिहान को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया।

टीएमयू के नर्सिंग ब्रह्मोत्सव में स्टुडेंट्स ने खेलों में दिखाया दम

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की स्पोर्ट्स एंड कल्चरल इवेंट- ब्रह्मोत्सव में बैडमिंटन, कबड्डी, बास्केटबाल की प्रतियोगिताएं हुईं। ब्वायज की कबड्डी प्रतियोगिता में टीम अग्नि दमदार प्रदर्शन करते हुए 40-19 से विजेता रही, जबकि टीम नीर ने दूसरा स्थान प्राप्त

किया। गर्ल्स की कबड्डी प्रतियोगिता में 38-29 से नीर टीम अव्वल रही और वायु टीम द्वितीय स्थान पर रही। बैडमिंटन सिंगल्स की ब्वायज प्रतियोगिता में टीम अग्नि के रिभव ने 21-13 से टीम वायु के रितिक को मात देकर जीत दर्ज की, जबकि गर्ल्स सिंगल्स के मुकाबले में टीम वायु की कशिश यादव ने आकाश टीम की खुशी को 13-11 प्वाइंट्स से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। इससे पूर्व बास्केटबाल के ब्वायज मुकाबले में नीर टीम ने वायु टीम को 13-02 से विजेता रही। इस मौके पर नर्सिंग की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी, प्राचार्या डॉ. जेसलीन एम., तीर्थंकर पार्श्वनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ. श्योली सेन, प्रो. रामनिवास, डॉ. रामकुमार गर्ग, डॉ. योगेश कुमार, डॉ. सपना सिंह के संग-संग स्पोर्ट्स कोर्डिनेटर्स- श्री सतीश प्रजापति, श्रीमती पूजा झा, श्री रितिक रकवाल, श्री विनय लाल आदि मौजूद रहे।

मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा ने की बैठक

समाज जागरण

बागपत। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत भाजपा जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें एसआईआर जिला टोली और मॉनिटरिंग टीम के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में एसआईआर अभियान की प्रगति, बूथ स्तर पर हो रहे कार्यों की समीक्षा, बीएलओ के समन्वय तथा आगामी लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी डॉ चन्द्रमोहन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर को भाजपा के जिला कार्यालय पर एसआईआर को लेकर एक अतिआवश्यक बैठक

आयोजित कि जायेगी। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री व प्रभारी मंत्री जशंवत सैनी कार्यकताओं को सम्बोधित करेंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला उपाध्यक्ष अनिल तोमर ने कार्यकताओं से अपील की कि वे पूरी निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ मतदाता पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें, जिससे प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो सके। जिला उपाध्यक्षा व एसआईआर की जिला संयोजिका अनिता खौखर, जिला सहसंयोजक व विधानसभा प्रभारी सुंदर धामा, सचिन मलिक, अमित उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष संदीप वशिष्ठ, संदीप प्रजापति, मनजीत गुर्जर, डॉ मनीष कुशवाहा, दिनेश प्रधान, अक्षय तोमर, निशू राजपूत, प्रमोद खौखर, मांगेराम कश्यप, विकास चौहान, सुनील दीक्षित आदि मौजूद रहे।

निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण हेतु दावे-आपत्तियाँ 16 दिसंबर तक

समाज जागरण

बागपत। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद मेरठ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के De-novo पुनरीक्षण के तहत प्रकाशित आलेख्य को जनसामान्य के अवलोकन के लिए 2 दिसंबर को जारी कर दिया गया है। यह पुनरीक्षण 1 नवंबर 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर किया जा रहा है।

जिला सूचना अधिकारी द्वारा दी गई सूचना के तहत जिन पात्र स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं के नाम प्रकाशित निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं हो पाए हैं, वे 2 दिसंबर से 16 दिसंबर तक फॉर्म-18 (स्नातक) एवं फॉर्म-19 (शिक्षक) के माध्यम से अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन संबंधित मतदान केन्द्रों पर तैनात पदनामित एवं अतिरिक्त पदनामित अधिकारियों को आवश्यक अभिलेखों व साक्ष्यों सहित जमा किए जाएँगे। बताया निर्देश है कि सभी पदनामित अधिकारी निर्धारित कार्यालय समय में मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहकर दावे-आपत्तियाँ प्राप्त करेंगे। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने अपील की है कि पात्र नागरिक निर्धारित अवधि के भीतर अपने दस्तावेजों सहित संबंधित केन्द्रों पर पहुँचकर पंजीकरण अवश्य कराएँ, ताकि निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्य में उनकी सहभागिता सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अवसर सभी अर्ह नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, अतः समय पर अपने दावे प्रस्तुत कर नाम दर्ज कराने में सहयोग करें।

टीएमयू खो-खो का ताज ग्रीन मिडोज-सेंट मीरा के सिर सजा

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के टिमिट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन की इण्टर स्कूल खो-खो चैंपियनशिप

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के टिमिट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन की ओर से आयोजित दो दिनी इण्टर स्कूल खो-खो चैंपियनशिप के बालक वर्ग में मुरादाबाद के ग्रीन मिडोज पब्लिक स्कूल और बालिका वर्ग में सेंट मीरा अकादमी की टीमें विजेता रहीं। मुरादाबाद के ग्रीन मिडोज और आरआरके पब्लिक स्कूल के बीच बालक वर्ग के फाइनल मैच में आरआरके ने टॉस जीतकर डिफेंस चुना। ग्रीन मिडोज ने फर्स्ट क्वार्टर में 7 प्वाइंट्स से मुकाबला अपने नाम कर लिया। बालिका वर्ग के मुकाबले में मुरादाबाद की सेंट मीरा अकेडमी की टीम विजेता बनीं। सेंट मीरा अकेडमी और पीएमएस पब्लिक स्कूल- धनौरा के बीच हुए मुकाबले में सेंट मीरा अकादमी ने टॉस जीतकर चेस चुना। सेंट मीरा अकादमी ने 12 प्वाइंट्स से जीत दर्ज की। टीएमयू के डीन स्टुडेंट्स वेलफेयर प्रो. एमपी सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि चैंपियनशिप का शुभारम्भ किया,जबकि समापन मौके पर डायरेक्टर एडमिशन श्री अवनीश

कुमार पवारिया ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय चैंपियनशिप में मुरादाबाद मंडल की बालक वर्ग में 12 और बालिका वर्ग में 12 टीमों ने प्रतिभाग किया ।

दूसरी ओर लीग मैंचों में बालक वर्ग में मुरादाबाद के रेनबो पब्लिक स्कूल और ग्रीन मिडोज स्कूल की टीमें विजेता रहीं। रेनबो पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर रनिंग चुनीं और वेदांता ग्लोबल स्कूल, धनौरा को 01 प्वाइंट से मात दी, जबकि ग्रीन मिडोज ने टॉस जीतकर रनिंग चुनीं और ग्रीन मिडोज ने 1 मिनट 15 सेकंड में सेंट मीरा अकादमी मुरादाबाद पर जीत दर्ज की। दूसरी ओर बालिका वर्ग के मुकाबले में मुरादाबाद के ग्रीन मिडोज और अमरोहा एस एस चिल्ड्रेन अकादमी, अमरोहा की टीमों ने जीत हासिल की। ग्रीन मिडोज ने टॉस जीतकर पहले डिफेंस चुना और जीडीटीएस, मुरादाबाद को 4 प्वाइंट और 1 इनिंग से हराकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। एसएस चिल्ड्रेन अकादमी अमरोहा ने टॉस जीतकर डिफेंस चुना। एसएस चिल्ड्रेन अकादमी ने वेदांता ग्लोबल स्कूल, धनौरा को 1 प्वाइंट से मात दी।

बैठक बाल अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही

ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद बहराइच देहात इंडिया संस्था के तत्वावधान एसेक्स टू जस्टिस परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत सबलापुर, ब्लॉक- तेजवापुर जनपद बहराइच में ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति (VLCPC) की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में ग्रामस्तरीय हितधारकों, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं समुदाय के अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर बच्चों से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान सुनिश्चित करना था। बैठक में बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, और स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। साथ ही, सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर समुदाय को उनके लाभ से अवगत कराया गया।

बैठक में उपस्थित देहात इंडिया के चन्द्र प्रकाश अवस्थी एवं दीपक शुक्ला ने बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा, और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बाल संरक्षण समिति की भूमिका को रेखांकित करते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय रूप से बच्चों के हित में कार्य करने की अपील की।

यह बैठक बाल अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही, जिसमें समुदाय को जागरूक कर बच्चों के लिए एक सुरक्षित और सशक्त वातावरण निर्मित करने का संकल्प लिया गया। बैठक में ग्राम प्रधान,बेबी परवीन एवं जिला पंचायत सदस्य मो. आसिफ एवं बाल कल्याण पुलिस अधिकारी शैलेन्द्र कुमार बाल संसद के बच्चे एवं प्रधानाध्यापक कमरुन निसा, सोनल गोरा व शालू देवी एवम आशा- सुमन, पुष्पा, चन्द्र प्रकाश अवस्थी,दीपक शुक्ला ने प्रतिभाग किया और बाल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए।

करोलबाग क्षेत्रीय विधायक विषेश रवि के द्वारा एक दिन में 5 विकास कार्यों का उद्घाटन

समाज जागरण बादल हुसैन

नई दिल्ली, करोलबाग विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों विकास कार्यों में तेजी आ गई है,दिन प्रतिदिन क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास का दौर चल रहा है। एक दिन में पांच या उससे ज्यादा उद्घाटन अपने आप में एक किर्तिमान सावित हो रही है।इसी कड़ी में एक बार फिर करोलबाग विधानसभा के आम आदमी पार्टी के क्षेत्रीय विधायक विषेश रवि के द्वारा पहाड़गंज में सड़क सीवर और पानी की नई लाइन के उद्घाटन किया। जिससे स्थानीय लोगों के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। वहीं जेजे क्लस्टर, गुरु मुनि अखाड़ा,रामबाग में पानी की लाइन, गली बालकिशन, बसंत रोड़,कसेरु वालन मुख्य लाइन और गली नंबर 5 चुना मंडी,सीवर लाइन,इली नवंबर 1चुना मंडी चित्रगुप्त रोड साइड, सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन कर जनता को सुविधा प्रदान किया। यहां हल्की बारिश में गली तलाब में तब्दील हो जाती थी लेकिन अब सड़क बनाने से स्थानीय निवासी को परेशानी से निजात मिला है। इस अवसर पर लोगों ने विधायक विषेश रवि सहित अतिथियों का साफा और फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। और विधायक विषेश रवि के लम्बी उम्र की कामना भी की। सड़क, पानी, सीवर, सभी निर्माण कार्य का उद्घाटन विधायक कोटे से किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में विधायक विषेश रवि ने कहा कि हमने क्षेत्र वासियों से जो वादे किए थे वह पुरा कर रहा हूं और जबतक दममे दम रहेगा क्षेत्र में विकास कार्य होता रहेगा। वहीं विधायक विषेश रवि ने अन्य विकास कार्यों की घोषणा की इस अवसर पर मुख्य अतिथि, वरिष्ठ नागरिक स्थानीय निवासी सम्मानित जनप्रतिनिधि सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दिल्ली में बड़ा खुलासा: 1,500 किलो नकली देसी घी फैक्ट्री पर पुलिस का छापा, फैक्ट्री सील

दिल्ली, दैनिक समाज जागरण। दिल्ली पुलिस ने केड़ा कलां, अलीपुर में चल रही नकली देसी घी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। विशेष पुलिस आयुक्त कानून और व्यवस्था रविंद्र सिंह यादव की निगरानी में डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी की डीआईयू टीम ने कार्रवाई करते हुए बंसल एग्रो फूड इंडस्ट्रीज पर छापा मारा। छापेमारी में 1,500 किलो तैयार नकली देसी घी और 55 लीटर घी की सुगंध (एसेंस) बरामद की गई। यह घी एनटीसी अर्थ वेदिक, गौ अमृत, नामदेव, एनटीसी सारस गोल्ड और एनएस नादन सारस जैसे ब्रांड नामों में पैक किया जा रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने एफएसएसएआई अधिकारियों को साथ लेकर फैक्ट्री की तलाशी ली।

मौके से बड़ी मात्रा में तैयार माल, पैकिंग सामग्री और एसेंस जब्त किए गए।

जांच में पता चला कि फैक्ट्री संचालक ज्ञानेंद्र सिंह 1995 से नकली घी बनाकर दिल्ली और आसपास के राज्यों में सप्लाई कर रहा था। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस ने चेतावनी दी है कि उपभोक्ता केवल प्रमाणित और विश्वसनीय ब्रांड का घी ही खरीदें और किसी भी संदिग्ध उत्पाद की जानकारी तुरंत पुलिस या एफएसएसएआई को दें।

सिमरकुरह वन क्षेत्र में सखुआ पेड़ों की तस्करी का प्रयास विफल, वनकर्मियों पर हमले के बाद दर्ज हुआ मामला

पंकज कुमार पाठक,संवाददाता पदमा, दैनिक समाज जागरण

पदमा-पदमा ओपी थाना क्षेत्र के सिमरकुरहा अधिसूचित वन क्षेत्र में तीन दिसंबर को सखुआ पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि छह सखुआ पेड़ों को काटकर बोटा बनाया जा रहा था और तस्करी की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिलने पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे और बोटों को जब्त करने लगे।

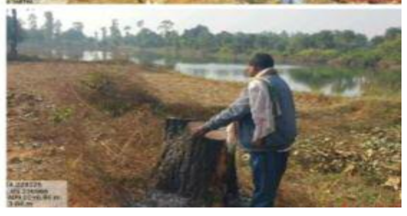

इसी क्रम में नामजद आरोपित हरवे-हथियार से लैस होकर वनकर्मियों पर टूट पड़े। अचानक हुए हमले में वनरक्षी किसी तरह जान बचाकर वहां से निकलने में सफल रहे। घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों तक पहुंचते ही हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के करीब पचास वनकर्मी घटनास्थल पहुंचे और तालाब में फेंके गए सभी बोटों को जब्त कर बरही रेंज कार्यालय ले गए।

इस मामले में पदमा ओपी में एक महिला सहित एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, वन अधिनियम के तहत वाद दर्ज करने की प्रक्रिया भी जारी है। यह जानकारी वन क्षेत्र पदाधिकारी कमलेश कुमार सिंह ने दी। मौके पर पदमा-बरही के प्रभारी वनपाल अमर आनंद सरस्वती समेत पूरी टीम मौजूद थी।

आदिवासी तिलका फुटबॉल एसोसिएशन कोलाबीरा 2026 - तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता व विराट टुसू मेला की घोषणा

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ,कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 04 दिसम्बर 2025: आदिवासी तिलका फुटबॉल एसोसिएशन कोलाबीरा द्वारा वर्ष 2026 में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता एवं विराट टुसू मेला के आयोजन की घोषणा की गई है। यह कार्यक्रम 31 जनवरी, 1 फरवरी एवं 2 फरवरी 2026 को आयोजित होगा।प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। आयोजकों ने बताया कि एंट्री फीस 65,000 रुपये निर्धारित की गई है।

फुटबॉल प्रतियोगिता के पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार: 7,00,000 एवं,ट्रॉफी,द्वितीय पुरस्कार: 5,00,000 एवं ट्रॉफी,तृतीय पुरस्कार: 2,50,000 एवं ट्रॉफी, चतुर्थ पुरस्कार: 2,50,000 एवं ट्रॉफी।फुटबॉल प्रतियोगिता के साथ-साथ टुसू मेला का भी आयोजन किया जाएगा।

टुसू मेला पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार: 51,000,द्वितीय पुरस्कार: 31,000,तृतीय पुरस्कार: 21,000.

इस जानकारी की पुष्टि मोहम्मद अख्तर हुसैन एवं रविंद्र मंडल ने की। बैठक में शक्तिपद सेनापति, मोहम्मद करीम, शिवनंदन किकू, शिशिर महतो, लक्ष्मण महतो, दुलाल दास, साधन महतो, गणेश लोहर, मुखिया घनश्याम हसदा, दुर्गा हो, भारत महतो, अनादी महतो, श्याम नंदन किस्कू, लक्ष्मण महतो सहित सभी एसोसिएशन सदस्यों की उपस्थिति रही।

नकली विदेशी शराब बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

- काफी दिनों से प्रखंड में सक्रिय है नकली विदेशी शराब बनाने वाला गिरोह
- उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में की गई छापेमारी।

राहुल कुमार गुप्ता, संवाददाता विष्णुगढ़, दैनिक समाज जागरण।

विष्णुगढ़ ।एनएच 522 स्थित विष्णुगढ़ के आठ माइल एवं बादीखरना में उत्पाद विभाग की छापामारी में विदेशी शराब का बड़ा खेप जब्त हुआ है ।बताया गया कि 2000 लीटर विदेशी शराब एवं इसका कच्चा माल स्प्रीट 4000 लीटर जब्त हुआ है ।यहां नकली शराब बनाने का गैरकानूनी कार्य किया जा रहा था ।मौके पर बोतल का ढक्कन, अंग्रेजी शराब के रैपर, पंचिंग मशीन भी जब्त किया गया है ।छापामारी दल का नेतृत्व रांची के उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार कर रहे थे ।छापामारी में हजारीबाग,गिरिडीह एवं रामगढ़ जिला उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर एवं बल शामिल थे ।मामले में किसी की गिरफ्तारी की खबर नहीं है ।इस अवैध धंधे का सरगना के तौर पर कृष्णा साव का नाम बताया जा रहा है।

बताया जाता है अवैध शराब के इस कारोबारी के नेटवर्क विष्णुगढ़ से बिहार तक है। इसके गोरखधंधे में कई साझेदार शामिल हैं। जिनका नाम सामने आना बाकी है ।शराब के अवैध कारोबारी दुस्साहसी भी है। लगातार एनएच 522 पर चहलकदमी बनी रहती है ।पर किसी को अवैध कारोबारियों की करतूतों की कानोकान खबर तक नहीं थी ।जाहिर है बेहद गोपनीय तरीके से संचालन कर रहे इस अवैध कारोबार के संरक्षक भी कई होंगे। जिसकी पैरोकारी पर बड़े पैमाने पर शराब बनाने का कार्य किया जा रहा था ।बताते है प्रखंड में नकली विदेशी शराब बनाने वाले गिरोह काफी दिनों से सक्रिय है।

आदित्यपुर के बाबा कुटी से 18 वर्षीय आर्यन कुमार चार दिनों से लापता, जांच में जुटी पुलिस

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हन झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 04 दिसम्बर 2025: सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर के आर आई टी थाना क्षेत्र के बाबा कुटी निवासी रंजीत कुमार सिंह का 18 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार विगत चार दिनों से लापता है। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की परंतु कोई सुराग नहीं मिल पाया। अंत में पिता रंजीत कुमार सिंह ने थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया।

परिवार वालों के अनुसार आर्यन कुमार 1 दिसंबर को ट्यूशन के लिए घर से निकला था, लेकिन आज तक वापस नहीं लौटा। उसके पास डेल कंपनी का एक टैब भी है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवार वालों का कहना है कि आर्यन कुमार का अचानक गायब होना चिंता का विषय। क्योंकि आर्यन कुमार अपने स्कूल जो की डी ए वी एन आई टी का छात्र है बहुत तेज और होनहार छात्र है। पुलिस घटना के सभी तरह के बिंदुओं पर जांच कर रही है और सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

ईचागढ़ के कुटाम में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक सविता महतो

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता, बिकाश

ईचागढ़: झारखंड विधानसभा सत्र के पूर्व रांची मे आयोजित विधायक दल की बैठक में शामिल होने जाने के क्रम में गुरुवार को ईचागढ़ प्रखंड के कुटाम में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के

रूप में विधायक सविता महतो शामिल हुए। इस दौरान विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया। विधायक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा की खिलाड़ी एकाग्रता के साथ खेल को खेलें निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, अमित सिन्हा, युगल किशोर महतो, विजय कृष्ण महतो, अनिल सिन्हा समेत काफी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम केस का निष्पादन को लेकर बैठक आयोजित

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

जमशेदपुर (झारखंड) 04 दिसम्बर 2025 : जमशेदपुर नेशनल लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम केस का निष्पादन करने को लेकर

एडीजे 1 श्री कनक पट्टदार एवं डालसा सचिव श्री धर्मेन्द्र कुमार ने इंश्योरेंस कंपनी के अधिवक्ता और एप्लीकेंट अधिवक्ताओं के साथ न्याय सदन के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक बैठक आयोजित किया। इस बैठक में निर्देश दिया गया कि आगामी 13 दिसंबर को होने वाले नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित क्लेम केसों का निपटारा किया जाए, ताकि दुर्घटना में पीड़ित लाभुकों को त्वरित और सुलभ न्याय मिल सके तथा पीड़ित परिवार को सम्मान जनक उचित मुआवजा भी दिलाया जा सके ।

मानगो नगर निगम में अव्यवस्थित जनसुविधाओं को लेकर जदयू ने उप नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण 04.12.2025 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर, मानगो जनता दल यूनाइटेड, पूर्वी सिंहभूम की ओर से आज पूर्वी एशियन जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव की अगुवाई में मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मानगो नगर निगम क्षेत्र में व्याप्त बुनियादी नागरिक सुविधाओं की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए त्वरित सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की गई।

जदयू नेताओं ने कहा कि मानगो क्षेत्र के नागरिक लंबे समय से खराब सड़कों, जाम नालियों, अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था, अनियमित कचरा उठाव और बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन नगर निगम द्वारा प्रभावी कार्रवाई अब तक नहीं की गई है।

ज्ञापन में मुख्य रूप से निम्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की गई—

1. सड़कों, नालों और नालियों की मरम्मत व निर्माण की वर्तमान स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना
2. खराब स्ट्रीट लाइटों के बदलने और नई स्ट्रीट लाइट लगाने की प्रक्रिया व समयसीमा
3. घर-घर कचरा उठाव की नियमितता, वाहन उपलब्धता और मॉनिटरिंग सिस्टम

4. सड़क किनारे जमा कचरे के नियमित उठाव व निष्पादन के लिए टीम व समय-सारणी
5. नगर निगम की जवाबदेही प्रणाली, निगरानी टीम और अधिकारियों की जिम्मेदारी
6. मानगो क्षेत्र के लिए आगामी एक वर्ष की विकास कार्ययोजना

पेयजल आपूर्ति योजना पर भी हुई विशेष चर्चा. जदयू नेताओं ने मानगो पेयजल आपूर्ति योजना की लगातार अव्यवस्थित स्थिति पर भी नगर आयुक्त से वार्ता की।

नगर आयुक्त ने बताया कि पेयजल परियोजना में पाई गई विसंगतियों को दूर करने के लिए सभी पाइपलाइनों का विस्तृत सर्वे बहुत जल्द प्रारंभ किया जाएगा। पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु नए मोटर पंप खरीदने की प्रक्रिया जारी है जल्द ही नई मोटर सेट लगाकर जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आवारा पशुओं पर जदयू की चिंता – निगम ने दिया आश्वासन जदयू नेताओं ने क्षेत्र में बढ़ते आवारा पशुओं से हो रहे खतरे की ओर भी नगर निगम का ध्यान आकर्षित किया। इस पर नगर आयुक्त ने कहा कि जिला स्तर पर एक विशेष कमेटी का गठन किया जा चुका है। बहुत जल्द पूरा सर्वे कर आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जदयू नेताओं ने कहा कि ये सभी मुद्दे सीधे आम नागरिकों की दैनिक समस्या से जुड़े हुए हैं, इसलिए नगर निगम को इन पर स्पष्ट, पारदर्शी और समयबद्ध कार्रवाई करनी ही होगी।

इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित थे –

जदयू जिला महामंत्री कुलविंदर सिंह पन्नू, प्रदेश युवा महासचिव पप्पू सिंह, कन्हैया ओझा, मृत्युंजय सिंह, आकाश शाह, पिंटू सिंह, विकास साहनी, निसार अहमद, संतोष भगत, अशोक सिंह, संजीव सिंह, विनोद सिंह, लालू गॉड, मनोज गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे.

शिलचर-दुल्लभछड़ा मार्ग पर डेमो ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग तेज, नागरिकों ने जीएम को भेजा स्मारक पत्र

श्रीभूमि संवाददाता, दैनिक समाज जागरण

श्रीभूमि। शिलचर-दुल्लभछड़ा रेलवे मार्ग पर डेमो ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों की पहल तेज हो गई है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा हस्ताक्षरित एक स्मारक पत्र गत 30 नवंबर को डाक के माध्यम से मालिगांव स्थित रेलवे महाप्रबंधक (GM) को भेजा गया।

स्मारक पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ देश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रेल संपर्क और यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। इसी कड़ी में शिलचर-दुल्लभछड़ा मार्ग पर डेमो ट्रेन सेवा शुरू होने से न केवल यात्रियों को सुलभ और कम लागत में यात्रा का विकल्प मिलेगा, बल्कि स्थानीय व्यापारियों को अपने उत्पादों के आयात-निर्यात में भी बड़ी सहूलियत मिलेगी। इससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और सरकार को कर राजस्व में वृद्धि होने की संभावना भी जताई गई है।

पूर्वी सिंहभूम में महिला सशक्तिकरण की पहल: एफपीओ की 78 महिलाओं को मिला डिजिटल पहचान

दैनिक समाज जागरण 04.12.2025 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की पहल पर महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में मुसाबनी प्रखंड के गोहला पंचायत में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से जुड़ी 78 महिला सदस्यों को डिजिटल क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया । एफपीओ में कुल 300 महिलाएं सदस्य हैं, जिनमें प्रथम चरण में 78 महिला उद्यमियों को क्यूआर कोड वितरित किए गए । क्यूआर कोड उपलब्ध कराए जाने का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उत्पाद बेचने की प्रक्रिया को अधिक सरल और डिजिटल बनाना है ताकि महिला उद्यमी सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ सकें और अपने उत्पादों की बेहतर कीमत प्राप्त कर सकें।

300 एकड़ क्षेत्र में होती है कॉमर्शियल खेती

गोहला पंचायत स्थित एफपीओ द्वारा लगभग 300 एकड़ भूमि पर व्यावसायिक खेती की जा रही है जिनमें सब्जियां और दलहन की खेती प्रमुख है। 300 एकड़ में गोभी, शिमला मिर्च, बिंस, गाजर, मूली, मटर समेत अरहर, मूंग सहित अन्य दालें और अन्य स्थानीय एवं मौसमी फसलें उत्पादित की जा रही हैं। इस उत्पादन व्यवस्था में महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो खेत प्रबंधन, प्रोसेसिंग तथा विपणन

गतिविधियों को दक्षता से संचालित कर रही हैं ।

गोहला पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी ने महिला उद्यमियों की प्रगति की सराहना की तथा अन्य जरूरी सहयोग प्रदान करने को लेकर भी आश्वस्त किया । उपायुक्त ने संबंधित विभागों को एफपीओ क्षेत्र में दाल मिल स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। दाल मिल की स्थापना से न केवल दलहन उत्पादन में वृद्धि होगी बल्कि स्थानीय महिलाओं के लिए प्रोसेसिंग, पैकिंग और विपणन के नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे।

वहीं, उपायुक्त द्वारा 30 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज को ग्राम संगठन को हस्तांरित करने की बात कही गई ताकि संगठन द्वारा इसका समुचित उपयोग कर किसानों को बेहतर भंडारण सुविधा प्रदान की जा सके। इससे सब्जियों एवं अन्य उत्पादों का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित किया जा सकेगा जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

महिला उद्यमियों को डिजिटल, बाजार और वित्तीय कौशल से जोड़ने की रणनीति

जिला प्रशासन की ओर से महिला किसानों और उद्यमियों को डिजिटल पेमेंट एवं ईझमार्केटिंग, उत्पादों की ब्रांडिंग व पैकेजिंग, मूल्य संवर्धन (Value Addition), वित्तीय साक्षरता एवं उद्यम प्रबंधन से संबंधित जरूरी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं सशक्त हो रही हैं और जिला प्रशासन की ओर से हर संभव तकनीकी एवं बाजार आधारित सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इसे ग्राम स्तर पर उद्यमिता विकास (Village Level Entrepreneurship) की दिशा में एक सशक्त कदम बताया। उपायुक्त ने विश्वास व्यक्त किया कि गोहला पंचायत में चल रही कृषि आधारित पहलों से न केवल स्थानीय आजीविका मजबूत होगी बल्कि महिला स्वावलंबन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी ।

जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव-2025

- जिला परिषद के लिए अब तक कुल 55 नामांकन पत्र दाखिल और ब्लॉक समिति के लिए यह संख्या 339 : डी. सी. पूनमदीप कौर

(रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब)

जैतो,4 दिसंबर :राज्य चुनाव आयोग द्वारा जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार, फरीदकोट जिला परिषद और पंचायत समिति के उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 1 दिसंबर से 4 दिसंबर तक संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालय में पूरी हो गई है। आज आखिरी दिन, जिला परिषद के लिए 47 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए, जबकि जिले की तीनों ब्लॉक समितियों के लिए कुल 273 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इसी तरह, अब तक जिला परिषद के लिए कुल 55 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जबकि ब्लॉक समिति के लिए कुल 339 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं।

जिला चुनाव अधिकारी-सह-उपायुक्त मैडम पूनमदीप कौर ने बताया कि जिले में जिला परिषद के लिए कुल 10 जोन हैं, जबकि पंचायत समिति के लिए कुल 65 जोन हैं। जिनमें से पंचायत समिति फरीदकोट के लिए 21 जोन, पंचायत समिति कोटकपूरा के लिए 19 जोन और पंचायत समिति जैतो के लिए 25 जोन बनाए गए हैं। जिसमें जिले के कुल 241 गांव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन चुनावों के लिए कुल मतदान केंद्रों की संख्या 244 है, जबकि मतदान बूथों की संख्या 414 है। इन चुनावों में 3,34,547 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें से 1,75,244 पुरुष और 1,59,298 महिलाएं हैं, जबकि 5 तीसरे लिंग के मतदाता हैं।

जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच 05 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 06 दिसंबर 2025 (शनिवार) दोपहर 03.00 बजे तक होगी। उन्होंने कहा कि ये चुनाव 14 दिसंबर 2025 (रविवार) को सुबह 08.00 बजे से शाम 04.00 बजे तक बैलेट पेपर से होंगे। डाले गए वोटों की गिनती 17 दिसंबर 2025 (बुधवार) को इस काम के लिए बनाए गए काउंटिंग सेंटरों पर होगी। उन्होंने कहा कि ज़िला प्रशासन इन चुनावों को पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से करवाएगा। उन्होंने ज़िले के सभी निवासियों से इस काम में सहयोग करने की अपील की।

'काशी तमिल संगमम 4.0' में केंद्रीय संचार ब्यूरो की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

समाज जागरण

वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित 'काशी तमिल संगमम्-4.0' में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रदर्शनी के तीसरे दिन आज हजारों की संख्या में स्कूलों से आये हुए छात्र - छात्राओं, तमिलनाडु से आए हुए डेलिगेट्स तथा स्थानीय लोगों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। तमिलनाडु से काशी तमिल संगमम् में आये हुए डेलिगेट्स द्वारा प्रदर्शनी की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि इस चित्र प्रदर्शनी में काशी और तमिलनाडु की महान विभूतियों का अद्भुत संगम है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा प्रदर्शनी देखने आये हुए स्कूलों के छात्र - छात्राओं के बीच चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता छात्र - छात्राओं को पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने वाले 'काशी तमिल संगमम्' के इस चतुर्थ संस्करण में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु एवं काशी की महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं उनकी उपलब्धियां को दशार्या गया है। चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु की महान विभूतियों जैसे ऋषि अगस्त्य, तमिल महिला कवि संत अव्वैयार, तमिल कवि संत तिरुवल्लुवर, कवयित्री और संत कारैकल अम्माइयार, भक्ति आंदोलन की कवि एवं संत अंडाल (कोधाई), थिरूनावुक्कारसर, तमिल कवि और समाज सुधारक श्री रामलिंग स्वामी (वल्लालर), तमिल विद्वान यू. वी. स्वामीनाथ अय्यर, अग्रणी समाज सुधारक, चिकित्सक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, ब्रिटिश भारत में पहली महिला विधायक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी, गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन, अविष्कारक और उद्योगपति जी.डी. नायडू, खगोलशास्त्री सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, नोवेल पुरस्कार विजेता वेंकटरामन रामकृष्णन, स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, नोबेल पुरस्कार विजेता एवं महान वैज्ञानिक चंदशेखर वेंकट रमन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सुप्रसिद्ध राजनेता एवं भारत रत्न के. कामराज, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध राजनेता चिदंबरम सुब्रमण्यम, महान अभिनेता एवं राजनेता एम. जी. रामचंद्रन इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों एवं शब्दों में दशार्या गया है।

इसी प्रकार काशी की महान विभूतियां जैसे - संत कबीरदास, संत रविदास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शिक्षाविद पंडित मदन मोहन मालवीय, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खान, विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पंडित रविशंकर, महान साहित्यकार जयशंकर प्रसाद इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों शब्दों के माध्यम से दशार्या गया है।

चित्र प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किये जा रहे सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों, प्रयासों एवं योजनाओं को भी दशार्या गया है। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा हाल में श्रम सुधार के लिए बनाये गये कानूनो, विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी के दरों को कम करने के लिये किए गये प्रयासों की जानकारी दर्शकों और जनसामान्य के लिए प्रदर्शित की गई है। चित्र प्रदर्शनी को डिजिटल रूप में भी प्रदर्शित किया गया है, जिसमें काशी तमिल संगमम के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ केंद्र सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धियों, जीएसटी के दरों में की गई कमी, नये श्रम संहिता के बारे में भी लोगों को जानकारी प्रदान की जा रही है। प्रदर्शनी का प्रचार प्रसार वाराणसी शहर में आ.ई.सी. वैन के माध्यम से भी किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 15 दिसंबर तक निरंतर रहेगी।

लोहारू क्षेत्र में किसानों के लिए यूरिया आदि उर्वरकों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी: पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल

- जेपी दलाल बोले,,यूरिया, डीएपी आदि के लिए मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्रियों से हुई है बात, उन्होंने दिया है कमी न रहने का आश्वाशन

- गांव गरवा में 100 करोड रुपए की लागत से बनने वाले मछली पालन एवं अनुसंधान केंद्र का जल्द होगा शिलान्यास : पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल

समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 04 दिसम्बर। प्रदेश के पूर्व कृषि एवं वित्त मंत्री जेपी दलाल ने बुधवार को सिवानी, गुरेरा, सुरपुरा कलां, बहल, चहड खुर्द, बुढेडा, बारवास आदि गांवो का दौरा कर शादी समारोह तथा अन्य कार्यक्रमो में शामिल हुए।

अपने जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों से मिलते हुए पूर्व कृषि मंत्री ने कहा कि लोहारू क्षेत्र में किसानों के लिए यूरिया आदि उर्वरकों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्रियों से बात हुई है, उन्होंने आश्वाशन दिया है कि कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर विधानसभा क्षेत्र में विकास परियोजनाओं को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोहारू का लघु सचिवालय का विस्तार और लोहारू के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जारी है।शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलकर विकास के लिए करोड़ों रुपए मंजूर करवाए जाएंगे।

करोड़ों की लागत से लोहारू के किले को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। निर्माण कार्य प्रगति पर है। गत दिनों उन्होंने किले का निरीक्षण भी किया था। गांव गरवा में 100 करोड रुपए की लागत से मछली पालन एवं अनुसंधान केंद्र का निर्माण करवाया जाएगा ताकि भिवानी जिला सहित आसपास जिलों में मछली पालन को बढ़ावा मिले और मछली पालक किसानों को करोड़ों रुपए की आमदनी हो सके। उन्होंने कहा कि आज भिवानी जिले के झिंगा अमेरिका सहित विकसित देशों में निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने लोहारू हलके के सर्वांगीण विकास के लिए जो संकल्प किया है उसे पूरा किया जाएगा। लोहारू से दिल्ली एयरपोर्ट तक बंद हाईवे का निर्माण, बहल,लोहारू तथा सिवानी में औद्योगिक इकाई स्थापित करवाने और विधानसभा क्षेत्र के किसानों के खेतों में खजूर की खेती करवाने आदि के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार किसान और गरीब के हितों की रक्षा के लिए प्रयासरत है।इसलिए किसान और गरीब के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। गरीब व किसान परिवारों को घर बैठे सरकार की योजनाओं का फायदा दिया जा रहा है। युवाओं के रोजगार के लिए सरकार युवाओं के रोजगार के लिए कार्य कर रही है। सरकार बिन खर्ची और पर्ची के योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरी दे रही है। हाईवे का निर्माण, रेलवे आरओबी तथा पुलों का निर्माण आदि आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है। ताकि देश की अर्थव्यवस्था का सुधार हो।आज भारत और उसकी अर्थव्यवस्था विकसित और आत्मनिर्भर की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारतवर्ष को विकसित देशों की श्रेणी में करने का कदम उठाया है हम सबको उसमें सहयोग देना चाहिए।

इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फिट इंडिया मुहिम के तहत भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र के 9 हल्कों में 7 हजार के लगभग खिलाड़ी ले रहे खेल में हिस्सा : सांसद धर्मबीर सिंह

- प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई फिट इंडिया मुहिम युवाओं को ना केवल फिट रही, बल्कि देश की प्रगति में भी निभा रही भूमिका : सांसद

- दिव्यांग खिलाड़ी किन्ही भी मायनों में कम नहीं है: सांसद

- सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा : दिव्यांगजन आज वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर सहित खेलों में भी निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

दैनिक समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 04 दिसंबर । भिवानी-महेंद्रगढ़ से सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई फिट इंडिया मुहिम के तहत शहर, गांव, स्कूल, विश्वविद्यालय, स्टेडियम हर जगह युवा कोई ना कोई खेल अवश्य खेलते है। इस मुहिम से ना केवल हम फिट व स्वस्थ रह पाते है, बल्कि इससे देश की उन्नति भी होती है। अब तक सांसद खेल उत्सव कार्यक्रम के तहत भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र के 9 विधानसभा के विभिन्न खेल आयोजन में 7 हजार के लगभग खिलाड़ी भाग ले सकें है। यह बात सांसद धर्मबीर सिंह ने सांसद खेल उत्सव के तहत फिजिकल चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भारत-नेपाल यूनिटी दिव्यांग क्रिकेट कप के दूसरे दिन के खेलों में भाग लेने के दौरान अपने संबोधन में कही। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि दिव्यांग किन्ही भी मायनों में कम नहीं है। आज वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर व अन्य क्षेत्रों में दिव्यांग आम व्यक्तियों से अधिक कार्य करते हुए नजर आते है तथा सिस्टम का हिस्सा बनकर दिव्यांगजन देश व राष्ट्र की प्रगति को आगे बढ़ाते हुए नजर आते है। यह सब दिव्यांगों के हौसले व समाज के सहयोग पर निर्भर करता है।

इस अवसर पर सानिध्य श्री महंत डॉक्टर अशोक गिरी महाराज का रहा। दूसरे की अध्यक्षता भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ ने की और कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी से कम नहीं हैं, देश और दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं।

प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए नेपाल की दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन सुल्टिम शेरपा व पीसीसी ए आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय सीरिज दिव्यांग खिलाडियों के लिए बेहतरीन अवसर है। इस तीन दिवसीय श्रृंखला के माध्यम से भारत व नेपाल के दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को खेल के साथ ही अपने सुख-दुख बांटने का अवसर मिला है तथा खेल की भावना का विस्तार करने का मौका भी मिला है। वही खिलाड़ी नदीम, तुषार, लक्की व अविनाश शर्मा ने बताया कि फिजिकल चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीसीसीएआई) द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय सीरिज में खेलकर उन्हे काफी बेहतरीन लग रहा है। यहां पर खिलाडियों के लिए मैदान की समुचित व्यवस्था की गई है तथा दिव्यांग खिलाडिड्डों का प्रोत्साहन भी अच्छा किया जा रहा है। इस मौके पर सांसद धर्मबीर सिंह ने दोनों देशों के खिलाडियों से बातचीत कर उनसे दिव्यांग क्रिकेट के बारे में जानकारी ली। वही भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ भी प्रतियोगिता के दूसरे दिन मौजूद रहे। इस अवसर पर विवेकानंद हाई स्कूल की छात्रा आरोही भारद्वाज ने सांस्कृतिक लोकगीत पर नृत्य प्रस्तुति देकर दोनों देशों की टीमों का अभिनन्दन किया।

भारत नेपाल यूनिटी दिव्यांग क्रिकेट कप के प्रवक्ता अशोक कुमार भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि भिवानी के जी लिट्रा क्रिकेट ग्राऊंड में आयोजित भारत-नेपाल दिव्यांग यूनिटी क्रिकेट कप के दूसरे दिन भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए नेपाल के सामने 160 रन का टारगेट रखा। वही पहले दिन के 20-20 मैच में भारत ने बैटिंग रखते हुए नेपाल के सामने 206 रन का लक्ष्य रखा था। जिसका पीछा करते हुए नेपाल की टीम 110 रनों पर ऑल आऊट हो गई। भारत ने 95 रनों से इस सीरिज के प्रथम मैच में जीत दर्ज की। आज दूसरे दिन के मुकाबले में भारत ने टॉस जीते हुए पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और इस दौरान भारत ने 20 ओवर में 160 रनों का टारगेट नेपाल को दिया। जिसमें जम्मू कश्मीर के नदीम ने लगातार बोल पर छक्कों को बौछार की। जिसको नेपाल टीम इस टारगेट को लांघ नहीं पाई और 91रन पर ऑल आउट हो गई, जिसके चलते मैन ऑफ द मैच इंडिया टीम से जम्मू कश्मीर के खिलाड़ी नदीम को दिया गया।

इस अवसर पर श्री महंत डॉक्टर अशोक गिरी महाराज का सानिध्य रहा। इस अवसर आर एस एस से सत्यनारायण मित्तल, रामचंद्र मित्तल, डिफरेंटली एबल्ड इन क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के अध्यक्ष एस एस मान , समाजसेवी नन्द किशोर अग्रवाल,अमन सर्राफ, निदेशक दिव्या सर्राफ, महा सचिव राजकुमार सुनसुना, डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन हैदराबाद चेयरमैन सुरेंद्र अग्रवाल, समाजसेवी दीपक तोला, निदेशक सावित्री यादव, पंडित बसंत शर्मा, पूर्व प्रधान एडवोकेट कपिल शर्मा, ट्रेजरार सुनील अधिवक्ता, उपाध्यक्ष मुकेश छपारिया, चीफ पैटर्न गोवर्धन आचार्य, उप प्रधान लक्ष्मण गौड़, सुरेंद्र खटक , उत्तर प्रदेश से कॉमेंटेटर अभिषेक तिवारी, शुभम शर्मा इंडिया टीम मनेजर , राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, अविनाश शर्मा, एडवोकेट सुनील पंवार, एडवोकेट संजय अग्रवाल , राजेश सोनी कोच, एम्पायर संजय सैनी, जयप्रकाश सैनी , राजेश बिष्ट, सामाजिक कार्यकर्ता अंजू शर्मा,आरोही भारद्वाज, नव्या भारद्वाज,ओमवीर कौशिक मनस्वी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संत बाबा किशनदास जी बरसी पर संगतों का जताया आभार - बाबा जमना दास

समाज जागरण

कालांवाली 04 दिसम्बर 2025 (सुरेश जोरासिया) श्री श्री 108 संत बाबा किशन दास महाराज जी की 50वीं बरसी एंव संतों की बरसी श्रद्धा भावना के साथ मनाई गई। डेरा बाबा संत किशनदास दुनेवाला के प्रमुख संत जमना दास जी की अगुवाई में बरसी सम्मेलन के सहयोग से करवाया गया। धन धन

श्रीगुरू ग्रंथ साहिब कि छतरछाया में संत सम्मेलन में 161 श्री अखंड़ पाठ अगस्त 2025 को प्रकाश किया गया एवं 161 श्री अखंड़ पाठों की लड़ी का भोग डाला जाऐगा। इस महान इस संत सम्मेलन में विभिन्न डेरों के संत महापुरूषों ने पहुंचकर अपनी हाजरी लगाई। रात्रि दिन में प्रमुख कथा वाचक संदीप उदनवाल एवं दिन रविवार को महान कथा वाचक बाबा गुलाब सिंह चमकौर साहिब वालों ने कीर्तन के द्वारा संगतों का निहाल किया। गुरू जी का लंगर अटूट बरताया जाऐगा। इस संत सम्मेलन में बाबा जमनदास जी ने सभी संतों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संत भीमदास,संत ज्ञानदास, बाबा गोरखपुरी तारूआना, संत गोपी दास, संत रेशम मुनी, संत तारा दासजी, संत बुधमनी, संत दर्शन दासजी मलकीत गिरी दादू, सिकंदर गिरी कलाल वाला आदि संत मौजुद रहे।

भाखड़ा नहर में छोड़ा गया पानी, शहरवासीयों को पानी कि किल्लत से मिली राहत

समाज जागरण

कालांवाली 04 दिसम्बर 2025 (सुरेश जोरासिया) भाखड़ा नहर की खस्ता हालत बनी हुई थी। विभाग के द्वारा भाखड़ा नहर की मुरम्मत कार्य को करने के लिए भाखड़ा नहर में पानी की स्पालाई को बंद किया गया जिसके चलते कालांवाली शहर व गांव एवं अन्य गांवों को पानी को लेकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग के द्वारा निर्देश जारी किए गऐ कि नहर के मुरममत काब कार्य पुरा होने पर पुनः पानी छोड़ा जाऐगा। पानी कि किल्लत से आमजन के रोजमर्रा के कार्य बाधित

हुऐ। एक किसान ने बताया कि गेंहू कि फसल के लिए नहरी पानी कि अति जरूरी था। भाखड़ा नहर में पानी छोड़े जाने से किसानों के चेहर खिल गऐ एवं आमजन को राहत मिली।

देश भर के छोटे किसानों को मिलें ज्यादा से ज्यादा लाभ, उनकी आय भी बढ़े- कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख

नई दिल्ली ,4 दिसम्बर :केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज कृषि भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के निदेशक मंडल की 33वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित थे।फ्लैगशिप कार्यक्रमों की समीक्षा और रणनीति निर्धारण- बैठक में श्री शिवराज सिंह चौहान ने एन एचपी की योजनाओं की समीक्षा की। विशेष रूप से वाणिज्यिक बागवानी विकास योजनाएं, कोल्ड-चेन अवसंरचना परियोजनाएं, क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीडीपी)- क्षेत्र-विशिष्ट बागवानी क्लस्टरों के माध्यम से उत्पादकता और बाजार जुड़ाव को बढ़ाने की नई पहल, क्लीन प्लांट कार्यक्रम-उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए रोग-मुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराने के बारे में चर्चा हुई।केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और किसान-केंद्रित हो तथा किसानों को सब्सिडी भी समय पर दी जाएं, इस संबंध में कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने किसानों के हित में, जल्दी खराब होने वाले बागवानी उत्पादों के संबंध में विशेष रणनीति बनाने पर जोर दिया, ताकि इनकी सेल्फ लाइफ बढ़े, किसानों को नुकसान नहीं हो और नुकसान से बचने के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जाएं।एनएचबी की भूमिका सुदृढ़ करने के लिए मार्गदर्शन- बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बागवानी क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु कई रणनीतिक सुझाव दिए।

उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, फसलोत्तर प्रबंधन, उत्पादकता वृद्धि पर विशेष ध्यान देने को कहा। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि पूरे समन्वय के साथ किसानों को बाजार, कोल्ड-चेन नेटवर्क और मूल्य संवर्धन के अवसरों से जोड़ने वाली व्यवस्था को सुदृढ़ करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों के फायदे के लिए एनएचबी राज्यवार, क्षेत्रवार रोडमैप बनाकर पूरी ताकत से श्रेष्ठ कार्य करें।तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा तैयार गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस, जैविक खेती मॉडल और उन्नत बागवानी तकनीकों पर आधारित तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन किया। ये संसाधन किसानों, उद्यमियों व कृषि विशेषज्ञों के लिए एक उपयोगी संदर्भ सामग्री सिद्ध होंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट सहित कृषि, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बागवानी उद्योग से जुड़े गैर-आधिकारिक सदस्य उपस्थित रहे। इस व्यापक प्रतिनिधित्व से बैठक में क्षेत्रीय दृष्टिकोण व सहभागी संवाद को बल मिला। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है, जो देशभर में वाणिज्यिक बागवानी और कोल्ड-चेन अवसंरचना के सुदृढ़ विकास के लिए कार्यरत है।

मजीठिया की जमानत अर्जी हाई कोर्ट ने खारिज की

(रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब)

फरीदकोट, 4 दिसंबर:आज पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 15 दिन तक चली सुनवाई के बाद, आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में बिक्रमजीत सिंह मजीठिया की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

माननीय कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए, आम आदमी पार्टी फरीदकोट के मीडिया इंचार्ज जगजीत सिंह जग्गी गिल ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि 2007-2017 के अकाली-बीजेपी शासन के दौरान, मजीठिया ने अपने विदेशी

मेहमानों का स्वागत किया, और साथ मिलकर उन्होंने ड्रग्स के धंधे से कमाए गए पैसे को सफेद करने के लिए फर्जी कंपनियाँ बनाईं, और जाँच के दौरान विजिलेंस ने करोड़ों रुपये की आय का पता लगाया है। पंजाब सरकार की ओर से AG ऑफिस ने कोर्ट में दलील दी कि अगर मजीठिया को जमानत मिलती है, तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद पंजाब के लोगों को न्याय की उम्मीद जगी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके साथ फरीदकोट मीडिया टीम से मीडिया सेक्रेटरी मिंटू गिल, मीडिया एरिया कोऑर्डिनेटर प्रीतम सिंह भाना, यादविंदर सिंह, लखविंदर सिंह मौजूद थे।वाइस मीडिया कोऑर्डिनेटर इंदरवीर सिंह सेखो, रणधीर सिंह ढिल्लों और सिमरनजीत सिंह भी मौजूद थे।

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) में एक-दिवसीय कार्यशाला में साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता पर मंथन

समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी 04 दिसंबर । चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषाएँ विभाग, स्वर्णजयन्ती यूनिवर्सिटी कॉलेज तथा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भिवानी के संयुक्त तत्त्वावधान में आज एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं विद्वानों ने साहित्य की निरंतर बनी रहने वाली प्रासंगिकता पर गहन विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसे स्वर्णजयन्ती यूनिवर्सिटी कॉलेज के डीन एवं निदेशक तथा कार्यशाला के संयोजक डॉ. विपिन जैन ने प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी विशिष्ट वक्ताओं का विद्वत्तापूर्ण परिचय कराया और ऐसे अकादमिक सहयोगों के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर भीम सिंह दहिया ने साहित्य के मानवीयकरण प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि साहित्य जहाँ एक ओर व्यक्ति की संवेदनशीलता को समृद्ध करता है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और ऐतिहासिक चेतना का महत्वपूर्ण भंडार भी है। प्रोफेसर दहिया ने अपने दीर्घ अध्यापन अनुभव से उपजे कई विचार साझा किए, जो प्रतिभागियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुए।

दूसरी वक्ता, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद की कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने कार्यशाला की थीम पर आधारित पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने भाषाई शुद्धता की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि परिमार्जित भाषा न केवल संप्रेषण को सशक्त बनाती है, बल्कि आलोचनात्मक चिंतन को भी नया आयाम प्रदान करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रोफेसर दीप्ति धमाणी ने दोनों प्रमुख वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और साहित्य अध्ययन की सतत प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रोफेसर दहिया ने अंग्रेजी विभाग पुस्तकालय के लिए 5,000 पुस्तकों का उदारतापूर्वक योगदान दिया है, जिसे अकादमिक समुदाय द्वारा अत्यंत प्रशंसा के साथ स्वीकार किया गया।

कार्यवाही का समापन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भिवानी के प्राचार्य प्रोफेसर अदम्य वीर द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। कार्यशाला का संयोजन डॉ. अंशु ने कुशलतापूर्वक संचालित किया।

कार्यक्रम में डॉ. स्नेह लता शर्मा (कार्यशाला समन्वयक), प्रोफेसर वेद प्रकाश छाबड़ा, डॉ. प्रमोद मलिक (अध्यक्ष, विधि विभाग), डॉ. रचना, डॉ. अभिषेक, डॉ. सुरबिंदर, नरेश,राकेश एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

पंजाब में 2 आई.पी.एस.व 2 पी.पी.एस.अधिकारियों के तबादले

(रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब)

चंडीगढ़/जैतो ,4 दिसम्बर :आज पंजाब सरकार ने तत्काल प्रभाव से चार पुलिस अधिकारियों (दो आईपीएस और दो पीपीएस अधिकारी) के तबादले किए हैं। इन अधिकारियों की सूची और उनकी नई पदस्थापनाएँ इस प्रकार हैं। पंजाब के गृह विभाग के एडिशनल चीफ सैक्रेटरी अलोक शेखर के अनुसार कौस्तुभ शर्मा (आईपीएस, आर.आर:2001)को (एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स),पंजाब, एस.ए.एस नगर के पद पर तैनात किया गया है। वह हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मिशन से लौटे हैं।आशीष चौधरी (आईपीएस आर.आर:2003) उन्हें (इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) काउंटर इंटेलिजेंस, पंजाब एस.ए.एस. नगर के पद पर नियुक्त किया गया है। वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आए हैं।वरिंदर सिंह बराड़ (पीपीएस) उन्हें सतर्कता ब्यूरो पंजाब में तैनात किया गया है।

जगत प्रीत सिंह (पीपीएस) उन्हें भी सतर्कता ब्यूरो, पंजाब में तैनात किया गया है। यह आदेश प्रशासनिक आधार पर सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से जारी किया गया है,और संबंधित अधिकारियों को तुरंत अपना नया कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है।

माता अमर कौर चैरिटेबल अस्पताल जैतो में फ्री आई कैंप लगाया गया

फ्री आई कैंप में 650 मरीजों को फायदा हुआ

(पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब)

जैतो, 4 दिसंबर (रघुनंदन पराशर) - उत्तर क्षेत्रीय राज्यों की जानकारी समाज सेवी संस्था माता अमर कौर विवेक चैरिटेबल सोसाइटी जैतो (संत जलाल वालों का आई अस्पताल जैतो) में संस्था के मुख्य संस्थापक व देश -विदेश के प्रख्यात ब्रह्मलीन संत करनैल दास जी जलाल वाले की याद में, पुण्यतिथि पर मुख्य संरक्षक स्वामी ब्रह्म मुनि शास्त्री जी की लीडरशिप में लोकल अस्पताल, चैना रोड में फ्री आई कैंप लगाया गया। कैंप का उद्घाटन जाने वाले संत ऋषि राम जी और पूजनीय माता रजनी देवी ने मिलकर रिबन काटकर किया। इस मौके पर स्वामी ब्रह्म मुनि जी ने कहा कि इस भौतिकवादी युग में समाज सेवा की भावना रखने वाला इंसान तारीफ के काबिल है। उन्होंने सभी डोनर्स का शुक्रिया अदा किया और मरीजों की अच्छी सेहत की कामना की। कैंप के दौरान जाने -माने संत ऋषि राम

जी प्रेसिडेंट माता अमर कौर विवेक चैरिटेबल सोसायटी जैतो ने बताया कि कैंप में आंखों की बीमारी के एक्सपर्ट डॉ. दीपक अरोड़ा, डॉ. मोनिका बालियान और डॉ. भूपिंदर पाल कौर ने करीब 650 मरीजों की जांच की और 325 मरीजों को फ्री सर्जरी के लिए चुना गया और जांच के बाद मरीजों को संस्था की तरफ से फ्री दवाइयां दी गईं। सोसायटी की तरफ से मरीजों के रहने और लंगर का फ्री इंतजाम किया गया। एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट बैंक के रिटायर्ड मैनेजर मेजर सिंह गोंदरा रामूवाला ने कैंप की रूप रेखा तैयार की। इस मौके पर पूजनीय माता रजनी देवी विवेक आश्रम जैतो, अजायब कौर रौंता, हैड ग्रंथी राम सिंह, डी. सी. सिंह, डॉ. मक्खन सिंह करीरवाली, मेजर सिंह गोंदारा, जसविंदर सिंह पटवारी, सुरजीत सिंह अरोड़ा रोडीकपूरा, लेखक व पत्रकार सतविंदर सिंह अंगरोइया, जगदीश सिंह, बाली सिंह, मनी सिंह, बिंदर पाल जैतो, तेजिंदर सिंह बराड़, जगमीत सिंह मल्लन, हरप्रीत सिंह, अमनदीप सिंह जिगरी, सुखविंदर सिंह सुखा, गुरपीत सिंह बाजाखाना, मैडम सुमन, मैडम सुषमा, मैडम करमजीत कौर, मैडम जसवीर कौर और दूसरे लोग मौजूद थे।कैंप का उद्घाटन करते संत ऋषि राम, माता रजनी देवी।

भाजपा सांसद कंगना रनौत के मामले की सुनवाई 15 दिसंबर तक टली

(मन्नू पराशर दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख)

जैतो, 4 दिसंबर : किसान आंदोलन के दौरान फिल्म एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा बुजुर्ग महिला महिंदर कौर के खिलाफ की गई टिप्पणियों से जुड़े मामले में, महिंदर कौर और गवाह गुरप्रीत सिंह आज गुरुवार को कोर्ट में पेश हुए। उनके बयान कोर्ट में दर्ज किए गए। कंगना के वकील ने निजी तौर पर पेशी से छूट के लिए एक अर्जी दी। इस मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। इस बीच, महिंदर कौर ने कहा कि वह किसान आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ की गई टिप्पणियों के लिए भाजपा सांसद कंगना रनौत को किसी भी हालत में माफ नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में कोर्ट में आखिरदम तक लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें अदालत पर पूरा भरोसा है कि उन्हें इंसाफ मिलेगा।

बरकंदी डाइट में स्टूडेंट्स को रोड सेफ्टी नियमों के बारे में जागरूक किया

दैनिक समाज जागरण

श्री मुक्तसर साहिब, 4 दिसंबर (मन्नू पराशर जैतो): जिले के गांव बरकंदी में स्थित डाइट में प्रिंसिपल संजीव कुमार की लीडरशिप में एक अवेयरनेस सेमिनार लगाया गया। जिसमें स्टूडेंट्स को रोड सेफ्टी नियमों के बारे में

जागरूक किया गया। सेमिनार के दौरान स्पीकर्स ने स्टूडेंट्स को गाड़ी चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद राजकुमार भटेजा मेलू ने अपनी एजेंसी अमरसन ऑटोस हीरो मोटोकॉप की 30वीं एनिवर्सरी के मौके पर डाइट स्टूडेंट्स को हेलमेट बांटे ताकि स्टूडेंट्स टू-व्हीलर्स पर सेफ सफर कर सकें। डाइट प्रिंसिपल संजीव कुमार ने राजकुमार भटेजा की इस पहल की तारीफ की। राजकुमार भटेजा को डाइट प्रबंधकों ने सम्मानित भी किया।

काशी सांसद बालकवि सम्मेलन हुआ आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। काशी सांसद बालकवि सम्मेलन 2025, पूर्व माध्यमिक विद्यालय ठटरा सेवापुरी वाराणसी में गुरुवार को आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 8 तथा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुनील बिन्द ग्राम प्रधान और खंड विकास अधिकारी

सेवापुरी राजेश कुमार सिंह रहे इस अवसर पर समस्त 12 विधाओं पर कविता पाठ का संचालन किया गया जिसमें कंपोजिट विद्यालय पूरे, कंपोजिट विद्यालय चित्रसेनपुर,पूर्व माध्यमिक विद्यालय ठटरा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिहडा , प्रोजेक्ट माला गुड़िया और कंपोजिट विद्यालय गुड़िया के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर आलोक त्रिपाठी द्वारा किया गया। कवि सम्मेलन में विजेताओं मे खुशी दुबे ,प्रिंस पाल, आकाश ,निधि, योगिता, विनय मौर्य इत्यादि छात्र रहे। निर्णायक मंडल में प्राथमिक विद्यालय ठटरा प्रथम से श्रीमती कल्पना सिंह तथा कंपोजिट विद्यालय पूरे से विनोद कुमार वर्मा रहे समापन चंद्रबली पटेल प्रधान अध्यापक द्वारा किया गया।

बिजली बिल राहत कैंप का आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। सेवापुरी विकासखंड के पम्पापुर में गुरुवार को बिजली बिल राहत योजना के तहत एक शिविर का आयोजन किया गया। बिजली विभाग द्वारा लगाए गए इस शिविर में उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।शिविर के संबंध में एसडीओ राहुल यादव ने

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस विशेष आयोजन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना है।राहुल यादव ने स्पष्ट किया कि बिल में त्रुटि, दोहरे कनेक्शन, रीडिंग संबंधी समस्याओं और योजना से संबंधित शिकायतों का तत्काल निवारण किया जा रहा है।बहरा निवासी त्रिभुवन ने शिविर में अपनी समस्या बताई, जिसके तत्काल निस्तारण का आश्वासन दिया गया।उधर मनियारीपुर फीडर से जुड़े बरेमा गांव में भी बिजली राहत शिविर का आयोजन किया गया। अवर अभियंता कृष्ण कुमार मौर्य ने बताया कैम्प में कुल लगभग 5 लाख का राजस्व आय हुआ।जिसमे कुल 50 लोगों ने ओटीएस करवाया।

ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की हुई मौत

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के कुसियरा गांव में बुधवार की देर शाम ट्रैक्टर क्लटिवेटर से खेत की जोताई करने के लिए जा रहे ट्रैक्टर चालक की ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर के नीचे दबने से ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई ट्रैक्टर चालक के परिजनों में पुलिस को सूचना दिए चालक के शव का दाह संस्कार कर दिया ट्रैक्टर चालक की मौत होने से परिजनों में कोहराम मच गया है थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव निवासी छोटे कोल का 32 वर्षीय पुत्र बंकराज कोल ट्रैक्टर कलटिवेटर से खेत की जोताई करने के लिए जा रहा था की ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से ट्रैक्टर चालक की ट्रैक्टर के नीचे दब कर मौत हो गई मौके पर पहुँचे ट्रैक्टर चालक के परिजनों द्वारा ट्रैक्टर चालक के शव को घर लाकर शव का पुलिस को बिना सूचना दिए शव का दाह संस्कार कर दिया है मृत चालक के मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया है मृत ट्रैक्टर चालक को तीन पुत्र है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने घटना से अनभिज्ञता जाहिर किया है

बाइक के धक्के से विद्यालय जा रही छात्रा जख्मी राजगढ़ अस्पताल में चल रहा इलाज

समाज जागरण

राजगढ़,मीरजापुर /विद्यालय पढ़ने जा रही साइकिल सवार छात्रा गुरुवार की सुबह लगभग आठ बजे बाइक के धक्के से जख्मी हो गई।

जख्मी छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया गया। सोनभद्र जनपद के करमा थाना क्षेत्र के बीसहार गांव की 15 वर्षीय सुनीता कक्षा नौ में पढ़ती है। गुरुवार की सुबह अपने घर से साइकिल द्वारा विद्यालय पढ़ने के लिए जा रही थी, तभी गांव के बाहर नहर पर पीछे से आ रहा बाइक सवार ने साइकिल सवार छात्रा को टक्कर मार दिया। हादसे में छात्रा गम्भीर रूप से जख्मी हो गयी। मौके पर जुटे असपास के लोग छात्रा के परिजनों को सूचना दिए।

परिजन छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराये, जहां इलाज चल रहा है।

जैविक किसान मेला का हुआ आयोजन

किसान मेले में उमड़ी किसानों की भीड़,दी गई जैविक खेती की जानकारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

मीरजापुर।। नमामि गंगे योजना द्वारा संचालित बायोसर्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पहाड़ी विकास खंड के रामनगर सीकरी गांव में किसान मेले का आयोजन किया गया।जिसमे किसानों को आधुनिक कृषि के बाबत नई जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर योगेंद्र कुमार सिंह ने किसानों को जैविक खेती

से कम लागत में अच्छी उपज की जानकारी देते हुए, खेत में हो रही कार्बन की कमी को बढ़ाने के लिए विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराया। डॉ सुरेश ने किसानों को बीजामृत और जीवामृत बनाने और उसके प्रयोग के बारे में जानकारी दी।मेले में किसानों को जैविक खेती पर जोर देते हुए कम लागत से अधिक उपज की बारे में बताया।किसानों को शासन द्वारा किसानों के कल्याण हेतु चल रही योजनाओं, कृषि विविधीकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान राकेश कुमार ने किया।कार्यक्रम में कुसुम, राजेश यादव, रमेश, विनीत सिंह, मोहन सिंह सहित गांव के अन्य किसान उपस्थित रहे।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता-2025 का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण सम्पन्न

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर पब्लिक स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय सीबीएसई अंतर-विद्यालय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता-2025 का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण आज नेहरू स्टेडियम,गाजीपुर में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ।

यह प्रतियोगिता 15 नवंबर से ही विभिन्न विद्यालयों में खो-खो, कब्बड्डी,बालीवाल,फुटबॉल,कैरम एवं चेस का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न किया जा चुका था।नेहरू स्टेडियम में दो दिनों से खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेलभावना,अनुशासन और ऊर्जावान प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया।

इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल प्राप्त कर प्रथम स्थान पर सनशाइन पब्लिक स्कूल,जमानिया , द्वितीय स्थान रामदूत इंटरनेशनल स्कूल, गाजीपुर एवं तृतीय स्थान एम.जे.आर.पी. स्कूल,गाजीपुर रहे। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन का लक्ष्य बच्चों को सही मंच प्रदान करना है। खेल हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग हैं। वे न केवल मनोरंजन का स्रोत हैं,बल्कि हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।नदीम अदहमी वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि यह प्रतियोगिता बच्चों की क्षमता और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण है।श्रीमती रिषु जालॉन संगठन उपाध्यक्ष ने कहा कि खेल बच्चों के भविष्य को निखारते हैं गाजीपुर का खेल भविष्य उज्ज्वल है।

विभिन्न खेलों में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली टीमों के नाम निम्न है खो- खो (गर्ल्स) मां शारदा स्कूल जलालाबाद, खो-खो (बॉयज)एस०एस०देव पब्लिक स्कूल,कबड्डी (बॉयज) डालिम्स सनबीम स्कूल रकसहा,कबड्डी (गर्ल्स)रामदूत इंटरनेशनल स्कूल, वॉलीबॉल धनेश्वर इंटरनेशनल स्कूल,कैरम (डबल गर्ल्स) शाह फैज पब्लिक स्कूल,कैरम (डबल बॉयज) शाह फैज पब्लिक स्कूल, कैरम (सिंगल गर्ल्स)एमजेआरपी पब्लिक स्कूल,कैरम (सिंगल बॉयज) डालिम्स स्कूल दिलदारनगर, चेस (गर्ल्स) एमजेआरपी स्कूल,चेस (बॉयज) शाह फैज पब्लिक स्कूल,फुटबॉल एस के इंटरनेशनल स्कूल महेन्द ।

एथेलेटिक्स प्रतियोगिता रेस, लॉन्ग जंप, शॉट पुट में विभिन्न स्कूल के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया ।

गाजीपुर पब्लिक स्कूल संगठन के पदाधिकारियों में अजय यादव,सचिव चंद्रशेखर सिंह,कोषाध्यक्ष राजेश कुमार वर्मा,मीडिया प्रभारी सुरेंद्र यादव समेत संगठन के सम्मानित सदस्यों में प्रकाश यादव,सुभाष कुशवाहा,मो०आरिफ खान,अहसन रजा खान, विक्रमा प्रसाद मौर्य,पवन कुशवाहा, पप्पू यादव,बृजेश मौर्य,सुधीर सिंह, कृष्णानंद राय, इफ्तिखार खान, औरंगजेब खान,मो०सरीक,अनिल यादव, अमित सिंह यादव,सूरज मौर्य, राजेश कुशवाहा एवं भारत लाल मोहम्मद परवेज,साकिब खान आदि लोग उपस्थित रहे।

अंत में एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश कुशवाहा ने गाजीपुर पब्लिक स्कूल एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सभी सहभागी विद्यालयों के प्रबंधकगण, पीटीआई, खिलाड़ी एवं अभिभावक को इस सफल,अनुशासित और प्रेरणादायी आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है। दो दिवसीय कार्यक्रम का संचालन डालिम्स सनबीम स्कूल गांधीनगर के डायरेक्टर हर्ष राय ने किया।

सहकारिता के माध्यम से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गति संभव: हर्ष कुमार

*जिला सहकारीबैंक मे एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न।

समाज जागरण

वाराणसी। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहकार से समृद्धि संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी सहकारी प्रबंध संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में जिला सहकारीबैंक वाराणसी के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम मे नवगठित बहु उद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों (MPACS) के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सत्र का संचालन सत्र संयोजक अभिषेक तिवारी द्वारा किया गया, जिन्होंने सहकारिता की भावना, ग्रामीण संसाधनों के उपयोग, आधुनिक व्यवसाय मॉडल, DPR एवं BDP के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि यदि समितियाँ पारदर्शी प्रबंधन के साथ नवाचार अपनाएँ तो MPACS ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाली सबसे बड़ी शक्ति बन सकती हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता वाराणसी हर्ष कुमार ने विभागीय मार्गदर्शन करते हुए सहकारिता की प्रशासनिक प्रणाली, उत्तरदायित्व, सदस्य सहभागिता एवं लेखा संधारण के महत्व को विस्तार से समझाया ।

कार्यक्रम मे जिला सहकारी बैंक वाराणसी के सचिव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मिलिंद कुमार ने समितियों को बैंकिंग सहयोग, ऋण सुविधा, पूंजी निवेश तथा योजनाओं के लाभ हेतु आवश्यक दस्तावेजो पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम मे सहकारी सचिव परिषद के जिलाध्यक्ष ऋषिकुमारसिंह ने नये प्रतिनिधियो को शुभकामनाए देते हुए उन्हे पैक्स के मूल क्रियाकलापों , वित्तीय अनुशासन और सजग प्रबंधन के टिप्स दिये।

कार्यक्रम में डीजीएम श्याम सुंदर मौर्य ने भी बैंकिंग प्रणाली के बारे मे प्रतिभागियो का ज्ञानवर्धन किया।

समापन में अभिषेक तिवारी ने सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सहकार से समृद्धि के लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम मे नवगठित समिति अमउत के अध्यक्ष शैलेश कुमार मिश्र व सदस्य करूणा पाशाद व भरत लाल व राकेश मिश्रा तथा अहरक समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह व आनन्द तिवारी सचिव विशाल सिंह व पन्ना यादव तथा साधन समिति सचिव परिषद वाराणसी के जिला अध्यक्ष ऋषि कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

देहात इंडिया संस्था द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान संकल्प दिवस का आयोजन किया गया

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद श्रावस्ती देहात इंडिया भिनगा श्रावस्ती के तत्वाधान में श्री राधा कृष्णा इंटर कालेज गब्बा पुर सिरसिया श्रावस्ती में विवाह मुक्त भारत अभियान के माध्यम से जन जागरूकता हेतु लगभग 200 बच्चे बच्चियों व समुदाय को जागरूक किया गया कि बाल विवाह हमारे समाज में एक कुप्रथा है जो हमारे समाज में व्याप्त है जिससे बच्चों का जीवन व बचपन बर्बाद होता है तथा वें शिक्षा से वंचित रह जाते है इसलिए बच्चों को पहले शिक्षा दिलाएं एवं बच्चों की शादी 18 वर्ष और 21 वर्ष पूर्ण हो जाने के बाद ही सादी करे बैठक में स्थानीय समुदाय युवा, बच्चे महिला, पुरुष तथा सामाजिक संगठनों ने जागरूकता रैली में प्रतिभाग किया कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना और इसे पूरी तरह समाप्त करने का संकल्प लेना था। लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया तथा बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी प्रदान की गई।

अभियान में शामिल सदस्यों ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के बचपन, शिक्षा और भविष्य को नष्ट कर देता है। इसे समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर सहयोग करना होगा। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार का बाल विवाह नहीं होने देंगे तथा इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे।

, अध्यापक गण, राधे कृष्णा इटर कालेज गब्बापुर विद्यालय प्रबंधन श्री पेशकार यादव, श्री ओमप्रकाश, सावित्री,अनामिका, और सामाजिक कार्यकर्ता, ,देहात इंडिया संस्था से लक्ष्मी देवी, ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान से श्री प्रेम बाबू गिरी,उपस्थित रहे।

बालश्रम कराना दंडनीय अपराध है बच्चों को शिक्षा से जोड़े

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद बलरामपुर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर व अपर पुलिस अधीक्षक जनपद बलरामपुर के आदेशानुसार एवं पुलिस उपाधीक्षक श्रीमती ज्योति श्री (नोडल अधिकारी) के निर्देशन में थानाध्यक्ष श्री सूरज कुमार के पर्यवेक्षण में श्रम विभाग से श्री रिजवान अहमद थाना AHTसे का0 श्याम बहादुर शर्मा द्वारा थाना श्री दत्त गंज के अंतर्गत राजवीर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी श्री दत्तगंज व यादव होंडा ऑटो सेल्स सर्विस सेंटर को चेतावनी / नोटिस देकर ।

बाल तस्करी से आजादी 3.0 अभियान के अन्तर्गत बालश्रम, बालभिक्षावृत्ति, बाल विवाह,बचपन बचाओ आन्दोलन - एक युद्ध नशे के विरुद्ध आदि के बारे में आम जनमानस को जागरूक किया गया होटल ढाबा वर्कशॉप मालिकों को हिदायत दी गई कि बाल श्रम करना व कराना दंडनीय अपराध है।

खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सीनियर बालकों का फुटबॉल मैच खेला गया

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

हार्टमन इण्टर कॉलेज, हार्टमनपुर, गाजीपुर में खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सीनियर बालकों का फुटबॉल मैच खेला गया। चारों हाउस ब्ल्यू, ग्रीन, रेड और येलो में से दोझ दो हाउस के टीमो के बीच मुकाबला हुआ। पहला मैच ब्ल्यू हाउस तथा रेड हाउस के मध्य निर्धारित था किंतु रेड हाउस की टीम ग्राउंड में समय पर उपस्थित नहीं हुई जिस कारण ब्लू हाउस की टीम को वॉक ओवर दिया गया। तत्पश्चात ग्रीनहाउस और येलो हाउस के मध्य दूसरा मैच खेला गया जिसमें निर्धारित समय में दोनों टीमों द्वारा एक भी गोल नहीं किया जा सका। अंत में पेनाल्टी शूटआउट कराया गया जिसमें ग्रीन हाउस 3-1 से विजेता रही।

दूसरी तरफ सीनियर बालिकाओं का बास्केटबॉल मैच कराया गया। पहला मैच ब्लू हाउस और रेड हाउस के बीच खेला गया जिसमें ब्लू हाउस की टीम विजयी रही। दूसरा मैच येलो हाउस और ग्रीन हाउस के बीच खेला गया जिसमें दोनों टीम 1-1 की बराबरी पर रही इसके बाद दोनों टीमों के मध्य पेनाल्टी शूटआउट कराया गया जिसमें ग्रीन हाउस 3-1 की बढ़त बनाते हुए विजयी घोषित हुई।

साधन सहकारी समिति गलरा खुटहा पर पारदर्शिता के साथ किसानों से की जा रही धान खरीद

समाज जागरण

मीरजापुर/ हलिया मीरजापुर क्षेत्र के साधन सहकारी समिति गलरा खुटहा पर किसानों से टोकन सिस्टम से पारदर्शिता के साथ किसानों के धान की तौल कराई जा रही है साधन सहकारी समिति पर धान बेचने के लिए 352 किसानों ने सम्पर्क कर अपना कागजात समिति पर जमा कराया है समिति धान क्रय केंद्र प्रभारी विकास तिवारी द्वारा किसानों के धान की खरीद को टोकन सिस्टम से किया जा रहा है समिति पर अब तक कुल 68 किसानों से 4111.20 कुंतल धान की खरीद किया गया है धान खरीद के बाद किसानों के खातों में भुगतान किया गया है समिति पर गुरुवार को संदीप सिंह से 55 कुंतल व अम्बुज से 59 कुंतल धान की खरीद किया जा रहा है समिति के धान खरीद केंद्र प्रभारी विकास तिवारी ने बताया समिति पर धान बेचने के लिए कुल 352 किसानों ने सम्पर्क किया है सम्पर्क रजिस्टर के अनुसार टोकन सिस्टम से किसानों की धान की खरीद किया जा रहा है बरबसा गांव के एक किसान द्वारा धान बेचने के लिए लेकर केंद्र पर आया था लेकिन धान की नमी 21.3 होने से धान को वापस कर दिया गया था

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने पर एक ब्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने बृहस्पतिवार को गांव के ही एक व्यक्ति के विरूद्ध शादी का झासा दे कर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है।पीड़िता ने दी गयी तहरीर में कहा है कि बीते 14 अगस्त को गांव निवासी एक व्यक्ति बहला फुसलाकर घर से मुंबई ले गया जहां शारीरिक संबंध बनाता रहा।शादी करने से इंकार कर मारपीट कर भगा दिया।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध बहला फुसलाकर भगा ले जाने व शारीरिक संबंध बनाने का मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि महिला की तहरीर पर एक ब्यक्ति के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

जिले मे उड़द, मूंग और तिल की फसल के लिए खोले गए तीन केन्द्र

समाज जागरण

वाराणसी। धान और गेंहू की तर्ज पर सरकार अब उड़द, मूँग और तिल की भी खरीद करेगी।

इसके लिए जनपद सोनभद्र मे तीन नये क्रय केन्द्र खोले गए है।

घोरावल मे विसरेखी और कर्मा बीपैक्स तथा राबर्टसगंज।मे शिवपुर बीपैक्स पर इसकी खरीद की जाएगी।

इसकी जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त एवं सहायकनिबंधक सोनभद्र देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यूपी को आपरेटिवयूनियन लखनऊ के माध्यम से तीन क्रय केन्द्रो को मूंग, तिल , उड़द और मूंगफली के क्रय हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा अनुमोदन किया गया है।सभी किसान इन केन्द्रो पर अपनी उपज बेच कर उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त कर सकते है।

सहायक आयुक्त ने बताया कि उडद का मूल्य 7800 प्रति कुंतल, मूँग का 8768 प्रति कुंतल तथा मूंगफली का 7263 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है।

किसी भी कठिनाई या शिकायत की दशा मे जिला प्रबंधक पीसीयू के दूरभाष नंबर 9628228292 पर अवगत करायें।

जिला प्रशासन बाल विवाह के खात्मे की दिशा में बढ़ चढ़ कर प्रयास कर रहा है-: देवतादीन पाण्डेय

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए सरकार के '100 दिवसीय अभियान' में कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

भारत को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार के दृढ़ निश्चय और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान ने बलरामपुर से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू हुए 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी विभागों व एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय से काम करने का संकल्प दोहराया। भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान जिले में अर्से से बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहा है।

केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरा होने के अवसर पर नई दिल्ली में इस 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्देश्य उस पूरे परिवेश को ध्वस्त करना है जो बाल विवाह के फलने-फूलने में मदद करते हैं। इन प्रयासों में मिली सफलता को रेखांकित करते हुए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि स्पष्ट नीतियों, लगातार की जा रही कार्रवाईयों और गांव-गांव तक पहुंच रहे प्रयासों की बदौलत भारत बाल विवाह को पूरी तरह खत्म करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

केंद्र ने अधिसूचना जारी कर सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे इस 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करें ताकि बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में जनसमुदाय में चौतरफा और स्पष्ट बदलाव देखने को मिले। अधिसूचना के बाद राज्य सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और उच्च शिक्षा विभाग को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के निर्देश दिए हैं ताकि लक्षित उद्देश्यों को हासिल किया जा सके।

जिले में बाल विवाह रोकने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लगातार सहयोग और विभिन्न कदमों की सराहना करते हुए भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान के देवतादीन पाण्डेय ने कहा, जिला प्रशासन बाल विवाह के खात्मे की दिशा में बढ़-चढ़ कर प्रयास कर रहा है। हमारी सफलताएं उनके साथ करीबी समन्वय से काम करने का नतीजा हैं। आज पूरा देश एकजुट है और देश का शीर्ष नेतृत्व बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में हम निश्चित रूप से 2030 से पहले ही देश को इस अपराध से मुक्त बना देंगे। दुनिया जिसे कभी असंभव मानती थी, वह आज भारत में संभव होता दिखाई दे रहा है और इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व का विषय है। भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं।

100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान ने एक स्पष्ट और लक्ष्य केंद्रित रणनीति तय की है। इसके तहत स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न होते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों के खिलाफ होने वाले इस सदियों पुराने अपराध को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

इस अभियान को तीन चरणों में बांटा गया है और इसका आखिरी चरण 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाप्त होगा। इसका पहले चरण में स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में जागरूकता के प्रसार पर जोर रहेगा। वहीं दूसरे चरण में मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे जैसे धार्मिक स्थलों पर जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं व बैंक्वेट हाल और बैंड वालों, हलवाई जैसे विवाह में सेवाएं देने वालों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तीसरे और आखिरी चरण बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों, नगरपालिका के वार्डों और समुदाय स्तरीय भागीदारी और जिम्मेदारी को मजबूत किया जाएगा। इस कार्य योजना के बारे में जिला प्रशासन को पहले ही ब्योरेवार सूचित किया जा चुका है।

फांसी लगा दुकानदार ने दी जान

समाज जागरण

फतेहपुर। सुल्तानपुर थाना घोष क्षेत्र के प्रेमनगर में घरेलू कलह के चलते 45 वर्षीय युवक ने दुकान के अन्दर फासी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी घनश्याम सविता का पुत्र उमेश कुमार की कस्बे में ही दुकान है बताया जाता है कि उसने दुकान में फासी लगाकार आत्महत्या कर ली सुबह जब परिजनो को पता चला तो घर में कोहराम मच गया तभी सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनो में कोहराम मच गया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

समाज जागरण

फतेहपुर। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के तेदुली के समीप बुधवार की देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गयी जब कि अन्य दो घायल हो गयें जिन्हे कानपुर हैलट में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार कानपुर नगर के थाना महाराजपुर बउसर गांव निवासी कमल कुमार का पुत्र मतेश उर्फ प्राजुल अपने अन्य साथी विकास सहित दो लोगो के साथ बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के अर्न्तगत इन्गेजमेंट में आया था बताते है कि रात तीनो वापस जा रहे थे तभी तेदुली के पास तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दिया जिसमें मतेश उर्फ प्राजुल की घटना स्थल पर मौत हो गयी वही उसका साथ विकास व एक अन्य युवक गम्भीर रूप में घायल हो गया जिन्हे कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। वही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दियां हादसे के बाद मृतक के परिजनो में कोहराम मच गया।

भतीजी के बाद दादा ने इलाज दौरान तोडा दम

समाज जागरण

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के पखरौली के समीप लगभग एक पखवारे पूर्व पैदल जा रही दादा भतीजी को बाइक सवार ने टक्कर मार दिया था जिसमें दो गम्भीर रूप से घायल हो गये थे जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहा एक सप्ताह के बाद भतीजी की मौत हो गयी वही गुरूवार को घर पर इलाज दौरान दादा ने दम तोड दिया। बताते चले की पखरौली गांव निवासी स्व0 हनुमान का 70 वर्षीय पुत्र बल्दी अपनी भतीजी रानी के साथ 22 नवम्बर को खेत से पैदल आ रहा था तभी बाइक सवार ने टक्कर मार दिया जिसमें दादा भतीजी गम्भीर रूप से घायल हों गये इलाज दौरार 29 नवम्बर को भतीजी रानी ने इलाज दौरान दम तोड दिया था जब कि बल्दी का इलाज परिजन घर पर ही कर रहे थे सुबह पहर बृद्ध ने भी इलाज दौरान दम तोड दिया। वही सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

दो किशोरियों ने किया जान देने का प्रयास

समाज जागरण

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेंत्रो के अर्न्तगत गुरूवार की सुबह परिजनो की डाट से क्षुब्ध दो किशोरियो ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिन्हे इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहा एक की हालत गम्भीर देखते हुए कानपुर के लिए रिफर कर दिया जानकारी के अनुसार जाफरगंज थाना क्षेत्र के बाबादीन का पुरवा गांव निवासी बृजमोहर की 16 वर्षीय पुत्री सोनी देवी को उसकी मां ने काम न करने के पीछे उसे डाट दिया इसी बात से गुस्साई किशोरी ने जहर खा लिया वही कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जैकीखेडी निवासी रामबहादुर की 15 वर्षीय पुत्री लक्ष्मी ने अपनी मां राजरानी की डाट से क्षुब्ध जहर खा लिया कुछ समय बाद दोनो की हालत बिगडने लगी तो परिजनो ने उन्हे तत्काल सरकारी एम्बुलेन्स के द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहा इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने सोनी की हालत गम्भीर देखते हुए कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया।

अनियत्रिंत बाइक गिरी युवक घायल

समाज जागरण

फतेहपुर। थरियाव थाना क्षेत्र के बिलंदा के समीप एनएचटू में गुरूवार की सुबह अनियत्रित होकर बाइक गिर जाने से 17 वर्षीय किशोर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार हथगाव कस्बा निवासी अमानउददीन का पुत्र साहिल गुरूवार की सुबह बाइक से शहर किसी काम से आ रहा था जब वह बिलंदा के समीप एनएचटू में पहुचा तभी अनियत्रित होकर बाइक गिर जाने से बुरी तरह घायल हो गया सूचना पाकर मौके पर पहुची सरकारी एम्बुलेन्स ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

कन्नौज: एसपी ने किया थाना इंदरगढ़ का औचक निरीक्षण

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा थाना इंदरगढ़ का आकस्मिक

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय, मालखाना, कंप्यूटर कार्यालय, दूर दृष्टि केंद्र, मेस, आरक्षी बैरक एवं सम्पूर्ण थाना परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महोदय द्वारा थाना कार्यालय के अभिलेखों की जांच की गई और उन्हें सुव्यवस्थित एवं अद्यावधिक रखने हेतु समस्त सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

कन्नौज: बिजली बिल राहत योजना के लिए विभाग ने लगाए दर्जनों कैम्प

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। बिजली बिल राहत योजना-2025 के अंतर्गत आज विद्युत उपभोक्ताओं को योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न विद्युत वितरण खण्डों में विशेष पंजीकरण कैंप आयोजित किए गए। इन कैंपों का आयोजन– विद्युत वितरण खण्ड कन्नौज के अन्तर्गत ग्राम जलालपुर, ठठिया, लोहामढ़, खानपुर, बरमपुर, होलेपुर, जसौली, नेरा, तथा मोहल्ला कुतलूपुर, काजीटोला और विद्युत वितरण खण्ड छिबरामऊ के अन्तर्गत ग्राम विशम्भर पुर, नादेमऊ, उलापुर्वा, भोराजपुर, अहिनी, मिघौली, हरीनगर, अश्विन, रायपुर एवं कुसुमखोर में किया गया। आयोजित कैंपों में उपभोक्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया, जहाँ कुल 223 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया तथा लगभग 6.30 लाख की धनराशि जमा की गई।

अधिशासी अभियंता, कन्नौज मगन सिंह ने बताया कि बिजली बिल राहत योजनाझ2025 का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करना और उन्हें नियमित बिल जमा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा आगे भी विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे कैंप आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिल सके।

उन्होंने बताया कि बिजली बिल राहत योजना एक दिसंबर से प्रारंभ हो गई है। बकायेदारों को एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसमें मासिक किश्तों में भुगतान की सुविधा भी दी गई है। कहा कि यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। 01 दिसम्बर से 31 दिसंबर 2025 तक पंजीकरण कराने पर मूलधन में 25 प्रतिशत, 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक पंजीकरण कराने पर 20 प्रतिशत तथा 01 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

शहरकाजी व उसके भाई के साथ दबंगो ने की मारपीट पुलिस ने कराया मेडिकल

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! थाना रसूलपुर क्षेत्र के इमामबाड़ा में गुरुवार को शहर काजी सैयद शाहनियाज अली और उसके भाई को दबंगो ने दुकानदारों के साथ चौथ वसूली का विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया जिसके विरोध में दुकानदारों ने अपनी दुकानों को बन्द कर विरोध जताया थाना रसूलपुर क्षेत्र के इमामबाड़ा निवासी सैय्यद शाहनियाज अली पुत्र स्व0 काजी अलीशाहबाज ने बताया कि गुरुवार को थाना दक्षिण क्षेत्र के मोहल्ला नाला के कुछ दबंगो उनको एवं इमामबाड़े में चूड़ी की दुकान करने वाले दुकानदारों को परेशान करते है। जिसमे उनका छोटा भाई शाहकार अली पुत्र स्व0 काजी अलीशाहबाज भी शामिल है। उससे करीब 10-12 दबंग टाइप के लोग जिसमे करीब 05 लोगो को पहचानते है। वह लोग छोटे भाई के पास आकर कहने लगे कि तू बाहर से आने वाले व्यापारियों को भड़काने का काम करता है। और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। और वह मेरे भाई के साथ मारपीट करने लगे जब शोर सुनकर में वहाँ पहुँचा तो उन्होंने मेरे साथ भी मारपीट कर दी। जिससे आस पास के दुकानदारों में हड़कम्प मच गया, और सभी ने मार्केट को बन्द कर दिया। बाद में सभी दुकानदारों के साथ जाकर थाना रसूलपुर में लिखित तहरीर देकर की। पुलिस ने उक्त दोनों भाइयों का मेडिकल सरकारी ट्रामा सेंटर में कराया है।

पुलिस ने तमंचा सहित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण–ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके पास असलहा एवं कारतूस बरामद किए है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है।

थाना प्रभारी मक्खनपुर ने पुलिस बल के साथ चैकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके बारे में पता चला था।

पुलिस ने अभियुक्त को नया बाईपास से केआईईटी स्कूल के पास से पकड़ा है।

पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्त का नाम सोहेल पुत्र मोहम्मद यासीन बताया है। वह मक्का कालोनी गली नम्बर 05 थाना क्षेत्र रामगढ़ का रहने वाला है।

पुलिस ने उसके पास से एक देशी तंमचा 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किए है।

गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त सोहेल के विरुद्ध धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है।

यातायात माह जाते-जाते दे गया कुछ परिवारों को गहरे जख्म

- सड़क दुर्घटना में 3 दर्जन से अधिक मौत 515 लोग घायल
- कुछ लोगों को अपनों का कंधा भी नसीब नहीं हुआ!

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! हर वर्ष की बात इस वर्ष नवंबर माह यातायात माह के रूप में मनाया जाता है परंतु यातायात माह कुछ लोगों को गहरे जख्म देकर गया जिसे वह परिवार कभी भुला नहीं पाएंगे जिन्होंने अपनों को खोया है यातायात माह में तीन दर्जन से अधिक लोगों की मौत हुई वहीं 515 लोग घायल हो गए

नवंबर माह को पुलिस विभाग और एआरटीओ विभाग द्वारा संयुक्त रूप से यातायात माह 1 नवंबर को शुरू किया गया और 30 नवंबर को यातायात महा का समापन भी हो गया इस माह में तीन दर्जन लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि 515 लोग घायल हो गए जिन परिवारों के लोगों की क्षति हुई वह परिवार जीवन भर इस घटना को भूल नहीं पाएंगे वहीं कुछ लोगों के शव अज्ञात के रूप में पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल आए और 72 घंटे के बाद पोस्टमार्टम होने के बाद उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया परंतु उन्हें अपनों का कंधा भी नसीब नहीं हुआ देखा जाए तो यातायात मांह मैं केवल पुलिस कर्मी यातायात व्यवस्था को न देखकर केवल वाहनों के चालान करने में ही मगशूल रहते हैं चाहे वाहन चालक कितनी भी तेज गति से चलाएं या कहीं खड़ा होकर जाम लगाये उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता स्थिति यह है की पूरा जनपद जाम मैं फंसा रहता है जिधर देखो उधर जाम परंतु पुलिस कर्मियों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है सुभाष चौराहे पर भले ही पुलिस पिकेट लगी हो परंतु वाहन चालक लाल बत्ती होने के बावजूद भी उनके सामने निकलते रहते हैं पर उनको रोकने वाला कोई नहीं है वहां से पैदल यात्री को निकलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है!

कन्नौज: सीएलडीएफ के सभी कार्यो की तकनीकी जांच के लिए समिति गठन के निर्देश

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कस्तूरवा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब का निर्माण करवा रही संस्था सीएलडीएफ के कामकाज पर गहरी नाराजगी जताते हुए डीएम ने सीडीओ को एक तकनीकी जांच समिति गठित कर गुणवत्ता जांच कराने और इसकी रिपोर्ट अग्रेतर कार्रवाई के लिए अविलम्ब शासन की भेजने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि रोमा अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के स्मारक व मुक्ताकाशी मंच की स्थापना का कार्य तथा राजकीय औद्योगिक संस्थान, सौरिख, छिबरामऊ एवं गौ संरक्षण केन्द्र तेराराब्ब, तालग्राम का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, जिसको हस्तान्तरण करने की कार्यवाही जल्द से जल्द पूर्ण की जाए। उन्होनें राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बारामऊ का निर्माण कार्य शुरू न होने पर नाराजगी व्यक्त करते करते हुए निर्माण कार्य प्रारम्भ किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्यदायी संस्थायें पूर्ण रूप से प्रयास करें, कोई भी कार्य रूकना नहीं चाहिए। शत-प्रतिशत प्रयास करेंगें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। निर्माण कार्यां में क्वालिटी पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होनें निर्देश दिये कि निविदा जारी करते समय टर्म कंडीशन का अवश्य उल्लेख किया जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्रुति चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कन्नौज: बाल श्रम उन्मूलन एवम पुनर्वास टास्क फोर्स के कामकाज की एडीएम ने की समीक्षा

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेन्द्र सिंह ने बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन हेतु जिला टास्क फोर्स की आयोजित बैठक के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को दिसम्बर 2027 तक बाल श्रम मुक्त कराये जाने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिये विभिन्न सरकारी विभागों के अतिरिक्त स्टेक होल्डर्स, बाल श्रम व अधिकार विषय पर कार्य कर रहें गैर सरकारी संगठनों, नियोक्ता संगठनों, व्यापार मण्डलों एवं ट्रेड यूनियन्स के प्रतिनिधियों से सहयोग अपेक्षित है।

उन्होनें कहा कि जनपद में संचालित सभी ईट भटठे, कार तथा बाईक की समस्त रिपेयरिंग शॉप, होटल तथा ढाबों में कन्नौज, तिर्वा, गुरसहायगंज तथा छिबरामऊ बाजारों की दुकानों में संचारित विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठान को जनपद में हास्ट-स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। जहां पर बाल श्रमिकों के नियोजन की अधिक सम्भावना है। इसके अतिरिक्त कतिपय ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाल श्रमिकों के कार्यरत होने की सम्भावना है। उन्होनें कहा कि जिसके माता-पिता ईट भट्ठों व अन्य प्रतिष्ठानों में कार्य कर रहे है उन स्कूल न जाने वाले बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होनें निर्देश कि ईट भट्ठों व अन्य प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले बाल श्रमिकों को कार्य मुक्त कराकर स्कूल में दाखिला कराया जाए। उन्होनें अधिकाारियों से भी आग्रह किया कि बाल श्रमिकों के बच्चों को गोद लें तथा स्वत; 01 बच्चे को गोद लेन व स्कूल में दखिला कराने की बात कही। कहा कि उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य संबांधित अधिकारी बाल श्रमिकों के चिन्हिकांन व स्कूल में दाखिला कराने में सहयोग करें। जिला श्रम प्रर्वतन अधिकारी को निर्देश दिए कि निरन्तर निरीक्षण कर चिन्हित बच्चों/किशोरों के परिवारों के सदस्यों का आर्थिक पुनर्वासन/सरकार की कल्याणाकारी योजनओं से आच्छादित करें।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, ज्वांइट मजिस्टेट/उप जिलाधिकारी सदर वैशाली, उपजिलाधिकारी छिबरामऊ व तिर्वा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मतदाता पुन: परीक्षण के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष ने चलाया जनसंपर्क अभियान

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! मतदाता पुनः गहन परीक्षण (SIR) के निमित्त भारतीय जनता पार्टी जिला फिरोजाबाद हाथवंत(खैरगढ़) मंडल में आयोजित की गई इसमें बूथ संख्या 235, 236, 237, 238 के साथ-साथ 243 और 267 आदि बूथों पर जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने जनसम्पर्क अभियान चलाया ताकि कोई भी पात्र मतदाता इस अभियान में वंचित न रह जाये।। पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं सक्रिय रूप से अपनी अपनी भूमिका का निर्वहन कर अपने अपने बूथों पर बीएलओ का सहयोग प्रदान कर मतदाता गहन पुन परीक्षण (र कफ) अभियान को गति प्रदान करें ताकि कोई भी योग्य और पात्र मतदाता छूट न जाये। इस अभियान की समीक्षा कर इस अभियान को और गति

प्रदान करने के लिए कार्ययोजना पर कार्य करने के लिए सभी पार्टी के जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों व कार्यकताओं को शक्ति केंद्रों व बूथों पर जाकर कार्य करें। पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत समीक्षा हुई और मतदाता सूची को और अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए संगठन पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ चर्चा की। बैठक में राजेश चौहान जिला उपाध्यक्ष , डॉ अमित गुप्ता जिला प्रवक्ता / मीडिया प्रभारी , केके शर्मा, मंडल अध्यक्ष अतुल शुक्ला , सुरजीत राजावत , ओपी राजपूत ,कुलदीप तिवारी , धीरज चौहान , महावीर सिंह , मानसिंह लोधी , वीरू लोधी , अनुज चौहान, महेश बघेल , ओंकार शर्मा, दिनेश चंद शर्मा , विष्णु चौहान , अरविंद राघव, अभिषेक बघेल , महेंद्र सिंह , विश्वदीप नागर आदि।

एम्बुलेंस न मिलने से घंटो पड़ा रहा शव

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! नगर मैं प्राइवेट एम्बुलेंसों की हड़ताल के चलते एक युवक के शव को घंटो इंतजार करना पड़ा ऐसा ही एक मामला फिरोजाबाद सरकारी ट्रामा सेंटर में देखने को मिला जब सीएमओ के आदेश के बाद शव को गंतव्य स्थान पर पहुंचने के लिए एंबुलेंस (शव वाहन) मिला जनपद मैनपुरी के बेवर निवासी 47 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र छोटेलाल ब्लड कैंसर रोग से पीड़ित चल रहा था उसका इलाज नोएडा में चल रहा है गुरुवार को परिजन उसे दिखाने के लिए सरकारी एम्बुलेंस से नोएडा ले जा रहे थे तभी उसने रास्ते में दम तोड़ दिया परिजन उसका परीक्षण

कराने के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया सरकारी एंबुलेंस उन्हें छोड़कर चली गई इसके बाद फिरोजाबाद में चल रही प्राइवेट एंबुलेंस की हड़ताल के चलते कोई एंबुलेंस उन्हें नहीं मिली एंबुलेंस ना मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ा काफी देर बाद उन्होंने सीएमओ को फोन द्वारा अवगत कराया उसके बाद सीएमओ द्वारा एक शव वाहन उन्हें उपलब्ध कराया गया तत्पश्चात परिजन शव को घर ले गए हैं!

कन्नौज: रसोइयों के मानदेय भुगतान के लिए तत्काल मांगपत्र शासन को भेजें बीएसए: डीएम

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के शैक्षिक कार्यक्रमों, विद्यालयों की गुणवत्ता, सुविधाओं तथा प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि पी.एम. पोषण (मध्यान्ह भोजन) योजना के अंतर्गत कार्यरत 3,686 रसोइयों का मानदेय अगस्त 2025 तक भुगतान किया जा चुका है, शेष माह के मानदेय भुगतान हेतु बजट मांग-पत्र शासन को तत्काल प्रेषित किया जाए।

जिलाधिकारी ने सौरिख एवं हसेरन ब्लॉक में प्रेरणा ऐप पोर्टल पर बच्चों की डिजिटल उपस्थिति दर्ज कराने में लापरवाही पाए जाने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सुधार होने तक संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपस्थिति दर्ज कराने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही निर्देशित किया कि निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से सभी शिक्षक शत-प्रतिशत बच्चों का आकलन सुनिश्चित करें तथा जनपद के सभी विद्यालयों को शत-प्रतिशत निपुण विद्यालयों की श्रेणी में लाया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूल रेडीनेस फेज-1 कार्यक्रम जनपद के 641 को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों में 15 दिसम्बर 2025 से 31 मार्च 2026 तक संचालित होगा। यह कार्यक्रम आगामी शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले बच्चों को भाषा, अंकज्ञान एवं पर्यावरणीय अवधारणाओं से परिचित कराते हुए उन्हें औपचारिक शिक्षा के लिए सक्षम बनाने हेतु संचालित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार हमारा आंगन - हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन भी दो चरणों में किया जाएगा, जिसमें ब्लॉक स्तर में 15 से 30 दिसम्बर 2025 तथा जनपद स्तर में 15 से 31 जनवरी 2026 तक होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य निपुण भारत अभियान की अवधारणा को जन-जन तक पहुँचाना, आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं–बालमित्र फर्नीचर, आउटडोर प्ले मैटेरियल, फीचर्स–की जानकारी समुदाय को देना तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के सीखने में माता-पिता की भूमिका को मजबूत करना है। जिलाधिकारी ने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश देते हुए कहा कि अभिभावकों को नामांकन एवं नियमित उपस्थिति के महत्व से अवगत कराया जाए तथा को-लोकेटेड केंद्रों पर तैनात एजूकेटर की भूमिकाओं की भी जानकारी सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के 66 विद्यालयों में से 13 विद्यालयों से हाई टेंशन लाइन हटाई जा चुकी है, जबकि शेष 53 विद्यालयों में कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने संबंधित को कार्य की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु भी निर्देशित किया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, जिला विकास अधिकारी नरेंद्र देव द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कन्नौज: एस आई आर के लिए जागरूकता कार्यक्रम

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत पी0वी0 इंटर कालेज, प्रेमपुर, कन्नौज में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कॉलेज परिसर में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने मतदान का महत्व के संदेश को अपने कला के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपने विचार और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर कालेज के अध्यापकगण और छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

कन्नौज: आईजीआरएस में खराब प्रदर्शन करने वाले 99 अफसरों को मिली चेतावनी

समाज जागरण बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने जनपद में माह नवम्बर में आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त फीडबैक में 99 अधिकारियों का शिकायत निस्तारण में असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ है। असंतोषजन फीडबैक मिलने की स्थिति में जिलाधिकारी ने उन 99 अधिकारियों को चेतावनीपत्र जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकारी कार्यों में ढिलाई अस्वीकार्य है तथा जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी लंबित आईजीआरएस प्रकरणों का समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। शिकायतकर्ता से मिलने वाला फीडबैक हर हाल में संतोषजनक होना चाहिए। अधिकारियों को स्वयं प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर वास्तविक व त्वरित समाधान सुनिश्चित करना होगा। गैर-गंभीरता दिखाने वाले कार्मिकों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि शासन स्तर से समय-समय पर जारी निदेशों का अनुपालन ही सुशासन की प्राथमिक शर्त है और इसके प्रति प्रत्येक अधिकारी को पूरी जवाबदेही के साथ कार्य करना आवश्यक है। जनपद प्रशासन ने आगामी माह के लिए स्पष्ट रूप से लक्ष्य निर्धारण करते हुए कहा है कि आईजीआरएस पोर्टल पर जनसुनवाई से संबंधित एक भी प्रकरण औपचारिकता के आधार पर नहीं निपटाया जाएगा। सभी मामलों में वास्तविक समाधान प्रदान कर शिकायतकर्ता को पूर्ण संतुष्टि देना ही प्रमुख उद्देश्य होगा।

एक और शातिर बदमाश संजू पटेल एन.एस.ए. में गिरफ्तार

समाज जागरण

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के प्रतिवेदन पर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर राघवेन्द्र सिंह ने शातिर बदमाश संजू पटेल के विरूद्ध एन.एस.ए. के तहत किया जारी वारंट।थाना रांझी पुलिस द्वारा शातिर बदमाश संजू पटेल जिसके विरूद्ध 27 अपराध पंजीबद्ध है को जारी एन.एस.ए. के वारंट में विधिवत गिरफ्तार कर कराया जा रहा है केन्द्रीय जेल जबलपुर में निरूद्ध थाना प्रभारी प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी ने बताया कि संजू पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती विश्वकर्मा मोहल्ला थाना रांझी का एक अपराधी प्रवृत्ति का युवक है जो वर्ष 2017 से अपराध घटित किये जा रहा है जिसके विरूद्ध हत्या का प्रयास, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, अवैध वसूली, चोरी, आबकारी, आर्म्स एक्ट, मारपीट आदि के 27 अपराध पंजीबद्ध है, जिसके विरूद्ध समय समय पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गयी, आरोपी संजू पटेल के आपराधिक कृत्यों के कारण क्षेत्र में भय एवं आतंक का वातावरण इतना अधिक निर्मित हो गया है लोग सूचना देने एवं रिपोर्ट

करने से डरते है एवं असुरक्षित महसूस करते हैं। किंतु संजू पटेल आदतों में सुधार न लाकर लगातार अपराध घटित किये जा रहा है, जिसके स्वच्छंद विचरण करने से कभी भी किसी भी मानव के जीवन को खतरा उत्पन्न हो सकता है, को दृष्टिगत रखते हुये पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा आरोपी संजू पटेल के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) 1980 की धारा 3, सहपठित धारा 2 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया।

आदेश के परिपालन में दिये गये निर्देशों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता (भा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक रांझी सतीष कुमार साहू के मार्गदर्शन में शातिर बदमाश संजू पटेल के विरूद्ध एन.एस.ए. का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, जिला दण्डाधिकारी जबलपुर राघवेन्द्र सिंह (भा.प्र.से.) के द्वारा आरोपी की आपराधिक गतिविधियो को दृष्टिगत रखते हुये एन.एस.ए. के तहत गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुये केन्द्रीय जेल जबलपुर में निरूद्ध कराये जाने हेतु आदेशित किये जाने पर शातिर बदमाश संजू पटेल को जारी एन.एस.ए. के वारंट में गिरफ्तार कर केन्द्रीय जेल जबलपुर में निरूद्ध कराया जा रहा है।

पयारी खरीदी केन्द्र में वेयरहाउस की मनमानी से भड़के किसान, मुख्य मार्ग पर कई मिनट तक लगा जाम

समाज जागरण

अनूपपुर। प्यारी खरीदी केन्द्र में अनियमितताओं, मनमानी कार्यप्रणाली और किसानों से कथित रुपयों की मांग के आरोपों ने मंगलवार को विवाद का रूप ले लिया। किसान रामबहोरी चौधरी सहित कई किसान जब दोबारा जांच-तौल की जबरन मांग से त्रस्त हुए, तो उन्होंने विरोध में मुख्य मार्ग एन एच 43 पर चक्का जाम कर दिया। इससे मार्ग पर आवागमन कुछ कई मिनटों के लिए बाधित हो गया। किसानों का कहना है कि खरीदी समिति की ओर से सरवेयर और स्टाफ ने धान की नियमित जांच-तौल कर वेयरहाउस भेजने का निर्देश दिया था, लेकिन मां शारदा BOT

वेयरहाउस संचालक केशव चौहान ने बिना कारण दोबारा जांच-तौल कराने की जिद की। किसानों ने आरोप लगाया कि यह बाध्यता धान रखने के एवज में रुपए मांगने के लिए बनाई जा रही थी। विवाद बढ़ने पर समिति प्रबंधक नफीस खान ने खरीदी रोकने की बात कह दी, जिससे किसान और नाराज हो गए।

स्थिति बिगड़ती देख किसानों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा कर जाम हटवाया। बाद में खाद्य आपूर्ति अधिकारी एवं विभाग के अधिकारी भी पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामला शांत कराया।

किसानों द्वारा लगाए गए आरोपों ने खरीदी केन्द्र की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विश्व दिव्यांग दिवस पर डी.डी.आर.सी.कार्यालय में दिव्यांग सामर्थ्य प्रदर्शन कार्यक्रम हुआ आयोजित

समाज जागरण विजय तिवारी

कटनी।विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डी.डी.आर.सी.कार्यालय) कटनी में दिव्यांगजनों का सामर्थ्य प्रदर्शन कार्यक्रम भव्यता पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिला कलेक्टर आशीष तिवारी के कुशल निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक अनुरोग मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में दिव्यांग कल्याण एसोसिऐशन के प्रांतीय संयोजक कुंवर मार्तण्ड सिंह राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साइट सेवर संस्था से मनोज कहार एवं संदीप रजक द्वारा संचालन का दायित्व निभाया गया। इसी क्रम में दिशा दिव्यांग संगठन के जिला अध्यक्ष बृजकिशोर पाल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और प्रतिभागी दिव्यांग व्यक्ति उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि राजपूत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए,अपने जीवन के संघर्षों और उपलब्धियों को विस्तार से साझा करते हुए, दिव्यांगों को दया नहीं हौसला बढ़ाने की जरूरत पर बल दिये। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति के सपनों को रोक नहीं सकती। मजबूत इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने दिव्यांग अधिनियम 2016 की विस्तृत जानकारी देते हुए दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों और शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं से सभी को विस्तार से अवगत कराये।उपसंचालक अनुराग मोदी ने कहे कि दिव्यांग शब्द केवल शारीरिक कमी का नहीं, बल्कि विशेष क्षमता का प्रतीक है। जब ईश्वर एक क्षमता घटाता है, तब वह व्यक्ति को किसी अन्य क्षमता में और अधिक समर्थवान बनाता है। उन्होंने दिव्यांगजनों से अपनी प्रतिभाओं को पहचानने एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का सकुशल आह्वान किये। साथ ही शासन की पुनर्वास एवं सहायता संबंधी योजनाओं की भी विस्तार से जानकारी प्रदान कर हर शासकीय योजना का लाभ उन तक पहुँचाने की अपनी बचन वद्धता को दर्शाए।

कार्यक्रम के तहत दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन कार्यक्रम स्थल पर किया गया।आयोजित प्रतियोगिताओं में कैरम प्रतियोगिता में संजय प्रथम, शिवनारायण चौधरी द्वितीय स्थान पर रहे।शतरंज प्रतियोगिता में राजेन्द्र कोरी प्रथम एवं चन्द्रशेखर द्वितीय रहे। गीत गायन प्रतियोगिता में संदीप रजक प्रथम एवं राजेन्द्र कोरी द्वितीय रहे। जलेबी दौड़ प्रतियोगिता में लक्ष्मी चौधरी प्रथम तथा वैदिक श्रीवास्तव द्वितीय स्थान पर रहे। बैडमिंटन प्रतियोगिता में मुकेश एवं बलराम कोरी ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किये।

कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं डिजिटल प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित दिव्यांगजनों को उपहार स्वरूप पुरुस्कार भेंट किये गए।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से प्रीति श्रीवास्तव, दिव्यांशु कुररिया, नम्रता चौबे, प्रियंका रावत एवं भरत सहित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र कटनी (डी.डी.आर.सी.कार्यालय) से मयंक मिश्रा, शरद सोनी, उमेश पटेल एवं श्याम सुन्दर मोरे की उपस्थित रही।

देश भर के कई शहरों में सड़क निर्माण के दौरान हो रहा प्लास्टिक वेस्ट का पुन: उपयोग

स्वच्छ भारत मिशन, केवल स्वच्छता एवं शौचालयों के क्षेत्र में ही क्रांतिकारी परिवर्तनों का साक्षी नहीं बना है, बल्कि इस मिशन के तहत देश भर के शहरों से प्रतिदिन निकलने वाले कचरे को हर दिन खत्म करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इसके लिए '3R – रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल की अवधारणा अपनाकर कचरे का निरंतर निस्तारण किया जा रहा है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि नया कचरा कम से कम उत्पन्न हो। हर दिन निकलने वाले विभिन्न प्रकार के कचरे को खत्म करने के लिए कई तरह के अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं, इन्हीं में से एक सर्वश्रेष्ठ अभ्यास सिद्ध हो रही है प्लास्टिक वेस्ट टू रोड कंस्ट्रक्शन की अनोखी पहल।

भारत में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू की गई यह पहल प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता की कहानी है, जिसे स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। इस पहल ने शहरी स्थानीय निकायों को गैर-पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक वेस्ट को शहर के बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से सड़कों के निर्माण में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। वर्तमान में प्लास्टिक वेस्ट का पुनः इस्तेमाल सड़कों के निर्माण में व्यापक रूप से किया जा रहा है और सभी शहरी स्थानीय निकायों को बिटुमेन सड़कों के निर्माण के दौरान प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग करने की सलाह दी गई है। 2015 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरी क्षेत्रों के 50 किमी की परिधि में नेशनल हाईवे (NH) के नवीनीकरण के लिए बिटुमिनस मिक्स में प्लास्टिक कचरे का उपयोग अनिवार्य कर दिया।

SBM-U के तहत देश भर के नगर निगम क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयां और MRF केंद्र स्थापित किए गए, ताकि सड़क निर्माण के लिए निरंतर, संसाधित किए गए प्लास्टिक की आपूर्ति हो सके। प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग सड़क निर्माण में एक प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से किया जाता है, मुख्य रूप से शुष्क प्रक्रिया के माध्यम से, जहां इसे पारंपरिक कोलतार (बिटुमेन) और गिट्टी (एग्रीगेट) के मिश्रण में मिलाया जाता है। इस प्रक्रिया में प्लास्टिक, कोलतार के गुणों को बेहतर बनाता है, जिससे सड़कें अधिक टिकाऊ और जल प्रतिरोधी बनती हैं।

घटिया रेत, सरिया, से बनी बांऊण्डी बाल की दीवार लहरायी

रेल अधिकारियों की संरक्षण में चल रहा गुणवत्ता हीन कार्य

समाज जागरण

नौरोजाबाद --- गुणवत्ता का पैमाना माना जाने वाली रेलवे के निर्माण कार्य भी आज घटिया कार्यों की मंजिलें गढने की इबारतें लिख रहा है, तभी तो रेलवे के निर्माण कार्य भी घटिया पन की बलि चढते नजर आ रहें हैं। कभी रेलवे की गुणवत्ता मानक की मिसाल पेश की जाती रही है, बदलते परिवेश ने रेलवे के निर्माण कार्यो की गुणवत्ता को लील लिया, और रेलवे के निर्माण कार्य भी अत्यंत घटिया पूर्व और कमायी के जरिया बनकर उभरें है। निर्माण कार्यो में गुणवत्ता मानकों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है, नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन में चल रहें बाऊण्डी बाल और नाली निर्माण कार्य को देखने में प्रयुक्त होते वाली घटिया सामग्री हर एक के आंखों में चुफ रही है। लोहे की प्रयुक्त सरिया और मीट्टी युक्त रेत ठेकेदार के घटिया काम की पोल खोल कर रख दी है।ठेकेदार के इन कामों को देखकर लगता है कि यह सिर्फ शासकीय धन राशि को डकारने से ज्यादा कुछ कार्य एजेंसी करना नहीं चाहती। बताया जाता है कि बाऊण्डी बाल में सरिया का प्रयोग धरातल से न कर दो ढाई फीट ऊपर से लगायी गई है, जबकि

किसी भी निर्माण कार्य में ऐसा होता नहीं है। जंग युक्त लोहे की सरिया और मिट्टी युक्त रेत से निर्मित यह बाऊण्डी बाल और नाली की उम्र क्या होगी, इसको लेकर निर्माण काल से ही सवाल उठाये जाने लगे हैं, लेकिन जिन रेलवे के अधिकारियों की जिम्मेदारी घटिया पन कार्य को रोकने की होती है वह तो उन ठेकेदारो की कृपा बरसाते नजर आ रहें हैं।अगर उनकी कृपा भरी दृष्टि न होती तो घटिया निर्माण कार्य में रोक नहीं लगायी जाती है ।रेलवे की बन रही बांऊण्डी बाल की दीवार देखने में वह पूरी तरह से टेढ़ी -मेढ़ी और लहराई हुई नजर आ रही है। यह निर्माण कार्य शासकीय धन राशि की होली खेलने से ज्यादा कुछ साबित नहीं होगा। विदित होवे पिछले दिनों नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन में नव निर्मित ओभर बिज इसी गुणवत्ता हीन होने का दंश आम नागरिक उठा रहे हैं।रेलवे के अधिकारी भी आज के परिवेश ठेकेदारो के जुठन के आदी बन गयें है तभी तो रेलवे जैसे संवेदनशील विभाग में बोर्ड लगाने जैसी आवश्यक पैमाना को लगभग गायब ही कर दिया गया है जिसको देखकर कार्य की मूल भूत जानकारी का आंकलन लगाया जा सकें। यहाँ से शुरू हुआ अनियमितता का खेल आखिर तक छल कपट गुणवत्ता हीन पूरा कर शासकीय धन राशि को हडप कर ठेकेदार चलते बनते हैं और उसकी त्रासदी लोग वर्षों भुगतते रहते हैं। अपेक्षा है कि उच्च रेल प्रबंधन मामले की गंभीरता से लेते हुए गुणवत्ता युक्त कार्य कराने के लिए आवश्यक कदम उठायेगी।

बिजुरी टोल प्लाजा के पास अंधेरे का राज

नेशनल हाईवे-43 पर खतरा- कई महीनों से नहीं जल रही स्ट्रीट सहित हाईमास्क लाइट

समाज जागरण गौरव द्विवेदी

अनूपपुर ।नेशनल हाईवे (NH-43) पर स्थित बिजुरी टोल प्लाजा के पास का क्षेत्र इन दिनों घोर अंधेरे की गिरफ्त में है। बताया जा रहा है कि यहां लगी स्ट्रीट लाइटें कई महीनों से खराब पड़ी हैं और उन्हें ठीक कराने की जहमत टोल प्रबंधन या संबंधित विभाग द्वारा नहीं उठाई गई है।

दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा

यह अंधेरा सड़क उपयोगकताओं के लिए बड़ा खतरा बन गया है। रात के समय, खासकर भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान, यह क्षेत्र पूरी तरह से ब्लैकआउट हो जाता है। टोल प्लाजा पर रुकने वाले यात्रियों, राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अंधेरे के कारण यहां लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।

स्थानीय निवासियों ने कई बार इस समस्या को लेकर शिकायत की है, लेकिन प्रशासन और टोल प्लाजा प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

NH-43: स्ट्रीट लाइटें बंद, टोल प्लाजा के पास अंधेरे का राज कायम

नेशनल हाईवे-43 (NH-43) पर स्थित टोल प्लाजा पर वाहनों से निर्बाध रूप से वसूली जारी है, लेकिन यहां यात्रियों को मिलने वाली सबसे बुनियादी सुविधा - स्ट्रीट लाइट की रोशनी - महीनों से गायब है। टोल प्लाजा के आसपास घने अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

प्रबंधन से जवाब की मांग

लोगों ने संबंधित अधिकारियों और टोल प्लाजा प्रबंधन से तत्काल स्ट्रीट सहित हाईमास्क लाइट लाइटों को चालू कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना के होने से पहले ही स्थिति को सुधारा जा सके।

देश के 14 श्रमिक संगठनों ने किया नई श्रम संहिताओं का स्वागत

– अब दिल्ली में नेशन लेबर एम्प्लॉयमेंट समिट की भी तैयारी , जल्द होगी तारीख की घोषणा

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। देश के 14 श्रमिक संगठनों ने विस्तृत विचार विमर्श के बाद हाल ही में देश में लागू हुए चारों नए श्रम संहिताओं का जोरदार स्वागत किया है। अवगत कराते चलें कि इस संदर्भ में देश के 14 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल ट्रेड यूनियन (कंसेंट) की राष्ट्रीय वर्चुअल बैठक भी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या ने की। देश के प्रमुख संगठनों के शीर्ष प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में हाल में ही देश में लागू हुए चारों नए श्रम संहिताओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

बी.एम.एस. के महामंत्री रविन्द्र हिमते एवं कंसेंट के राष्ट्रीय संयोजक एवं एन. एफ. आई.टी.यू. के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक जायसवाल द्वारा संचालित इस बैठक में बी.एम.एस. के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. सुरेन्द्रन ने सभी संगठन के प्रतिनिधियों को एक्शन प्लान के बारे में मार्गदर्शन दिया।

इस बैठक में मुख्या रूप से बी.एम.एस तथा एन. एफ.आई.टी.यू. के प्रतिनिधियों के साथ-साथ टी.यू.सी.सी. के महासचिव एस.पी. तिवारी, हच.एम.के.पी. से राकेशमणि पाण्डेय, ए.आई.बी.ई.यू. के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण गिरी, फॉरवर्ड सीमेंस यूनियन ऑफ इंडिया के (एफ.एस.यू.आई.) के महासचिव कैप्टेन अतुल इंदुरकर, एच.एम.के.यू. के महासचिव इन्द्रदेव मेहतो, आई.एन.टी.यू.सी. के महासचिव के. के. तिवारी ,सचिव रजनीश सेठ, ई-श्रम कौंसिल ऑफ इंडिया के सचिव शरत नाहक, कश्मीर लेबर यूनियन के अध्यक्ष मो. अशरफ गनी, भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक यूनियन के महासचिव डॉ. परिमल कान्ति मॉडल, नेशनल फेडरेशन ऑफ फिशरी वर्कर्स के महासचिव एन. बालामुरुगन, फाइट फॉर राईट के संयोजक एडवोकेट उमंग बंसल, एन. एफ. आई.टी.यू. के महासचिव डॉ. विराट जायसवाल, सचिव सुनील कुमार और राकेश मालवीय शामिल हुए।

बैठक में इन सभी 14 श्रमिक संगठनों ने एकमत होकर कहा कि चारों नए लेबर कोड का लागू होना देश के श्रमिक वर्ग के लिए एक ऐतिहासिक, परिवर्तनकारी और अत्यंत आवश्यक सुधार है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के संकल्प और प्रयासों का ही परिणाम है। बैठक में सभी संगठनों ने यह भी कहा कि नए श्रम कानून देश के करोड़ों श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं, प्रवासी मजदूरों तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षा मानकों और अधिकारों की मजबूत गारंटी प्रदान करेंगे। प्रतिनिधियों ने इस ऐतिहासिक निर्णय को सही मायने में श्रमिकों की जीत बताते हुए यह भी तय किया गया कि सभी संगठन देशभर में श्रमिकों और युवाओं तक नए कानूनों की सही, सरल और तथ्यात्मक जानकारी पहुँचाने के लिए ना केवल एक व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएँगे बल्कि इसके अंतर्गत ग्राउंड लेवल पर जाकर, सेमिनार, कार्यशालाएँ, नुक्कड़ नाटक, चौपाल, जनसभाएँ और जागरूकता अभियानों का भी आयोजन करेंगे। बैठक में सोशल मीडिया के माध्यम से देशभर के युवा श्रमिकों से सीधे जुड़ने की रणनीति पर भी सहमति बनी और यह महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई कि कंसेंट के सभी 14 राष्ट्रीय संगठनों, नियोक्ताओं, विशेषज्ञों, उद्योगों और नीति-निमार्ताओं को साथ लेकर नई दिल्ली में एक बड़े नेशन लेबर एम्प्लॉयमेंट समिट का आयोजन किया जाएगा। जिसकी प्रारंभिक कार्ययोजना भी तैयार कर ली गई है और तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।

राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति बायोडीजल उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि को बढ़ावा देती है

राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति देश में बायोडीजल सहित विभिन्न जैव ईंधनों के उत्पादन एवं अभिग्रहण को बढ़ावा देती है। सरकार ने बायोडीजल उत्पादन का प्रचार-प्रसार करने की दिशा में कई उपाय किए हैं, जिनमें शामिल हैं: बायोडीजल को डीजल में मिलाने का संकेतक लक्ष्य का निर्धारण/ राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के अंतर्गत बायोडीजल की सीधे बिक्री, 'उच्च गतिशील डीजल के साथ मिश्रण के लिए बायोडीजल की बिक्री के दिशानिर्देश-2019' को अधिसूचित करना, मिश्रण के लिए बायोडीजल की खरीद पर जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना आदि। बायोडीजल मिश्रण कार्यक्रम के माध्यम से जैव ईंधन की राष्ट्रीय नीति किसानों के लिए अवसर उत्पन्न करती है जिससे वे देशी कच्चे माल की आपूर्ति बढ़ा सकें, जैसे कि वृक्ष-जनित तेल (टीबीओ) जैसे कि करंज, नीम, महुआ और पोंगामिया, जो कम उपयोग किए गए या बंजर भूमि के बागानों से प्राप्त होते हैं, जिनमें न्यूनतम निवेश की आवश्यकता होती है और वे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी उग सकते हैं।

वोडाफोन आइडिया टावर का शुभारंभ

समाज जागरण

अमलाई ।वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने अपना नया टावर नगर परिषद बरगवां (अमलाई) के बरगवां क्षेत्र में चालू किया है

यह टावर बरगवां के आस पास के क्षेत्रों में अपनी सेवा देगा जिससे कंपनी की सेवाओं के क्षेत्र का विस्तार हो रहा है

इस टावर के शुभारंभ समारोह में नगर परिषद बरगवां (अमलाई) के उपाध्यक्ष डॉक्टर श्री राज तिवारी जी, वार्ड पार्षद श्री सौरभ जी, वोडाफोन आइडिया के एरिया सेल्स मैनेजर पुष्पेंद्र कुमार जी, क्षेत्रीय अधिकारी अली अकबर जी, डिस्ट्रीब्यूटर राज कुमार जी के साथ मीडिया और बरगवां क्षेत्र के क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे

प्रांतीय संरक्षा दिवस का शुभारंभ

समाज जागरण

अनूपपुर ।भोपाल गैस त्रासदी की दुखद स्मृति में 03 दिसम्बर को अमरकटंक ताप विद्युत गृह चचाई में प्रांतीय संरक्षा दिवस एवम सप्ताह का सुभारंभ

माननीय मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता तनवीर अहमद द्वारा किया गया है, जिसमे विधुत गृह के वरिष्ठ अधिकारी अधीक्षण अभियंता संचालन ओ पी अहिरवार , अधीक्षण अभियंता सेवाएं निषाद , अधीक्षण अभियंता ईटी एंड आई जीतेंद्र , अधीक्षण अभियंता मुख्यालय मनोज सर, मुख्य रसायनज्ञ राजेन्द्र पहुरकर, अभियांतगण, कर्मचारीगण, ठेकाश्रमिक उपस्थित रहे

प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र होने के बावजूद वंचित ग्रामीण ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

समाज जागरण संवाददाता निगोहा

लखनऊ, नगराम प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र होने के बावजूद आवास न मिलने से क्षुब्ध नगराम नगर पंचायत क्षेत्र के निवासी राम अर्जुन सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर नगर पंचायत अधिकारियों व प्रतिनिधियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसके योग्य होने के बावजूद उसे योजनागत लाभ नहीं दिया जा रहा है, जबकि उसका नाम छूटने के पीछे स्थानीय स्तर पर मनमानी और पक्षपातपूर्ण रवैया जिम्मेदार है।पीड़ित राम

अर्जुन सिंह, पुत्र श्री सुंदेश सिंह, वार्ड नम्बर 03 भांटन टोला, नगर पंचायत नगराम के निवासी हैं। भेजे गए पत्र में उन्होंने बताया कि वह वर्षों से दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में पत्नी, 13 वर्षीय बेटा और 15 वर्षीय बेटी सहित कुल चार सदस्य हैं, जो वर्तमान में कच्चे मकान में रह रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष और प्रतिनिधियों द्वारा सरकारी आवास पाने के लिए उनसे अनावश्यक दबाव बनाया गया और रिश्वत जैसी मांगों के संकेत भी दिए गए। उनका कहना है कि ह्लघूस न देने परह्व उनका नाम सूची से हटा दिया गया, जबकि आसपास के कई कम पात्र लोगों को आवास का लाभ दे दिया गया।

पीड़ित के अनुसार, सरकारी रिकॉर्ड में उनके नाम पर कोई पक्की संपत्ति नहीं है, और उनकी आर्थिक स्थिति भी अति कमजोर है, फिर भी स्थानीय अधिकारियों ने रिपोर्ट में उन्हें अपात्र दिखा दिया। पत्र में यह भी कहा गया है कि राजनीतिक कारणों से भी उन्हें योजना से वंचित करने की कोशिश की गई है।राम अर्जुन सिंह ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग करते हुए प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने की अपील की है।

ग्रामीण क्षेत्र में इस मामले को लेकर चचाएं तेज हैं, और स्थानीय लोगों का कहना है कि पात्रों की सूची में मनमानी रोकने के लिए उच्च स्तर पर जांच बेहद आवश्यक है।

खाद्य उपलब्धता को स्थिर करने के उपाय

समाज जागरण

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पूरी खाद्य सुरक्षा को प्रबंधित करने और जमाखोरी तथा बेईमानी से सट्टेबाजी को रोकने के लिए प्रयास किए गए हैं। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी चेन खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसर पर लागू गेहूं पर स्टॉक सीमा तय कर दी है। निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर लाइसेंसिंग आवश्यकताओं, स्टॉक सीमाओं और आवागमन प्रतिबंधों को हटाना (संशोधन) आदेश, 2025 को 27 मई 2025 को जारी किया गया था और यह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए लागू था।

उपभोक्ता मामले विभाग, देश भर में राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन द्वारा केंद्रीय मदद से बनाए गए 555 प्राइस मॉनिटरिंग सेंटर्स द्वारा प्रस्तुत की गई जरूरी खाने की 38 चीजों की रोजाना की कीमतों पर नजर रखता है। कीमतों और इंडिकेटिव प्राइस ट्रेंड्स की डेली रिपोर्ट का ठीक से विश्लेषण किया जाता है ताकि सही फैसले लिए जा सकें, जैसे बफर से स्टॉक रिलीज करना, स्टॉकहोल्डिंग एंटिटी द्वारा स्टॉक डिस्क्लोजर, स्टॉक लिमिट लगाना, ट्रेड पॉलिसी इंस्ट्रूमेंट्स में बदलाव जैसे आयात शुल्क को तर्कयुक्त करना, आयात कोटा में बदलाव, कमोडिटी के निर्यात पर रोक इत्यादि। अंतर-मंत्रालय समिति (क्टउ) नियमित आधार पर पर जरूरी कृषि-बागानी कमोडिटीज की कीमतों और कीमतों के रुझानों की स्थिति की समीक्षा और विचार-विमर्श करती है और घरेलू उत्पादन बढ़ाकर और आयात के जरिए उपलब्धता बढ़ाने के उपाय सुझाती है।

इसके अलावा, समाज के कमजोर वर्ग के लिए अनाज की पहुंच और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने 1 जनवरी 2024 से अगले पांच साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को उनकी पात्रता के अनुसार (अर्थात अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवार को प्रति माह 35 किलोग्राम अनाज और प्राथमिकता वाले परिवारों के मामले में प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम अनाज) मुफ्त अनाज प्रदान करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और रीस्ट्रक्चर्ड वेदर बेस्ड क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की फ्लैगशिप स्कीम है, जिसे 2016 में शुरू किया गया। इसका उद्देश्य किसानों को बुवाई से पहले से लेकर कटाई के बाद तक अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से बचाना और फसल नुकसान होने पर किसानों को काफी वित्तीय सहायता देना है।

इको प्वाइंट के पास सड़क किनारे मिला अधेड़ का शव, नहीं हो सकी पहचान

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के ईको प्वाइंट वीर लोरिक पत्थर के पास सड़क किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला है। यह सूचना 4 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 10:15 बजे पुलिस को मिली, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मृतक कंबल ओढ़े पड़ा हुआ था। उसकी उम्र लगभग 55 वर्ष बताई जा रही है। उसके सिर और दाढ़ी के बाल पके हुए थे। उसने हरे रंग का स्वेटर पहना था जिस पर सफेद और काले रंग की धारीदार पट्टी थी, साथ ही सफेद पैंट भी पहनी हुई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या आधार कार्ड नहीं मिला। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि व्यक्ति की मृत्यु ठंड के कारण हुई है। चौकी प्रभारी लोढ़ी, थाना राबर्ट्सगंज, सोनभद्र ने बताया कि शव की पहचान के प्रयास जारी हैं और कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

थाना ओबरा पुलिस ने साइबर फ्रॉड हुए 10,000 रुपये पीड़ित को कराए वापस

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के दिशा-निर्देशन में, थाना प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना के कुशल नेतृत्व में थाना ओबरा साइबर टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

आवेदक तनिष्क सिंह पुत्र बल्लू राम सिंह निवासी परसौजा थाना पहाड़ी जिला चित्रकूट, जो टेलीग्राम ग्रुप से जुड़कर ट्रेडिंग कर रहा था तथा उससे छलपूर्वक कुल 17,000/- रुपये की धनराशि का साइबर फ्रॉड किया गया है। सूचना प्राप्त होते ही थाना साइबर टीम द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्यवाही की गई। टीम द्वारा संबंधित बैंक से समयबद्ध पत्राचार, खाते पर तत्काल होल्ड एवं निर्धारित प्रारूप में नोटिस जारी करते हुए फ्रॉड की गई धनराशि 10,000/- को सफलतापूर्वक आवेदक के मूल खाते में वापस कराया गया। पीड़िता द्वारा इस त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) तथा साइबर क्राइम पुलिस थाना, ओबरा की टीम की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

राजस्व ग्राम-मारकुण्डी में जन चौपाल का आयोजन 5 दिसम्बर को

आयोजित जन चौपाल में जिला स्तरीय अधिकारी समस्त सूचनाओं के साथ ससमय रहेंगे उपस्थित- जिलाधिकारी

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने अवगत कराया है की शासन द्वारा जन कल्याणकारी / विकास योजनाओं का समयबद्ध एवं पूर्ण कियान्वयन, उनका लाभ जनता तक पहुंचाने तथा भयमुक्त समाज की स्थापना हेतु कानून व्यवस्था की समीक्षा / विकास कार्यक्रमों का स्थलीय निरीक्षण किये जाने के निर्देश क्रम में 05 दिसम्बर 2025 को समय अपरान्ह 12:30 बजे से तहसील- राबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत, राजस्व ग्राम-मारकुण्डी में जन चौपाल आयोजित किया जायेगा।

आयोजित जन चौपाल में जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वह ग्राम-मारकुण्डी में आयोजित जन चौपाल में समस्त सूचनाओं के साथ ससमय उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के सम्बन्ध में अध्यक्ष / सचिव समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के साथ बैठक 06 दिसम्बर को

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है की मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र०, लखनऊ के निदेर्शानुसार निर्गत संशोधित समय सारिणी के अनुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की कार्यवाही गतिमान है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के सम्बन्ध में अध्यक्ष / सचिव समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल, जनपद सोनभद्र के साथ जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी बी0 एन0 सिंह की अध्यक्षता में 06 दिसम्बर 2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी है। उन्होंने बैठक में संबंधित को ससमय प्रतिभाग करने को कहा है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण योजना को लागू करना

समाज जागरण

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय देश में नए सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को शुरू करने/अपग्रेड करने के लिए वित्तीय, तकनीकी और व्यवसाय समर्थन देने के लिए के केंद्र प्रायोजित "प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण (पीएमएफएमई) स्कीम" को लागू कर रहा है। इस स्कीम का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के असंगठित क्षेत्र में माइक्रो-एंटरप्राइजेज की स्पर्धा क्षमता को बढ़ाना और क्षेत्र को औपचारिक रूप देने को बढ़ावा देना है। पीएमएफएमई स्कीम के तहत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को मिलने वाली आर्थिक सहायता का विवरण अनुलग्नक में हैं।

पीएमएफएमई योजना के तहत, 31 अक्टूबर 2025 तक 1363 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), 236 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और 1,61,072 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी के लिए ऋण स्वीकृत किए गए हैं।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में वोकल फॉर लोकल (स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन) पहल को बढ़ावा देने के लिए, पीएमएफएमई योजना मुख्य रूप से देश के सभी जिलों में संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) दृष्टिकोण को अपनाती है। इस पहल का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक आर्थिक विकास को सक्षम करने के लिए देश के प्रत्येक जिले (एक जिला एक उत्पाद) से कम से कम एक उत्पाद का चयन, ब्रांडिंग और प्रचार करना है। ओडीओपी पहल के तहत, सभी उत्पादों का चयन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा व्यवहारिक धरातल पर मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र, जिलों के तहत पहचाने गए उत्पादों को ध्यान में रखकर किया गया है। इस स्कीम के तहत ऋक्र-टैग वाले उत्पादों सहित 35 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 726 ज़िलों के लिए ओडीओपी को मंजूरी दी गई है।

पीएमएफएमई स्कीम ग्रामीण आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और वैल्यू चेन को मजबूत करने के लिए मुख्य प्रेरक का काम करती है। यह माइक्रो-एंटरप्राइज को बढ़ाकर और उन्हें औपचारिक बनाकर, स्थानीय रोजगार उपलब्ध करके, खासकर एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों और कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए, और उद्यमिता को बढ़ावा देकर काम करती है। यह फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करके, प्रोसेसिंग एफिशिएंसी बढ़ाकर, ओडीओपी और अन्य कृषि खाद्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाकर और पूरे साल सुरक्षित, पौष्टिक खाना उपलब्ध कराकर खाद्य सुरक्षा में सुधार करती है। यह स्कीम ज़िले के हिसाब से ओडीओपी हस्तक्षेप को बढ़ावा देकर, क्रेडिट और क्षमता निर्माण के जरिए प्रौद्योगिकी अपनाने में मदद करके, कुशल एग्रीगेशन और प्रोसेसिंग के लिए साझा अवसंरचना बनाकर, और ई-कॉमर्स, रिटेल और इंस्टीट्यूशनल खरीदारों के साथ लिंकेज के जरिए बेहतर बाजार एकीकरण को मुमकिन बनाकर वैल्यू चेन को भी मजबूत करती है।

खलियारी स्थित माँ विंध्यवासिनी मंदिर परिसर के आसपास गंदगी का अंबार, बदबू से श्रद्धालु परेशान

प्रशासन द्वारा आज तक गांव में सफाईकर्मी की नही की गई है व्यवस्था

ब्यूरो समाज जागरण

खलियारी/ सोनभद्र। स्थानीय ग्राम पंचायत में विंध्यवासिनी मंदिर के पास गंदगी का अंबार, बदबू से श्रद्धालु परेशान, कई वर्षों से सफाई कर्मचारी कि तैनाती नहीं। सोनभद्र जिले के नगवां ब्लॉक स्थित खलियारी मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर के पास भारी गंदगी का अंबार लगा है, इससे उठ रही बदबू के कारण श्रद्धालुओं और स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव और बाजार में भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है। यही समस्या कई वर्षों से बनी हुई है, क्योंकि खलियारी गाँव में कोई सफाई कर्मचारी कि नियुक्ति नहीं किया गया है। करीब तीन हजार से अधिक आबादी वाले इस गांव में सफाई कर्मचारी नहीं से स्थिती खराब हो गई है। मंदिर के परिसर के आस पास रुकना और वहां से गुजरना भी दुभर हो गया है। खलियारी के प्रबुद्ध समाजसेवी डॉक्टर पीएन पाण्डेय ने बताया कि इन हालातों में मंदिर परिसर में जाना दुर्लभ हो गया है। उन्होंने ने नाराजगी भी जाहिर करते हुए कहा कि जिस गांव कि आबादी पांच सौ से लेकर एक हजार तक आबादी है वहां पर सफाई कर्मी तैनात हैं। ग्राम पंचायत खलियारी के प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप कुमार जायसवाल ने बताया कि उनके पांच साल के कार्यकाल में आज तक सफाई कर्मचारी कि नियुक्ति नहीं हुई है, जबकि उन्होंने बताया कि सैकड़ों बार ब्लॉक अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया गया है। इस संबंध में नगवां ब्लॉक के एडीओ पंचायत कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि सफाई कर्मचारी कि तैनाती के लिए डीपीआरओ सोनभद्र को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही सफाई कर्मचारी उपलब्ध होंगे, उन्हें तत्काल खलियारी में तैनात किया जाएगा। तब तक के लिए उन्होंने ने मंदिर और बाजार कि साफ सफाई के लिए एक टीम गठित कराने के निर्देश दिए हैं।

पन्नूगंज पुलिस द्वारा फरार चल रहे 03 नफर वारण्टी अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के कुशल निर्देशन में थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्तों / वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा दिनांक 04.12.2025 को वांछित वारण्टी / अभियुक्तगण को उनके आवास से कारण गिरफ्तारी बताते हुए विधिक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

(1) मु0अ0सं0 289/2019 धारा 498अ भादवि व 4 डीपी एक्ट, थाना पन्नूगंज 01.दीना पुत्र स्व. रामदुलारे निवासी - ग्राम चन्द्रपुरवा, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र उम्र - लगभग 55 वर्ष। 02.चन्द्रवाती पत्नी दीना निवासी - ग्राम चन्द्रपुरवा, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र उम्र - लगभग 52 वर्ष, उपरोक्त दोनों अभियुक्तगण को उनके घर ग्राम चन्द्रपुरवा से गिरफ्तार किया गया।

(2) मु0अ0सं0 1201/2010 धारा 419, 420, 467, 468 भादवि, थाना पन्नूगंज* अभियुक्ता– 03. लालती देवी पत्नी उमाशंकर देव पाण्डेय मूल निवासी - बरवाडीह, थाना चकरघट्टा, जनपद चन्दौली वर्तमान पता - ग्राम विठगांव, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र उम्र - लगभग 58 वर्ष उक्त अभियुक्ता को उसके वर्तमान आवास ग्राम विठगांव से गिरफ्तार किया गया।

थाना ओबरा पुलिस ने साइबर फ्रॉड हुए 20,000/- रुपये पीड़ित को कराए वापस

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के दिशा-निर्देशन में, थाना प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना के कुशल नेतृत्व में थाना ओबरा साइबर टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

आवेदक सद्दाम हुसैन पुत्र अकबर अली निवासी पोखरी कला पोस्ट सरईडीह थाना बरवाडीह जिला लातेहार झारखण्ड के माध्यम से NCRP Portal पर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक का कुल 20,000/- रुपये की धनराशि का साइबर फ्रॉड किया गया है। सूचना प्राप्त होते ही थाना साइबर टीम द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्यवाही की गई। टीम द्वारा संबंधित बैंक से समयबद्ध पत्राचार, खाते पर तत्काल होल्ड एवं निर्धारित प्रारूप में नोटिस जारी करते हुए फ्रॉड की गई धनराशि को दिनांक 29.11.2025 को रुपये 5,000/- व दिनांक 04.12.2025 को 15,000/- रुपये को सफलतापूर्वक आवेदक के मूल खाते में वापस कराया गया। पीड़िता द्वारा इस त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) तथा साइबर क्राइम पुलिस थाना, ओबरा की टीम की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

टैंकर-पिकअप में जोरदार टक्कर, 5 भैंस गंभीर रूप से घायल, पुलिस राहत बचाव कार्य में जुटी

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र में गुरुवार की भोर में एक टैंकर और पिकअप की जोरदार भिड़ंत हो गई। रानीताली क्षेत्र स्थित ककरोहिया पुलिया के पास हुई इस दुर्घटना में पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उस पर लदी पांच भैंसें गंभीर रूप से घायल हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार, वाराणसी-शक्तिनगर हाईवे पर एक पिकअप वाहन भैंसों को लादकर हाथीनाला से डाला की ओर जा रहा था। ककरोहिया पुलिया के पास ओवरटेक करने के प्रयास में पिकअप की टैंकर से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप अपनी विपरीत दिशा में जाकर सड़क पर पलट गई। दुर्घटना के बाद, दोनों वाहनों के चालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए। सड़क पर खून से लथपथ और घायल अवस्था में तड़पती भैंसों को देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही हाथीनाला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 09 नफर अभियुक्तगण के विरुद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 04.12.2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही में कुल 09 नफर अभियुक्तगण को हिरासत पुलिस में लेकर माननीय न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्त 1.पंकज कुमार पुत्र संदीप निवासी ढठवा थाना चकरघट्टा जनपद चन्दौली उम्र करीब 35 वर्ष। 2.सोनू सिंह पुत्र पारस निवासी हनुमानपुर थाना चकरघट्टा जनपद चन्दौली उम्र करीब 18 वर्ष। 3.गुड्डू पुत्र कमला निवासी मलेवर ताना नौगढ़ थाना चन्दौली उम्र करीब 38 वर्ष। 4.राजू सिंह पुत्र स्व0 वंशीधर सिंह निवासी ग्राम बट थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष। 5.संतोष पुत्र हरिहर निवासी नागनार हरैया थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष। 6.भानु सिंह पुत्र स्व0 वंशीधर सिंह निवासी ग्राम बट थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 7.राज सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी ग्राम बट थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 18 वर्ष। 8.मनीष कुमार पुत्र स्व0 उमाशंकर प्रसाद निवासी न्यू कॉलोनी चौकी कस्बा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष। 9.पियूष कुमार शर्मा पुत्र विमलेश कुमार शर्मा निवासी गोरडिहा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष।

जिलाधिकारी द्वारा जी0बी0सी0. 5.0 के लक्ष्य प्राप्ति एवं प्रगति कार्यो की अद्यतन स्थिति, की गयी समीक्षा बैठक

शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य 20000 करोड़ के सापेक्ष जनपद के विभिन्न विभागों को लक्ष्य किया गया आवंटित

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जी०बी०सी० 5ण0 के लक्ष्य प्राप्ति एवं प्रगति कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा बैठक किये। बैठक में उन्होंने कहा कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5ण0 ;जीबीसी-5.0 हेतु शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य 20000 करोड़ के सापेक्ष जनपद के विभिन्न विभागों को लक्ष्य आवंटित करते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों से वातार्कार लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस दौरान पूर्व के वर्ष में हुई प्रगति की भी गहनता पूर्वक समीक्षा की गयी। उन्होंने कहा कि राज्य को 01 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए निवेश प्रोत्साहन एवं परियोजना क्रियान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5-0 (GBC-5.0) का आयोजन माह दिसम्बर,2025 में प्रस्तावित है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 जी0बी0सी0 5.0 के लक्ष्यों का निर्धारण विभागवार एवं जनपरवार किया गया है। दोनों स्तरों पर लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दियें गये। इस मौके पर उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र सोनभद्र विनोद कुमार चौधरी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 अजय मिश्राए उद्यमी मित्र नितीन प्रकाश सहित सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

संकोच टूटा, समाधान आया: बागपत बना री-यूजेबल पैड मॉडल लागू करने वाला पहला जिला

जिलाधिकारी आईएएस अस्मिता लाल ने किया 'निरा' मुहिम का शुभारंभ — बेटियों को मिला आत्मविश्वास और खुलकर बोलने का साहस

- प्लास्टिक कचरे के खिलाफ बड़ी जीत—निरा ने 90% तक प्लास्टिक कचरा घटाने की दी उम्मीद

- महंगी पैड से मुक्ति, पर्यावरण की सुरक्षा, और सम्मान की गारंटी—बागपत का निरा मॉडल बना उम्मीद की किरण

- नई सोच से बदली दिशा: बेटियों की छोटी शिकायत बनी बड़ा समाधान, जन्म लिया निरा ने

- जहाँ चुप्पी थी, वहाँ अब जागरूकता है—बागपत की निरा मुहिम ने माहवारी पर बातचीत को बनाया आसान

- महंगाई, संक्रमण और कचरे की चुनौती का एक ही जवाब—बागपत का निरा मॉडल

समाज जागरण

बागपत, 04 दिसंबर 2025 – बागपत जिले में आज वह नई सोच गूंजी जिसने महिलाओं और किशोरियों की दैनिक संघर्ष से जुड़ी एक बड़ी समस्या को सुशासन, संवाद और समाधान के साथ जोड़ दिया।

जिलाधिकारी आईएएस अस्मिता लाल ने आज बड़ौत से ह्यनिराह्न मुहिम का शुभारंभ किया, जो देश में पहली बार 100% कॉटन आधारित, पुनःप्रयोग योग्य, प्लास्टिक-रहित सेनेटरी पैड मॉडल को जनपद में लागू करने की पहल है। यह वह मुहिम है जिसका जन्म एक संवाद से हुआ जब एक बालिका ने मिशन शक्ति कार्यक्रम में धीमी आवाज में कहा था, ह्नमैडम, पैड महंगा होता है। यह एक वाक्य प्रशासन के लिए एक नई यात्रा की शुरूआत सिद्ध हुआ और निरा मुहिम साकार हुई।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह शुरूआत भर है, और बागपत की हर बेटी और महिला को सुरक्षित, स्वस्थ और संकोचमुक्त माहवारी देने का संकल्प आगे भी जारी रहेगा। उपस्थित बेटियों एवं महिलाओं के चेहरे पर आत्मविश्वास से भरी मुस्कान, निरा मुहिम की सफलता का प्रतीक बनी। बड़ौत के रविदास मंदिर के निकट वार्ड संख्या 01 में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष बबीता तोमर, एसडीएम बड़ौत भावना सिंह, डिप्टी कलेक्टर मनीष यादव, यूनिसेफ इंडिया टीम से गरिमा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें, शिक्षक, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ, सफाई कर्मी, छात्राएँ और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल आशा, संवेदनशीलता और नई दिशा से भरा था। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने स्वयं 225 महिलाओं और किशोरियों को ह्यनिराह्न पैड प्रदान किए और विशेष रूप से वहां उपस्थित पुरुषों को भी पैड देकर यह संदेश दिया कि माहवारी केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

ह्यनिराह्न का उद्देश्य पैड देने के साथ साथ महिलाओं की गरिमा, स्वास्थ्य, आर्थिक राहत और पर्यावरणीय सुरक्षा को केंद्र में रखना है। ग्रामीण क्षेत्रों में महंगे पैड न खरीद पाने की समस्या, असुरक्षित साधनों जैसे कपड़ा या खराब गुणवत्ता वाले पैडों के उपयोग से होने वाले संक्रमण, और डिस्पोजेबल पैड्स के कारण बढ़ता कचरा पहले से ही बड़ा संकट था। अनुमान बताते हैं कि बागपत जिले में हर महीने कई लाख डिस्पोजेबल पैड उपयोग होते हैं, जो सालाना बड़ी संख्या में प्लास्टिकयुक्त कचरा पैदा करते हैं। ये पैड नालियों को जाम करते हैं, खेतों में फेंके जाने पर मिट्टी को प्रदूषित करते हैं, इन्हें जलाने पर जहरीला धुआँ हवा में फैलता है और सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। एक डिस्पोजेबल पैड को नष्ट होने में 500 से 800 साल तक लगते हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि यह न केवल महिला स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण और स्वच्छता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

इसी पृष्ठभूमि में ह्यनिराह्न इन समस्याओं का स्थायी समाधान प्रस्तुत करता है। 100% कॉटन से बना यह पैड पूरी तरह प्लास्टिक-रहित और केमिकल-रहित है, जिसे 2 से 3 वर्षों तक सुरक्षित रूप से उपयोग किया जा सकता है। इसका कपड़ा त्वचा के अनुकूल है, जिससे संक्रमण, जलन और रैशेज जैसे जोखिम कम होते हैं। यह मॉडल पर्यावरण को लगभग 80 से 90 प्रतिशत तक कचरे मुक्त बना सकता है। बागपत प्रशासन के अनुसार यह पहल न केवल कचरा प्रबंधन को सरल बनाएगी बल्कि नालियों, खेतों और कूड़ा स्थलों पर फैले खतरनाक कचरे में भारी कमी लाएगी। इससे सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार होगा क्योंकि अब मेंस्ट्रुअल वेस्ट में कमी आएगी।

लॉन्च कार्यक्रम में महिलाओं और किशोरियों ने पहली बार बिना संकोच अपने सवाल रखे—कैसे उपयोग करना है, कैसे धोना-सुखाना है, स्कूल में क्या करना चाहिए, संक्रमण से कैसे बचना है आदि। जिलाधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी प्रश्नों के सरल, स्पष्ट और वैज्ञानिक उत्तर दिए। प्रशासन द्वारा तैयार किए गए पोस्टर और गाइड भी वितरित किए गए, ताकि हर महिला को इससे संबंधित सभी आवश्यक जानकारी मिल सके। यह दृश्य बागपत में संकोच टूटने और संवाद की शुरूआत का प्रतीक बना।

कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला स्वास्थ्य और माहवारी जागरूकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्ज की। इसने समाज के भीतर सम्मान, संवाद और संवेदनशीलता की एक नई विचारधारा स्थापित की। पुरुषों की सक्रिय उपस्थिति यह संकेत थी कि बागपत में अब माहवारी को लेकर चुप्पी टूट रही है और इसे सहयोग, समझ और सम्मान से देखा जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि निरा को एक पायलट परियोजना के रूप में लागू किया जा रहा है और आने वाले दिनों में बेटियों और महिलाओं से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर इसे पूरे जिले में विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भविष्य में पैड निर्माण से जोड़ने पर विचार किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय रोजगार भी मिलेगा। विद्यालयों में किशोरियों के लिए विशेष निरा किट उपलब्ध कराने की भी योजना है, जिसमें पैड्स के साथ स्वच्छता पुस्तिकाएँ भी होंगी।

जिलाधिकारी आईएएस अस्मिता लाल के नेतृत्व में बागपत प्रशासन पहले भी ह्यहमारी बेटी हमारी कुलदीपक और आंचल ब्रेस्टफीडिंग बूथ जैसी पहलों के माध्यम से मिशन शक्ति को नई दिशा देता रहा है। निरा मुहिम इन प्रयासों की अगली कड़ी है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरणीय संतुलन के बीच अद्भुत सामंजस्य स्थापित करती है। यह पहल बताती है कि जब सुशासन वास्तविक संवाद से जुड़ता है और महिला शक्ति प्राथमिकता बनती है, तब समाज में स्थायी परिवर्तन आता है।

आज बागपत में महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान, पुरुषों की समझ बढ़ने की स्वीकारोक्ति और प्रशासन की प्रतिबद्धता ने यह संदेश दिया कि ह्यनिराह्न सिर्फ एक पैड नहीं, बल्कि एक वादा है—सम्मान का, सुरक्षा का, पर्यावरण बचाने का, और उन आवाजों को महत्व देने का जो अक्सर अनसुनी रह जाती थीं।

निरा मुहिम ने यह साबित किया है कि बागपत न केवल परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है, बल्कि नए विचार, नई संवेदनशीलता और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है—एक ऐसे भविष्य की ओर जहाँ संवाद से समाधान जन्म लेते हैं और महिला शक्ति भी प्रगति का आधार बनती है।

इस अवसर पर एसडीएम बड़ौत भावना सिंह ,डिप्टी कलेक्टर मनीष कुमार यादव ,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बड़ौत मनोज रस्तोगी ,चेयरपर्सन बबीता तोमर यूनिसेफ से गरिमा सहित आदि उपस्थित रहे।

सूचना विभाग, बागपत

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष पर रंगदारी का मामला दर्ज, निष्पक्ष जांच की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज में कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष तौसीफ अंजर पर नगर परिषद वार्ड संख्या 16 के पार्षद अंजार आलम ने रंगदारी मांगने का मामला थाना में दर्ज करवाया है।जिसके बाद राजनीति पूरी तरह गर्म हो चुकी है।कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष तौसीफ अंजर ने इस पूरे मामले पर कहा कि जिस शादी समारोह में धमकी देने का आरोप अंजार आलम द्वारा उनके ऊपर लगाया गया है, वहां सीसीटीवी कैमरा मौजूद है, उसकी जांच के बाद दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। तौसीफ अंजर ने

कहा कि उनके द्वारा वार्ड में काम को लेकर एक फ्ळकनगर परिषद में दायर किया गया था, इसी वजह से राजनैतिक साजिश के तहत इस तरह का आरोप लगाया जा रहा है।मेरी मांग है कि मामले की जांच वरीय पुलिस अधिकारी करे क्योंकि मैने पूर्व में भी टाऊन थाना में सनहा दर्ज करवाया था।

झरहा गांव में छापेमारी : 90 लीटर देशी शराब और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

कुटुंबा (बिहार) औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना पुलिस ने अवैध शराब के

विरुद्ध बड़ी कारवाई किया है थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर झरहा गांव में छापेमारी कर पुलिस ने 90 लीटर देशी टनाका शराब और 750 मिलीलीटर रॉयल चैलेंज विदेशी शराब बरामद की है। इसके अलावा एक पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त किया गया है। शराब तस्कर मोटरसाइकिल छोड़कर भागने में सफल रहा।पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई थी। बरामद शराब को जब्त कर थाना लाया गया है और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आरबीएसके के तहत दो बच्चे आईजीआईएमएस पटना के लिए रवाना

जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहे इंटेरा बेगम और हसमत रजा को मिलेगी उच्च स्तरीय जांच व उपचार की सुविधा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज जैसे सीमांत जिले में स्वास्थ्य सेवाएँ हमेशा चुनौतीपूर्ण रही हैं। वर्षों तक जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए उच्चस्तरीय उपचार तक पहुँचना किसी दूर के सपने से कम नहीं था। आर्थिक तंगी, जागरूकता की कमी और बड़े चिकित्सा संस्थानों तक पहुँच न होने के कारण कई परिवार अपने बच्चों की धड़कनों को धीरे-धीरे कमजोर होते देखते रहने को मजबूर थे।लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह तस्वीर बदली है और इसके केंद्र में है राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (फ्इरड), जिसने जिले में जन्मजात हृदय रोग के उपचार को सुलभ, सरल और निःशुल्क बनाया है। जिला फिर एक नई उम्मीद लेकर आगे बढ़ा है। क्योंकि आरबीएसके की पहचान एवं त्वरित कार्रवाई से दो और नन्हे दिल इंटेरा बेगम और हसमत रजा को जीवन बचाने वाली चिकित्सा तक पहुँचाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन्हें आज सदर अस्पताल किशनगंज से सुरक्षित रूप से आईजीआईएमएस, पटना रवाना किया गया, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सक इनके हृदय संबंधी विकारों की विस्तृत जांच करेंगे और फिर आवश्यक उपचार की दिशा तय करेंगे।

जाँच से लेकर इलाज तक सरकार की पूर्ण जिम्मेदारी

दोनों बच्चों की पहचान आरबीएसके टीम ने नियमित स्कूल एवं घर-आधारित स्क्रीनिंग के दौरान की थी।

चिकित्सकीय मूल्यांकन से पुष्टि होने के बाद जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा इलाज के लिए तत्काल रेफरल दिया गया। उल्लेखनीय है कि जन्मजात हृदय रोग का उपचार महंगा और जटिल होता है, लेकिन सरकार इस पूरी प्रक्रिया का आर्थिक बोझ स्वयं उठाती है।आईजीआईएमएस में विस्तृत जांच के बाद दोनों बच्चों को आवश्यकता अनुसार श्री सत्य साईं हार्ट हॉस्पिटल अहमदाबाद या इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान (IGIC) में भेजा जा सकता है। अब तक जिले के 31 बच्चे बाल हृदय योजना के माध्यम से सफलतापूर्वक उपचार प्राप्त कर चुके हैं, जिससे यह जिला बिहार के अग्रणी जिलों में शामिल हो गया है जहां आरबीएसके की सफलता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

समय पर पहचान से बचाई जा सकती हैं अनगिनत जिंदगियां

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि जन्मजात हृदय रोग के लक्षण बहुत सामान्य दिखते हैं जिसमें थकान, दूध न पी पाना, सांस फूलना, वजन न बढ़ना,लेकिन यही संकेत समय पर पहचाने जाएँ, तो जीवन बचाने का बड़ा अवसर मिलता है।उन्होंने कहा कि जिले में आरबीएसके टीम बेहद सक्रिय है और हम लगातार ऐसे बच्चों की पहचान कर रहे हैं जिन्हें तत्काल मदद की आवश्यकता है। इंटेरा और हसमत का इलाज पूरी तरह सरकारी खर्च पर होगा। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा देर से पहचान के कारण अपना भविष्य न खोए। डॉ. चौधरी ने यह भी जोड़ा कि जिले के सभी प्रखंडों में स्क्रीनिंग तेज की गई है और माता-पिता से अपील है कि वे बच्चों के स्वास्थ्य में किसी भी असामान्यता को हल्के में न लें।

जाँच में देरी न करें, सरकार आपके साथ है

जिलाधिकारी विशाल राज ने इस अवसर पर अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि जन्मजात हृदय रोग का समय पर उपचार तभी संभव है जब परिवार तुरंत जाँच करवाए। उन्होंने कहा कि सरकार हर तरह की सहायता दे रही है। किसी भी परिवार को आर्थिक कारणों से इलाज टालने की आवश्यकता नहीं है। यदि बच्चे में सांस लेने में कठिनाई, थकान, बार-बार बीमार होना या त्वचा के नीलेपन जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत आरबीएसके टीम से संपर्क करें। बच्चों का जीवन अनमोल है, इसे जोखिम में न डालें।जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जिले में समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें अभिभावकों को अवश्य भाग लेना चाहिए।

आरबीएसके का प्रयास—वंचित इलाकों में जीवन और उम्मीद पहुंचाने का मिशन

जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ मुनजिम ने कहा कि आरबीएसके ने पिछले महीनों में जिले के ठाकुरगंज, बहादुरगंज, पोठिया और कोचाधामन जैसे प्रखंडों में व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाया है। इससे ऐसे बच्चों की पहचान में वृद्धि हुई है जिनके हृदय के उपचार की अत्यंत आवश्यकता है।कार्यक्रम की विशेषता यह है कि बच्चों की पहचान, अस्पताल रेफरल, इलाज, दवा, जांच, यात्रा और रहने तक का हर खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार भी अपने बच्चों को सर्वोच्च स्तरीय चिकित्सा उपलब्ध करा पा रहे हैं।इंटेरा बेगम और हसमत रजा का आज का रेफरल यह प्रमाण है कि जिले में अब जन्मजात हृदय रोग किसी बच्चे के भविष्य के सामने दीवार नहीं बन पाएगा। यह उम्मीद, स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा का निरंतर चल रहा अभियान है—जो जिले के हर परिवार तक पहुँचने के लिए प्रतिबद्ध है।

नबीनगर में अवैध क्लीनिक संचालकों पर छापेमारी कई संचालक बंद कर हुए फरार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) गुरुवार को नबीनगर में अवैध रूप से चल रहे क्लीनिक संचालकों एवं दवा दुकानों में प्रशासन द्वारा छापेमारी से अवैध संचालकों में हड़कंप मच गया। अवैध क्लिनिकों और दवा की दुकानों पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई किया है।अधिकारियों ने दास मोहल्ला जनकपुर पोखरा के नजदीक

डॉ शाहीद हुसैन की क्लीनिक, अयान मेडिकल और शाना मेडिकल को सील कर दिया है। छापेमारी के दौरान कई अवैध क्लीनिक संचालक क्लीनिक बंद कर फरार हो गए।इस कार्रवाई में प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण सिंह, रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अभय कुमार, थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय, इस आई संजय कुमार, बीएचएम संतोष कुमार, मुकेश कुमार सिंह, सुनील कुमार सहित अन्य पदाधिकारी कर्मी और पुलिस बल के जवान मौजूद थे। बीडीओ अरुण सिंह और चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अभय कुमार ने बताया कि प्रशासन को लगातार इन अवैध क्लीनिक संचालकों के निरुद्ध शिकायत मिल रही थी।अवैध क्लिनिकों पर कार्रवाई का उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ रोकना है। प्रशासन की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पटना के पालीगंज में हुई सर्पदंश से किशोरी की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र के गुलीडार गांव में सर्पदंश से एक किशोरी की मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार पटना जिले के पालीगंज थाना अंतर्गत गुलीटार गांव निवासी बंसी चौहान के 15 वर्षीय पुत्री अंजली कुमारी घर मे रैक पर रखे तेल का डब्बा उतारने के लिए जैसे ही हाथ बढ़ाया की उसय दौरान रैक पर बैठ विषधर सर्प ने उसे डँस लिया। जिसके बाद परिजनों ने उसे इलाज के लिए पालीगंज अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसकी शव गांव पहुंचते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। इस तरह की घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ है। अचानक बेटी को चले जाने के सदमे में माँ की हाल बहुत खराब हो चुकी है। जबकि पूरे परिवार के बीच कोहराम मचा हुआ है।

पटना पुलिस ने किया धर्मविरुद्ध वीडियो वायरल करने के जुर्म में एक को गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत लाला भदसारा गांव में बुधवार की रात धर्मविरुद्ध वीडियो प्रसारण के आरोप में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान लाला भदसारा गांव निवासी राम भवन मोची के 25 वर्षीय पुत्र निराला कुमार के रूप में हुई है। गांव में ऐसे वीडियो वायरल होने से ग्रामीणों में नाराजगी और तनाव की स्थिति बन गई थी। जिसके बाद दुल्हिन बाजार पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। थानाध्यक्ष सोनू कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात छापेमारी कर आरोपी को हिरासत में लिया। इस कार्रवाई में एसआई आयुष कुमार, योगेंद्र

सिंह, विजय सिंह सहित शस्त्रबल पूरी तत्परता से मौजूद रहा। पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो की तकनीकी जांच कराई जा रही है और पूरे मामले को गंभीरता से लिया गया है। थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने कहा कि मामले में ठोस कदम उठाया जाएगा और किसी भी कीमत पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी अपील की कि लोग किसी भी धर्म विरोधी या भड़काऊ गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। पुलिस की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

पटना में मवेशी बांधने के आरोप में चली गोलीबारी के दौरान दो घायल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बख्तियारपुर प्रखंड के माधोपुर गांव में बुधवार की देर शाम मवेशी बांधने को लेकर हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। देखते-देखते स्थिति इतनी बिगड़ गई कि फायरिंग तक हो गई जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की शुरूआत सुबह हुई जब सोनेलाल यादव और उनके तीन पुत्रों का अनिल यादव और उनके बेटों के साथ मवेशी बांधने को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच जोरदार बहस हुई और माहौल गर्म हो गया। हालांकि ग्रामीणों और परिवार के बुजुर्गों ने हस्तक्षेप कर विवाद का समझौता करा दिया। लेकिन यह शांति केवल कुछ घंटों की ही साबित हुई, क्योंकि शाम होते-होते तनाव फिर बढ़ने लगा। शाम के समय दोनों पक्ष फिर एक-

दूसरे के आमने-सामने आ गए। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बात हाथापाई से आगे बढ़कर फायरिंग तक पहुंच गई। फायरिंग की चपेट में आने से अनिल यादव के दोनों बेटे आकाश और आरवी कुमार घायल हो गए। गोली लगने के बाद गांव में भगदड़ मच गई और लोग अपनी सुरक्षा के लिए घरों में छिपने लगे। घटना के बाद दोनों घायलों को तुरंत बख्तियारपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि फायरिंग करने वाले युवक सूरज का आपराधिक इतिहास रहा है। वह करीब छह महीने पहले ही जेल से रिहा हुआ था। पुलिस के अनुसार सूरज पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। जिससे उसके परिवार और गांव में लगातार तनाव की स्थिति बनी रहती है। फायरिंग की घटना के बाद माधोपुर गांव में तनाव चरम पर है। ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग लगातार हो रही गोलीबारी की घटनाओं से दहशत में हैं। मात्र दो दिन पहले, सोमवार को भी एक पुराने विवाद को लेकर कई राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया था। लगातार होती इन घटनाओं से गांव का वातावरण असुरक्षित होता जा रहा है और लोग प्रशासन से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने फायरिंग में शामिल आरोपी सूरज की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। गांव में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती भी की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की और हिंसा को रोका जा सके।

सोन दियारा क्षेत्र में छापेमारी:180 लीटर शराब बरामद एक तस्कर गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के एनटीपीसी खैरा थाना क्षेत्र के सोन दियारा क्षेत्र में छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर चुलाई महुआ शराब बरामद किया गया है।वहीं मौके से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है।थानाध्यक्ष परमजीत कुमार मंडल ने बताया कि थाना क्षेत्र के

खदहा गांव के समीप सोन दियारा क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार की गुप्त सूचना पर पुलिस ने व्यापक छापेमारी अभियान चलाया जहां तलाशी के दौरान 180 लीटर चुलाई महुआ शराब बरामद किया गया।साथ ही खपिया गांव निवासी शराब तस्कर मुन्ना राम को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया थानाध्यक्ष ने कहा कि शराब को जप्त कर थाना लाया गया है और गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया गया है।

पटना में पारिवारिक तनाव से तंग आकर महिला ने की आत्महत्या

समाज जागरण
पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नदी थाना अंतर्गत विक्रमपुर गांव में बुधवार की देर रात 26 वर्षीय शबनम खातून ने पारिवारिक तनाव से तंग आकर जहर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। दो मासूम बच्चों की मां शबनम की इस तरह के अचानक मौत से परिवार और पड़ोसियों में गहरा दुख और स्तब्धता फैल गई है। शबनम खातून अपने पति फेंकन नट और दो बच्चों के साथ विक्रमपुर गांव में रहती थीं। फेंकन नट पेशे से वाहन चालक हैं और इसी काम से वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बुधवार देर रात अचानक ऐसी स्थिति बनी कि शबनम ने जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। घरवालों ने जब उनकी हालत बिगड़ती देखी, तो तुरंत पास के डॉक्टर के पास ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरूआती जांच में पुलिस इस घटना को पारिवारिक तनाव और घरेलू कलह से जोड़कर देख रही है। ग्रामीणों ने भी बताया कि पिछले कुछ समय से शबनम मानसिक तनाव से गुजरती दिख रही थीं। हालांकि यह तनाव किस वजह से था और क्या यह लगातार चल रहे विवाद का परिणाम था पुलिस इसकी पुष्टि करने से पहले सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगा कि आत्महत्या केवल पारिवारिक विवाद के कारण हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही नदी थाना अध्यक्ष शंकर झा पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच प्रक्रिया को मजबूत और वैज्ञानिक बनाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया था। टीम ने घटनास्थल पर फोरेंसिक परीक्षण किया, ताकि यह पता चल सके कि कौन-सा जहर इस्तेमाल किया गया और परिस्थितियां क्या थीं। थानाध्यक्ष शंकर झा ने कहा कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। उनके अनुसार, यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि घटना की वास्तविक वजह सामने आए, जिससे आगे की कानूनी कार्रवाई निष्पक्ष रूप से की जा सके। शबनम की मौत की खबर मिलते ही उनके मायके पक्ष के लोग भी तत्काल गांव पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शबनम बहुत शांत स्वभाव की थीं और अपने बच्चों के प्रति बेहद स्नेही थीं। उनकी अचानक मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मायके वालों ने भी पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियाँ स्पष्ट हो सकें।

पटना पुलिस ने किया मोस्ट वांटेड अपराधी को लुधियाना से गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहा और पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल सुबोध राय को आखिरकार पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पटना पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे लुधियाना से पटना ले आई है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। सुबोध राय मनेर और आसपास के इलाकों में लंबे समय से सक्रिय अपराधियों में शुमार रहा है। पुलिस के अनुसार वह कई संगीन घटनाओं में प्रत्यक्ष रूप से शामिल रहा है। मनेर थाना क्षेत्र के एक मामले में वह महीनों से फरार था। पुलिस उसका पता लगाने में जुटी थी, लेकिन वह लगातार ठिकाना बदलकर बच निकलता था। अंततः तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर उसकी

लोकेशन पंजाब में ट्रेस हुई और एक विशेष टीम ने उसे धर दबोचा। जून 2025 में सुबोध राय और उसके साथियों द्वारा की गई एक बड़ी वारदात ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी। आरोप है कि उन्होंने गंगा किनारे काम करने वाले मछुआरों से रंगदारी की मांग की थी। जब मछुआरों ने पैसे देने से इनकार किया तो सुबोध और उसके गिरोह ने डर पैदा करने के उद्देश्य से फायरिंग कर दी। इस घटना के बाद दीघा थाना में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और रंगदारी का मामला दर्ज किया गया था। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबोध और उसका गिरोह नकटा दियारा क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए आए दिन छोटी-बड़ी आपराधिक वारदातें करते रहते थे। उनकी गतिविधियों से इलाके में भय का माहौल बना रहता था और कई लोग शाम के बाद बाहर निकलने से भी कतराते थे।पटना पुलिस ने जिले के कुख्यात अपराधियों की एक विशेष सूची तैयार की है जिसमें कुल 40 बदमाशों के नाम शामिल हैं। इन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सुबोध राय भी इस सूची में शामिल था। उसके करीबी साथी भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। कई सहयोगी अभी भी फरार हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुबोध का नेटवर्क काफी फैल चुका था और वह कई आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने में अपने संपर्कों का उपयोग करता था। इसी वजह से उसे पकड़ना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन लुधियाना में उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए अंततः पुलिस ने सफलता हासिल की।

पटना के खिरिमोड थाने का एसडीपीओ ने किया निरीक्षण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ गुरुवार को जिले के पालीगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी- 1 द्वारा खीरीमोर थाने का विधिवत एवं विस्तृत निरीक्षण किया गया। साथ ही खीरीमोर थाने के कैंपस तथा पुलिस पदाधिकारीयो एवं पुलिस बल के आवास का भी निरीक्षण किया गया एवं उचित रखरखाव, सफाई तथा मरम्मती हेतु दिशा निर्देश दिए गए। थाने के वायरलेस सिस्टम को चेक किया गया। थाने में संधारित विभिन्न पंजीयों तथा अभिलेखों का निरीक्षण किया गया एवं अद्यतन करने हेतु निर्देश दिया गया। अनुसंधान

कताओं को सीसीटीएनएस दर्पण पोर्टल तथा इ साक्ष्य ऐप का प्रयोग करने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही कांड दैनिकी, चार्जशीट एवं अन्य अभिलेखों को सीसीटीएनएस एवं ईमेल द्वारा भेजने का निर्देश दिया गया। प्रभार हेतु लंबित कांडों का शीघ्र प्रभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया। गुंडा पंजी एवं दागी पंजी को अद्यतन करने हेतु निर्देश दिया गया। अवैध हथियारों एवं मादक पदार्थों के बरामदगी पर जोर दिया गया। जेल से तथा बेल पर छुटे अपराधियों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। ईआरएसएस 112 के टैब का निरीक्षण किया गया एवं विभिन्न कॉल पर लिए गए एक्शन की जाच की गई। रात्रि गश्ती को मुस्तैदी के साथ करने का निर्देश दिया गया।

न्यायिक परिवेशों में दिव्यांगजन की पहुंच

समाज जागरण

सरकार ने दिव्यांगजन समेत आम आदमी को किफायती, गुणवत्तापूर्ण और तेज विधिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। विधिक सेवा प्राधिकरण (एलएसए) अधिनियम, 1987 दिव्यांगजन समेत समाज के सभी कमजोर तबकों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करने की व्यवस्था करता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) दिव्यांगजन समेत सभी नागरिकों को मिलने वाली कानूनी सहायता की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए समय-समय पर प्रत्यक्ष और आभासी रूप में अखिल भारतीय और क्षेत्रीय बैठकें आयोजित करता है। इसके अलावा कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय मंत्रालय की विभागीय संसदीय स्थाई समिति भी एलएसए अधिनियम,1987 के अंतर्गत विधिक सहायता के कामकाज का आकलन करती है। भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय न्यायिक शैक्षणिक परिषद (एनजेएसी) के दिशानिर्देशन में राष्ट्रीय न्यायिक अकादेमी (एनजेए) न्यायपालिका को दिव्यांगजन की जरूरतों और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने और उनके लिए न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियमित तौर पर कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इन कार्यक्रमों में जानीमानी हस्तियां और विषय के विशेषज्ञ भाग लेने वालों का संबंधित विधिक ढाचें, सर्वश्रेष्ठ परिपाटियों और पहुंच के मानकों के व्यावहारिक क्रियान्वयन के बारे में मार्गदर्शन करते हैं। इस अहम विषय के महत्व को समझते हुए एनजेए न्यायपालिका के लिए अपने विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में जागरूकता के तत्व को सक्रियता से शामिल करता रहा है। एनएएलएसए ने अधिवक्ताओं के प्रशिक्षण के लिए एक मॉड्यूल तैयार किया है जिसमें दिव्यांगजन पर प्रशिक्षण भी शामिल है। अन्य बातों के अलावा, इस मॉड्यूल का उद्देश्य भागीदारों को दिव्यांगता तथा सामाजिक और व्यक्तिगत तौर पर दिव्यांगजन के प्रति उनके नजरिये को समझने में मदद करना है। मॉड्यूल में दिव्यांगजन के सांवैधानिक अधिकारों और दिव्यांगता से संबंधित कानूनों की भी जानकारी दी जाती है।

सरकार जिला और निचली अदालतों में अवसंरचना के विकास के लिए केंद्र प्रायोजित एक योजना को क्रियान्वित कर रही है। इसके अंतर्गत इन अदालतों में न्यायालय कक्षों, न्यायिक अधिकारियों के लिए रिहायशी इकाइयों, अधिवक्ता कक्ष, डिजिटल कंप्यूटर कक्ष और शौचालय परिसर के निर्माण के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों के संसाधनों को मजबूत किया जा रहा है। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य/संघ शासित क्षेत्र यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्तावित अवसंरचना की डिजाइन दिव्यांगजन के अनुकूल हो। इमारत की डिजाइन केंद्रीय लोक निर्माण विभाग तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के समय-समय पर जारी प्रतिमानों/पहुंच मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाता है

पटना के पीएमसीएच में हड़ताल से मरीजों को हुई काफी परेशानी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल ने मरीजों और उनके परिजनों के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं दोनों बंद होने के कारण दूर-दराज से इलाज कराने पहुंचे हजारों मरीज मायूस होकर वापस लौटने को मजबूर हुए हैं। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि 2 हजार से अधिक मरीज बिना इलाज लौट गए, जबकि लगभग 100 नए मरीजों का भर्ती होना भी संभव नहीं हो सका।हड़ताल का कारण बुधवार की सुबह की वह घटना है जब 70 वर्षीय सुरेश सिंह की मौत के बाद मरीज के परिजनों और डॉक्टरों के बीच विवाद बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया। सुरेश सिंह को ब्रेन हेमरेज की वजह से तीन दिन पहले भर्ती कराया गया था। उनकी हालत बिगड़ने के बाद सुबह उनकी मृत्यु हो गई। जब परिवार को मौत की जानकारी दी गई तो परिजनों ने डॉक्टरों से दोबारा जांच की मांग की। इसी बात पर विवाद शुरू हुआ जिसने मारपीट का रूप ले लिया। परिजन अमन सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी बहन द्वारा केवल इतना अनुरोध करने पर कि मृतक की बॉडी गरम है, डॉक्टरों ने अभद्र टिप्पणी की और उनकी बहन को मारा। दूसरी ओर जूनियर डॉक्टरों का दावा है कि परिजनों ने महिला डॉक्टरों सहित कई चिकित्सकों के साथ हाथापाई और दुर्व्यवहार किया। दोनों पक्षों ने मामले की शिकायत पीरबहोर थाना

में दर्ज कराई है और पुलिस जांच में जुटी है। जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल की घोषणा करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी तीन मुख्य मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे। ये मांगें इस प्रकार हैं पीएमसीएच के सभी विभागों में तत्काल सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर किसी भी प्रकार की हिंसा की स्थिति में स्वतः संस्थागत एफआईआर दर्ज हो। अस्पतालों में हिंसा रोकने और दोषियों पर कार्रवाई के लिए कड़े कानूनी प्रावधान लागू किए जाएं। डॉक्टर्स का कहना है कि सुरक्षा की मांग वे पहले भी उठा चुके हैं, लेकिन अस्पताल प्रशासन द्वारा अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिससे ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं। अस्पताल में हड़ताल के कारण मरीजों की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। कई मरीज अपनी जांच रिपोर्ट दिखाने के लिए आए थे, लेकिन डॉक्टर उपलब्ध न होने के कारण उन्हें वापस जाना पड़ा। वैशाली के जमाल अख्तर तीन दिनों से हार्ट पेशेंट के इलाज के लिए भर्ती थे, लेकिन हड़ताल की वजह से उन्हें बीच में ही लौटना पड़ा। मोतिहारी की देवपतिया देवी पिछले चार दिनों से सीने में दर्द और सांस की समस्या के लिए भर्ती थीं, लेकिन रिपोर्ट दिखाने का मौका न मिलने से वे निराश होकर घर लौट गईं। सोनपुर निवासी मिथिलेश कुमार अपनी पत्नी के डायलिसिस के लिए आए थे, लेकिन अस्पताल में काम पूरी तरह बंद होने से उनकी पत्नी का जीवन जोखिम में पड़ गया। बक्सर से आए कई मरीजों ने बताया कि वे चार-पांच दिनों से अस्पताल में थे, लेकिन हड़ताल के कारण कोई इलाज नहीं हो रहा है और वे मजबूरन घर लौट रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित अमन सिंह को डॉक्टरों के विवाद से बाहर निकाला। दोनों पक्षों की शिकायतों पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में हुए विवाद की जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।